संसेक्स	~	81,644.39
निफ्टी	~	24,980.65
सोना	~	1,00,750
चांदी	~	1,16,000
डॉलर	~	87.01

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

बालाघाट
बुधवार 20 अगस्त 2025
भाद्रपद कृष्ण 12 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 326
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

E-mail: balaghatexpress@gmail.com

/padmeshmedia /padmeshmedia

epaper.balaghatexpress.in

खास खबर

मणिका विश्वकर्मा बनीं मिस यूनिवर्स इंडिया

देशभर की 47 मॉडल्स को पीछे छोड़ा; अब मिस यूनिवर्स के लिए भारत को करेंगी रिप्रजेंट

जयपुर। राजस्थान के श्रीगंगानगर की रहने वाली मणिका विश्वकर्मा ने मिस यूनिवर्स इंडिया-2025 का खिताब जीता है। इस प्रतिष्ठित खिताब के लिए देशभर से जयपुर आईं 48 फाइनलिस्ट्स के बीच मुकाबला हुआ था। मणिका विश्वकर्मा अब 21 नवंबर 2025 को थाईलैंड के नोंथाबुरी स्थित इम्पैक्ट चैलेंजर हॉल में होने वाली मिस यूनिवर्स 2025 प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। मणिका विश्वकर्मा ने कहा कि मैं अपने देश को वर्ल्ड लेवल पर रिप्रजेंट करने को लेकर उत्साहित हूं। हमारे देश की संस्कृति को दुनिया के सामने प्रस्तुत करने का मुझे मौका मिला है। यह मेरे लिए बहुत खास पल है। मणिका ने कहा कि मिस यूनिवर्स इंडिया का ताज अपने प्रदेश में मिलना भी सुखद है। मेरी कोशिश रहेगी कि समाज सेवा में भी मेरा योगदान हो। इसके लिए अभी से काम कर रही हूं। मुझे पेंटिंग के अलावा सिंगिंग और डांसिंग भी बेहद पसंद है। मणिका पॉलिटिकल और इकॉनोमिक्स की स्टूडेंट हैं। इसके अलावा नेशनल अवॉर्डी आर्टिस्ट भी हैं।

आसाराम की फिर बढ़ी जमानत की अवधि

अहमदाबाद। गुजरात हाईकोर्ट ने मंगलवार को आसाराम बापू की अस्थायी जमानत तीन सितंबर तक बढ़ा दी है। आसाराम को 2013 के एक बलात्कार मामले में दोषी ठहराया गया था और गांधीनगर की एक अदालत ने उन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। न्यायमूर्ति इलेश वोरा और न्यायमूर्ति पीएम रावल की खंडपीठ ने आसाराम की अस्थायी जमानत को तीन सितंबर तक बढ़ा दी है। अंतरिम जमानत 21 अगस्त को खत्म हो रही थी। राजस्थान हाईकोर्ट 20 अगस्त को एक अन्य केस में अतंरिम जमानत याचिका पर सुनवाई करेगा।

पाकिस्तान हॉकी एशिया कप से हटा

नई दिल्ली। पाकिस्तान 29 अगस्त से शुरू हो रहे एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट से अधिकृत रूप से हट गया है। इतना ही नहीं, ओमान ने भी अपना नाम वापस ले लिया है। ऐसे में बांग्लादेश और कजाकिस्तान को मौका दिया गया है।

जानकारी के अनुसार मंगलवार सुबह पाकिस्तान हॉकी फेडरेशन ने भारत आने से अधिकृत तौर पर इनकार कर दिया है। ओमान की टीम भी हट गई है। ऐसे में बांग्लादेश और कजाकिस्तान को ड्रॉ में शामिल कर दिया। इससे पहले मीडिया रिपोर्ट में पाकिस्तान के इस टूर्नामेंट से हटने की बातें कही जा रही थीं। एक महीने पहले पाकिस्तान हॉकी फेडरेशन ने सुरक्षा कारणों का हवाला दिया था।

कुछ ना कहना

चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने पीएम मोदी से की मुलाकात

मप्र से लेकर महाराष्ट्र तक आफत की बारिश

ज्यादा भीड़ से मोनोरेल ट्रैक पर फंसी:विंडो तोड़कर 500 यात्री निकाले : 14 लोगों की मौत; मध्य रेलवे ने सात जोड़ी ट्रेनों को किया रद्द

मुंबई/भोपाल। मप्र के कुछ हिस्सों और महाराष्ट्र में बीते कुछ दिनों से हो रही बारिश ने लोगों की आफत बढ़ा रखी है। राज्य में लगातार हो रही बारिश और बाढ़ से अब तक 14 लोगों की मौत हो चुकी है। जबकि सैकड़ों लोगों को बचाया गया है। नांदेड़ में बादल फटने के बाद आई बाढ़ में आठ लोगों की मौत हो गई। जबकि अलग-अलग घटनाओं में छह लोगों ने जान गंवा दी। वहीं सरकारी आंकड़े के अनुसार, इस साल बाढ़, बारिश और बादल फटने के बाद भूस्खलन से 1600 से ज्यादा लोग मारे गए। आंध्र प्रदेश में सबसे ज्यादा 343 लोगों की मौत हुई, इसके बाद मध्य प्रदेश में 243 और हिमाचल प्रदेश में 195 लोगों की जान गई। महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस ने लोगों से कहा है कि आगामी 48 घंटे बेहद अहम हैं, वे सावधानी बरतें। वहीं बारिश के चलते ट्रैक पर पानी भरने से मध्य रेलवे ने सात जोड़ी ट्रेनों को रद्द कर दिया है। कई ट्रेनों का रास्ता बदला गया है।

मप्र में मंगलवार को भी बारिश का दौर जारी रहा। भोपाल-इंदौर समेत कई जिलों में बारिश हुई। मौसम विभाग ने 9 जिलों में भारी बारिश होने की चेतावनी जारी की है। वहीं अगले 24 घंटे में आलीराजपुर, बड़वानी, खरगोन, हरदा, खंडवा, बुरहानपुर, बैतूल, छिंदवाड़ा और पांढुर्णा में भारी बारिश हो सकती है। यहां साढ़े 4 इंच तक पानी गिरने का अनुमान है। बारिश के स्ट्रॉन्ग सिस्टम की वजह से अगस्त महीने के आखिरी दिनों में पूरा मध्यप्रदेश भीगेगा। भोपाल, इंदौर, जबलपुर और नर्मदापुरम संभाग के जिलों में ज्यादा असर देखने को मिलेगा। यहां 21 अगस्त से अति भारी बारिश का अलर्ट है। इससे पहले भी बारिश का दौर चल रहा है। खरगोन जिले में रुक-रुककर हो रही बारिश से नदी-नाले उफान पर हैं। जिले का सबसे बड़ा देजला देवाड़ा जलाशय इस सीजन में पहली बार ओवरफ्लो हुआ। बैतूल के चोपना में एक ट्रैक्टर-ट्रॉली नदी में पलट गई। पांच युवक नदी में फंस गए। दो तैरकर बाहर आ गए। बाकी 3 को पुलिस ने रेस्क्यू किया।

मोनोरेल सर्विस पर भी असर पड़ा। मैसूर कॉलोनी रेलवे स्टेशन के पास शाम 6 बजे एक मोनोरेल एलिवेटेड ट्रैक पर अटक गई। अंदर मौजूद करीब 500 यात्रियों को विंडो तोड़कर क्रेन की मदद से निकाला गया। MMRDA ने बताया कि भीड़ बढ़ने की वजह से ऐसा हुआ। इसके अलावा सेंट्रल रेलवे ने 14 ट्रेनें (7 जोड़ी) कैंसिल कर दीं। 250 से ज्यादा फ्लाइट देरी से उड़ीं। लोकल ट्रेन सर्विस भी प्रभावित है। महाराष्ट्र में बीते दो दिन में बारिश से जुड़ी दुर्घटनाओं में 14 लोगों की मौत हो गई। इनमें 8 नांदेड़ से थे। अगले 48 घंटे मुंबई, ठाणे, रायगढ़, रत्नागिरी और सिंधुदुर्ग जिले में रेड अलर्ट है। मुख्यमंत्री कार्यालय ने कहा- ह्ष्ठक्रन्न और स्ठक्रन्न समेत डिजास्टर मैनेजमेंट से जुड़ी सभी एजेंसियां हाई अलर्ट पर हैं। जान-माल और फसलों के नुकसान के लिए तत्काल मदद के आदेश हैं। नागरिकों को हर तीन घंटे में मौसम का अपडेट दिया जा रहा है।

लंबी दूरी की 14 ट्रेनें रद्द

महाराष्ट्र में भारी बारिश और जलभराव के कारण मध्य रेलवे ने 14 लंबी दूरी की ट्रेनें (7 जोड़ी) रद्द कर दी हैं। जबकि कुछ ट्रेनों को डायवर्ट किया गया। इसके अलावा कई ट्रेनों को शॉर्ट ओरिजिनेट किया गया है। मध्य रेलवे की सीपीआरओ डॉ. स्वप्निल नीला ने बताया कि बारिश के कारण लंबी दूरी की 14 ट्रेनें रद्द कर दी गई हैं। जबकि 16 का समय बदला गया है और 6 ट्रेनों को गंतव्य से पहले स्टेशनों पर ही समाप्त/प्रारंभ किया गया है। इसके अलावा, दो ट्रेनों को परिवर्तित मार्गों से चलाया जा रहा है।

नदी में ट्रॉली पलटी, चट्टान में फंसे 3 युवक

बैतूल के चोपना थाना क्षेत्र में भड़ंगा नदी में सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात करीब 1 बजे बटकीडोह-नारायणपुर के बीच भड़ंगा नदी के रपटे पर एक ट्रैक्टर-ट्रॉली पानी के तेज बहाव में पलट गई। ट्रॉली पर सवार 5 युवकों में से 2 तैरकर बाहर निकल आए, जबकि 3 युवक नदी के बीच चट्टान पर फंस गए। सूचना मिलते ही चोपना टीआई नरेंद्र सिंह परिहार पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और बचाव अभियान शुरू कराया। ग्रामीणों की मदद से सुरक्षा उपकरण और रस्सियों का इस्तेमाल कर नदी के बीच करीब 30 मीटर दूर चट्टान तक पहुंचकर तीनों युवकों को सुरक्षित बाहर निकाला गया।

नांदेड़ में बाढ़ में आठ की मौत

नांदेड़ जिले में बादल फटने के कारण आई बाढ़ में आठ लोगों की मौत हो गई। जबकि मुंबई में करीब 300 मिमी बारिश दर्ज की गई। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि राज्य के विभिन्न हिस्सों में भारी बारिश के कारण 12 से 14 लाख एकड़ भूमि पर लगी फसलें नष्ट हो गई हैं। मुंबई की जीवनरेखा कही जाने वाली लोकल ट्रेनें या तो धीमी हो गई हैं या देरी से चल रही हैं। मीठी नदी मुंबई में खतरे के निशान तक पहुंच गई है और 400 से 500 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाना पड़ा है। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे स्थिति पर नजर रख रहे हैं। सीएम ने बताया कि नांदेड़ जिले के बाढ़ प्रभावित गांवों से 290 से अधिक लोगों को बचाया गया है। क्षेत्र में राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) और सेना को तैनात किया गया है।

10 लाख हेक्टेयर फसल प्रभावित

डिप्टी सीएम अजित पवार ने कहा कि लगातार बारिश से राज्य में लगभग 10 लाख हेक्टेयर कृषि भूमि जलमग्न हो गई है। बारिश थमने के बाद नुकसान का आकलन शुरू किया जाएगा। गढ़चिरौली में सोमवार शाम से लगातार हो रही बारिश के कारण निचले इलाकों में पानी भर गया है और संपर्क बाधित हो गया है। पर्लकोटा नदी के उफान पर आने के कारण भामरागाड तालुका के 50 से अधिक गांव संपर्क से कटे हुए हैं। इसके चलते भामरागा-अल्लापल्ली राजमार्ग को बंद करना पड़ा। वहीं कोडपे गांव का 19 वर्षीय युवक उफनती नदी पार करते समय बह गया। भूस्खलन के कारण कोल्हापुर-रत्नागिरी राजमार्ग कई घंटों तक बंद रहा। भूस्खलन और गांव के मार्गों में बाढ़ आने के कारण महाड और नागोथाने में सडक़ संपर्क बाधित हो गया है।

इसरो बना रहा 40 मंजिला ऊंचा रॉकेट

हैदराबाद। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के प्रमुख वी. नारायणन ने मंगलवार को कहा कि अंतरिक्ष एजेंसी 40 मंजिला इमारत जितना ऊंचा रॉकेट बना रही है, जो 75 किलोग्राम का पेलोड पृथ्वी की निचली कक्षा में भेज सकेगा। नारायणन ओस्मानिया विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने बताया कि इस साल इसरो के पास एनएवीआईसी उपग्रह, एन1 रॉकेट जैसी परियोजना हैं। साथ ही उसके पास अमेरिकी 6,500 किलोग्राम के संचार उपग्रह को भारतीय रॉकेट के जरिए कक्षा में भेजने का भी काम है। नारायणन ने कहा, क्या आप जानते हैं कि पहले रॉकेट की क्षमता क्या थी? डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ने जो पहला लॉन्चर बनाया था, उसका वजन 17 टन था और यह 35 किलोग्राम का पेलोड पृथ्वी की निचली कक्षा में भेज सकता था। आज हम 75 हजार किलोग्राम पेलोड भेजने वाला रॉकेट बना रहे हैं, जिसकी ऊंचाई 40 मंजिला इमारत जितनी होगी। नारायणन ने बताया कि इसरो इस साल प्रौद्योगिकी प्रदर्शन उपग्रह और भारतीय नौसेना के लिए बनाया गया सैन्य संचार उपग्रह जीसैट-7आर लॉन्च करने की योजना बना रहा है, जो मौजूदा जीसैट-7 (रुक्मिणी) उपग्रह की जगह लेगा। उन्होंने बताया कि फिलहाल कक्षा में भारत के 55 उपग्रह हैं, जो अगले तीन-चार वर्षों में तीन गुना बढ़ जाएंगे। दीक्षांत समारोह में तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने नारायणन ने विज्ञान में डॉक्टरेट की मानद उपाधि प्रदान की। उन्होंने भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम में नारायणन के योगदान की सराहना की।

केरल हाईकोर्ट में बदबू की वजह से कार्यवाही स्थगित

जंगली जानवर ने पेशाब की थी, जाल बिछाने पर पकड़ा गया

तिरुवनंतपुरम। कोच्चि में मंगलवार सुबह केरल हाईकोर्ट में कार्यवाही बदबू की वजह से रोकनी पड़ी। ये बदबू अदालत की फॉल्स सीलिंग में घुसे सिवेट (जंगली जानवर) के पेशाब करने से आ रही थी। अदालत सूत्रों के मुताबिक, बदबू इतनी तेज थी कि मुख्य न्यायाधीश नितिन जमदार और जस्टिस बसंत बालाजी की डिवीजन बेंच ने सभी मामलों को स्थगित कर दिया। अदालत की कार्यवाही सिर्फ 20 मिनट चली और फिर कमरे को बंद कर दिया गया।

केरल हाईकोर्ट की मंगला वन अभयारण्य के पास मौजूदगी लंबे समय से विवाद का विषय रही है। यहां पहले भी बड़े अजगर और दूसरे जंगली जानवर कोर्ट परिसर के आसपास देखे जा चुके हैं। इसी वजह से हाईकोर्ट को कोच्चि शहर से हटाकर उपनगर कलामसेरी ले जाने की मांग उठती रही है।

उपराष्ट्रपति चुनाव की सज चुकी बिसात

राधाकृष्णन और रेड्डी...

नई दिल्ली। संसद के दोनों सदनों में चल रहे गतिरोध के बीच इंडी गठबंधन ने मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट के रिटायर जस्टिस बी सुदर्शन रेड्डी को उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए उम्मीदवार बनाया है। उनका मुकाबला एनडीए के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन से होगा। विपक्ष दवारा रेडडी के नाम का ऐलान करने के बाद अब ये तय हो गया हैं कि इंडी गठबंधन उपराष्ट्रपति चुनाव में एनडीए को वॉक ओवर नहीं देने जा रहा है। इस ऐलान के बाद अब उपराष्ट्रपति चुनाव काफी रोचक हो गया है। इंडी गठबंधन ने बी सुदर्शन रेड्डी को चुनाव में उतर कर एनडीए उम्मीददवारा को सीधी चुनौती दे दी है। अब देखना दिलचस्प होगा कि दोनों की गठबंधन के अलावा कई दूसरे दल जो कि वर्तमान में एनडीए और इंडी में शामिल नहीं है। उपराष्ट्रपति चुनाव में किसका साथ देते हैं।

जहां 79 साल के रेड्डी गुवाहाटी हाइकोर्ट के चीफ जस्टिस और गोवा के पहले लोकायुक्त रह चुके हैं। वे आंध्र प्रदेश निवासी हैं। 2007 में सुप्रीम कोर्ट का जज नियुक्त किया गया था। खास बात है कि उपराष्ट्रपति पद के लिए दोनों ही उम्मीदवार दक्षिण भारत से हैं। रिटायर जस्टिस रेड्डी आंध्रप्रदेश से, जबकि सीपी राधाकृष्णन तमिलनाडु से हैं। दोनों 21 अगस्त को नामांकन दाखिल करने वाले है। उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए 9 सितंबर को वोटिंग होगी। उसी दिन काउंटिंग भी की जाएगी। नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख 21 अगस्त है। 25 अगस्त तक उम्मीदवारी वापस ली जा सकती है। उपराष्ट्रपति का चुनाव जगदीप धनखड़ के 21 जुलाई की रात अचानक इस्तीफा देने की वजह से हो रहा है। 74 साल के धनखड़ का कार्यकाल 10 अगस्त 2027 तक था।

एनडीए के उम्मीदवार का जीतना तय

लोकसभा में कुल सांसदों की संख्या वर्तमान में 542 है। एक सीट खाली है। एनडीए के 293 सांसद हैं। इसी तरह राज्यसभा में 245 सांसद हैं। वहां 5 सीट खाली हैं। एनडीए के पास 129 सांसद हैं। यह मानकर कि उपराष्ट्रपति के लिए नामांकित सदस्य भी एनडीए उम्मीदवार के पक्ष में मतदान करने वाले है। इस तरह, सत्तारूढ़ गठबंधन को कुल 422 सदस्यों का समर्थन प्राप्त है। बहुमत के लिए 391 सांसदों के समर्थन की जरूरत है। अगस्त 2022 में एनडीए उम्मीदवार जगदीप धनखड़ को 528 वोट मिले थे। वहीं विपक्षी उम्मीदवार मार्गेट अल्वा को सिर्फ 182 वोट मिले थे। तब 56 सांसदों ने वोट नहीं डाला था।

भाजपा और चुनाव आयोग की साझेदारी से बिहार में बड़े पैमाने पर वोट चोरी की जा रही

नवाद। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को बिहार की जनता को वोट चोरी की साजिश से आगाह करते हुए कहा कि 'पहले आपका वोट का अधिकार छीना जाएगा, फिर राशन कार्ड और उसके बाद आपकी जमीन अडानी-अंबानी को सौंप दी जाएगी। मंगलवार को बिहार में वोटर अधिकार यात्रा के दौरान राजद नेता तेजस्वी यादव व इंडिया गठबंधन के प्रमुख नेताओं के साथ राहुल गाँधी नवादा में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। तीसरे दिन यात्रा के मार्ग पर हजारों की संख्या में खड़े लोगों ने जगह-जगह झंडे-बैनर और नारों के साथ जोरदार स्वागत किया। खुली जीप में सवार वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने लोगों का हाथ हिलाकर अभिवादन किया। नवादा में सभा के दौरान एक स्थानीय निवासी सुबोध कुमार ने बताया कि उनका नाम वोटर लिस्ट से हटा दिया गया है, जबकि उन्होंने लोकसभा चुनाव में न केवल वोट डाला था बल्कि वो चुनाव एजेंट भी थे। राहुल गांधी ने कहा कि बिहार में सुबोध जैसे लाखों लोग हैं, जिनके नाम वोटर लिस्ट से काट दिए गए हैं। जनसभा में उमड़ी भीड़ से सीधा संवाद करते हुए राहुल गांधी ने भाजपा और चुनाव आयोग पर लोगों के संवैधानिक अधिकार छीनने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि वोट जनता का अधिकार है, संविधान वोट का यह अधिकार देता है। एसआईआर के जरिए यह अधिकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और चुनाव आयुक्त मिलकर छीन रहे हैं। वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने कहा कि यह देश कुछ अरबपतियों का नहीं, बल्कि सभी किसानों, मजदूरों, छोटे व्यापारियों और युवाओं का है। उन्होंने कहा कि गलत जीएसटी, नोटबंदी जैसे फैसले अरबपतियों के फायदे के लिए होते हैं, जिससे आम जनता को नुकसान होता है।

जनता के जोशीले नारों के बीच राहुल गांधी ने महाराष्ट्र, हरियाणा और मध्य प्रदेश के चुनावों में भी वोटों की धांधली का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव के बाद महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव तक राज्य में लगभग एक करोड़ नए वोटर जादू से पैदा हो गए, जिससे भाजपा ने जीत हासिल की। विपक्षी दलों ने चुनाव आयोग से इन एक करोड़ नए वोटरों के बारे में जानकारी मांगी, लेकिन यह नहीं दी गई। मतदान केंद्रों की वीडियोग्राफी मांगी तो कानून ही बदल दिया गया।

उन्होंने कहा कि अब बिहार में एसआईआर के नाम पर भाजपा और

राज्यसभा में वोटर वेरिफिकेशन पर हंगामा...

किसानों के लिए यूरिया रिलीज की मांग को लेकर विपक्ष का प्रदर्शन

नई दिल्ली। लोकसभा और राज्यसभा में वोटर वेरिफिकेशन और वोट चोरी के आरोप पर मंगलवार को भी जमकर हंगामा हुआ। राज्यसभा की कार्यवाही बमुश्किल 5 मिनट ही चली। उधर, लोकसभा में भी ऐसे हालात रहे। यहां भी कार्यवाही शुरू होते ही विपक्षी सांसदों ने हंगामा और नारेबाजी की। सदन में नारेबाजी के बीच स्पीकर ओम बिरला ने प्रश्नकाल चलाने की कोशिश की। 18वें दिन शुभांशु शुक्ला के सफल अंतरिक्ष मिशन पर चर्चा होनी थी, लेकिन हंगामे के कारण नहीं हो सकी। वहीं लोकसभा में कृषि शिक्षा को लेकर सवाल पर मंत्री भगीरथ चौधरी ने कहा कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, आईसीआर के माध्यम से कृषि शिक्षा के लिए कार्य किया जा रहा है। विकसित कृषि संकल्प अभियान को लेकर सवाल पर कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि हम एग्रीकल्चर एजुकेशन को कैसे बेहतर कर पाएं, इसका भी प्रयास करेंगे। ये मोदी सरकार है, लैब के शोध को लैंड पर पहुंचाने का फैसला किया है।

शिवराज ने कहा कि पहली बार कृषि वैज्ञानिक लैब से निकलकर लैंड पर गए हैं। इसके सुपरिणाम सामने आए हैं। लगभग 500 ऐसे विषय मिले हैं, जिन पर शोध की जरूरत है। 300 नवाचार किसानों ने भी किए हैं। 3 अक्टूबर से 18 अक्टूबर तक फिर विकसित कृषि अभियान शुरू होगा और हम फिर से किसानों के बीच जाएंगे। अब ये सरकार कृषि भवन से नहीं, खेत-खलिहान से चलेगी।

तमिलनाडु सरकार बनने ही नहीं दे रही गरीबों के मकान

शिवराज ने कहा कि तमिलनाडु की सरकार ने 2 लाख 15 हजार मकान गरीबों के स्वीकृत ही नहीं किए हैं। ये गरीबों के साथ धोखा है, पाप है, अन्याय है। 3 लाख से ज्यादा मकान के लिए पैसा दिया जा चुका है, लेकिन मकान पूरे ही नहीं हुए हैं। 608 करोड़ रुपये तमिलनाडु सरकार के खाते में पड़ा हुआ है, लेकिन ये मकान बनने नहीं दे रहे हैं।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी आवेदकों की समस्या : 110 आवेदक अपनी समस्या लेकर आए

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। प्रत्येक मंगलवार को होने वाली जनसुनवाई की कड़ी में 19 अगस्त को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। कलेक्टर मृणाल मीना की अध्यक्षता में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ एवं अपर कलेक्टर श्री जीएस धुर्वे ने अन्य विभागों के अधिकारियों के साथ आवेदकों की समस्याओं को सुना और संबंधित विभाग को उनका निराकरण करने के निर्देश दिये। जनसुनवाई में 110 आवेदक अपनी समस्या लेकर आए थे।

जनसुनवाई में किरनापुर तहसील के ग्राम कुंडे का दामेंद्र बागड़े शिकायत लेकर आया था कि उसका भाई राजेंद्र बागड़े से विवाद हुआ था जिस पर भाई राजेंद्र बागड़े द्वारा समाज की मीटिंग बुलाकर उसे समाज से बाहर कर दिया गया है। अब उसे समाज में मिलाने के लिए उससे 50 हजार रुपये की मांग की जा रही है। वह यह राशि देने में सक्षम नहीं है अत: उसे बिना राशि के समाज में वापस शामिल किया जाए। इस पर जनपद पंचायत किरनापुर के सीईओ को कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है। खैरलांजी तहसील के ग्राम मिरगपुर की अनिता वाल्दे शिकायत लेकर आयी थी कि उसे दिसम्बर 2024 से जुलाई 2025 तक का लाडली बहना योजना का पैसा नही मिला है। वह बहुत गरीब है अत: उसे इस योजना की राशि शीघ्र दिलायी जाए। इस पर महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी को कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

जनसुनवाई में तिरोड़ी तहसील के ग्राम सुकली के निवासी ब्रजेश सोनवाने शिकायत लेकर आए थे कि वह अपने भाई रितेश सोनवाने के साथ नागपुर में निवास करते है। उनकी माता रामबती बाई सोनवाने और पिता रामेश्वर सोनवाने गांव सुकली में निवास करते है। उनके द्वारा मंदिर निर्माण या अन्य धार्मिक कार्यक्रमों के लिए चंदा नही देने पर गांव की मंदिर समिति द्वारा उनका सामाजिक बहिष्कार किया जा रहा है। ग्रामीणों को धमकी दी जाती है कि जो कोई भी उनके परिवार को किसी सामाजिक या पारिवारिक कार्यक्रम में बुलाएगा उससे 2100 रुपये का जुर्माना वसूला जाएगा। गांव के दुकानदारों एवं दुध विक्रेताओं को भी कहा गया है कि उसके परिवार को कोई सामग्री नही दी जाए अन्यथा उन्हें गांव में व्यापार करने से रोक दिया जाएगा। उसके भाई के बच्चों के लिए दूसरे गांव से दुध लेकर व्यक्ति आता है तो उसे भी धमकी दी जाती है कि उसकी डेयरी बंद कर दी जाएगी। अत- उसे एवं उसके परिवार को न्याय दिलाया जाए। इस प्रकरण मे पुलिस अधीक्षक से कार्यवाही करने कहा गया है।

लांजी तहसील के ग्राम कालीमाटी की ज्ञानवंती बोहने शिकायत लेकर आयी थी कि उसके द्वारा वर्ष 2019-20 में मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना के अंतर्गत भारतीय स्टेट बैंक लांजी से ऋण लिया गया था। उसके द्वारा ऋण की किश्त नियमित रूप से जमा की जा रही है, लेकिन उसे आज तक इस योजना में मिलने वाली अनुदान राशि प्राप्त नही हुई है जिसके कारण उसे आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। अत: उसे शीघ्र अनुदान राशि दिलायी जाए। इस प्रकरण में अग्रणी बैंक प्रबंधक को कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए है। लालबर्रा तहसील के ग्राम टेगनीकला निवासी चंद्रप्रकाश ठाकरे शिकायत लेकर आया था कि वह दिव्यांग है और उसने 12 मार्च 2024 को दिव्यांग युवती से विवाह किया है। उसे शासन के नियमानुसार दिव्यांग विवाह प्रोत्साहन योजना की राशि प्राप्त होना है, लेकिन 01 वर्ष पूर्व जनपद पंचायत लालबर्रा में आवेदन देने के बाद भी अब तक राशि नही मिली है। अत- उसे शीघ्र यह राशि प्रदाय की जाए। इस प्रकरण में सामाजिक न्याय विभाग की जिला समन्वयक को कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

जनसुनवाई में ग्राम पंचायत सचिव के पद से सेवानिवृत्त चंपालाल गौतम सेवानिवृत्ति के बाद की 05 लाख 26 हजार 175 रुपये की उपादान राशि दिलाने की मांग लेकर आए थे। उनका कहना था कि वह ग्राम पंचायत झंझागी में सचिव के पद पर कार्य करते थे। सेवानिवृत्ति के बाद उनके द्वारा श्रम न्यायालय में उपादान राशि दिलाने के लिए प्रकरण दर्ज किया गया था, जिस पर श्रम पदाधिकारी द्वारा 05 लाख 26 हजार 175 रुपये की राशि का भुगतान करने का आदेश 27 जनवरी 2025 को जारी किया गया है, लेकिन जनपद पंचायत कटंगी द्वारा अब तक उस राशि का भुगतान नही किया गया है। इस प्रकरण में जिला पंचायत के पंचायत प्रकोष्ठ के प्रभारी को प्रकरण का परीक्षण कर कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए है।

लालबर्रा विकासखंड के ग्राम मोहगांव (जाम) निवासी दशरथ खोबरागढ़े शिकायत लेकर आया था कि उसके द्वारा वर्ष 2023 में प्राथमिक शाला मोहगांव में बच्चों के लिए मनरेगा के अतर्गत डायनिंग चेयर का निर्माण किया गया था, लेकिन उसे अब तक 10 हजार 744 रुपये की राशि का भुगतान नहीं किया गया है। अत: उसे यह राशि शीघ्र दिलायी जाए। इस प्रकरण में जनपद सीईओ लालबर्रा को कार्यवाही करने कहा गया है। कटंगी विकासखंड के ग्राम सुंदर की सेवनबाई चौहान शिकायत लेकर आयी थी कि उसकी आयु 54 वर्ष है और वह विवाहित है, लेकिन ग्राम पंचायत के सहायक सचिव द्वारा द्वेषपूर्ण तरीके से लाडली बहना योजना का फार्म भरते समय समग्र आईडी में उसे अविवाहित दर्शाया गया है। जिससे वह इस योजना के लाभ से वंचित हो गई है। उसके द्वारा जनपद पंचायत कटंगी में भी शिकायत की गई लेकिन कोई कार्यवाही नही हुई है। अत- उसे शीघ्र इस योजना का लाभ दिलाया जाए। इस प्रकरण में महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी को कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए है।

जनसुनवाई में वारासिवनी तहसील के अंतर्गत ग्राम भाण्डी के ग्रामीण शिकायत लेकर आए थे कि ग्राम पंचायत द्वारा ग्राम भाण्डी के बाजार चौक ग्राउंड एवं देवी चौक में काम्पलेक्स का निर्माण किया जा रहा है। इस काम्पलेक्स के निर्माण से ग्राम का एक मात्र ग्राउंड समाप्त हो जाएगा और ग्रामीणों को अपने धार्मिक और सामाजिक कार्यों के लिए स्थान नहीं मिलेगा। अत- इस काम्पलेक्स का निर्माण रोका जाए। इस पर वारासिवनी एसडीएम को कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है। शासकीय आदिवासी महाविद्यालयीन कन्या छात्रावास बालाघाट की छात्राए शिकायत लेकर आयी थी कि छात्रावास अधीक्षिका पुष्पलता मेश्राम की कार्यप्रणाली एवं व्यवहार से वे संतुष्ट नही है। अधीक्षिका द्वारा उनसे अधिक काम कराया जाता है और अपमानजनक व्यवहार किया जाता है। इतना ही नहीं अधीक्षिका द्वारा छात्राओं से व्यक्तिगत कार्य भी कराये जाते है और अनुचित राशि भी मांगी जाती है। अत- उनके स्थान पर किसी अन्य को छात्रावास अधीक्षिका बनाया जाए एवं उनकी समस्या का निराकरण किया जाए। इस प्रकरण में सहायक आयुक्त जनजाति कार्य विभाग को प्रकरण की जांच कर कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

जनसुनवाई में खैरलांजी तहसील की ग्राम पंचायत नवेगांव-3 के सरपंच शिकायत लेकर आए थे कि वर्ष 2022-23 में सर्व शिक्षा अभियान के अंतर्गत शासकीय प्राथमिक शाला देवीटोला में भवन निर्माण के लिए राशि प्रदाय की गई थी। लेकिन राशि के अभाव में इसका निर्माण कार्य अपूर्ण है। जिसके कारण देवीटोला की प्राथमिक शाला नवेगांव-3 के माध्यमिक शाला भवन में संचालित हो रही है। जबकि देवीटोला और नवेगांव-3 के बीच की दूरी 02 किलोमीटर है। अत: शाला भवन के अपूर्ण कार्य को पूर्ण कराने के लिए शीघ्र राशि दी जाए। सरपंच द्वारा ग्राम के डंडारिया तालाब का सीमांकन कर तालाब की भूमि पर किये गए अतिक्रमण को हटाने की मांग की गई। इस पर कलेक्टर श्री मीना ने सर्व शिक्षा अभियान के जिला परियोजना समन्वयक एवं खैरलांजी तहसीलदार को कार्यवाही करने के निर्देश दिए है।

जनपद पंचायत कटंगी के अतर्गत ग्राम भजियापार निवासी महेश भगत शिकायत लेकर आया था कि उसके द्वारा ग्राम पंचायत के स्टाप डेम, पाईप पुलिया, राशन गोदाम एवं सीसी रोड निर्माण में 125 ट्राली रेत ग्राम पंचायत को प्रदाय की गई है। जिसकी राशि 02 लाख 50 हजार रुपये होती है। लेकिन ग्राम पंचायत द्वारा उसे मात्र 70 हजार रुपये का भुगतान किया गया है। सरपंच द्वारा अन्य व्यक्ति के नाम से बिल लगाकर रेत की राशि का आहरण कर लिया गया है और उसे बहानेबाजी कर गुमराह किया जा रहा है। ग्रामीणों द्वारा भी शिकायत की जा रही है कि सरपंच द्वारा सभी कार्य निम्न गुणवत्ता के कराए गए है। अत: इसकी जांच कर दोषी व्यक्तियों पर कार्यवाही की जाए और रेत की बकाया राशि का भुगतान किया जाए। इस प्रकरण में जनपद पंचायत कटंगी के सीईओ को जांच कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

लालबर्रा तहसील के ग्राम खमरिया निवासी किशोर कोडापे अपने साले के 02 अनाथ बच्चों के पालन पोषण के लिए आर्थिक सहायता दिलाने की मांग लेकर आया था। उसका कहना था कि उसके साले अशोक धुर्वे की 06 मार्च 2024 को मृत्यु हो गई है। अशोक धुर्वे की पत्नी दो साल से लापता है, जिसके कारण उनकी पुत्री ज्योति धुर्वे एवं पुत्र वीर धुर्वे का पालन पोषण उसके द्वारा किया जा रहा है। अत- इन अनाथ बच्चों की परवरिश के लिए शासन से राशि दिलायी जाए। ऐसी ही समस्या खैरलांजी तहसील के ग्राम जामखारी की जागेश्वरी क्षीरसागर लेकर आयी थी। उसका कहना था कि उसके पति अशोक क्षीरसागर की कोरोना काल में मृत्यु हो गई है। जिसके कारण उसे दो बच्चों की परवरिश में समस्या आ रही है। इन दोनो प्रकरण में कलेक्टर श्री मीना ने महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी को कार्यवाही करने के निर्देश दिए है।

कुत्ते के काटे का ढेड़ माह बाद दिखा व्यापक असर

हाथ में आई फूलन, तबीयत खराब होते ही देर रात बालक को लेकर अस्पताल पहुंचे परिजन, चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार कर परिजनों के आग्रह पर किया रिफर

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। केवल बालाघाट नगर ही नहीं बल्कि संपूर्ण बालाघाट जिले में आवारा श्वानों की तादाद कुछ ज्यादा ही बढ़ गई है।जहां आवारा श्वानों द्वारा लोगों को काटकर घायल करना अब आम बात हो गई है। शायद यही वजह है कि कुत्ते के काटने से घायल हुए लोग आए दिन जिला अस्पताल जाकर अपना उपचार कर रहे हैं।लेकिन कुछ मामलों में समय पर उचित उपचार ना मिलने, और विशेषज्ञ चिकित्सक से पर्याप्त उपचार न कराने के चलते लम्बे समय बाद कुत्ते के काटने का असर भी लोगों पर स्पष्ट तौर पर देखने को मिल रहा है।एक ऐसा ही मामला किरनापुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम पिपरझरी के वार्ड नंबर 15 में सामने आया है। जहां एक 15 वर्षीय बालक के शरीर पर कुत्ते के काटे का असर घटना के करीब डेढ़ माह बाद दिखाई दे रहा है।जहा कुत्ते काटे वाली जगह, हाथ में फूलन आने और बच्चे की तबीयत अचानक से खराब होते ही उक्त बालक के परिजन देर रात बालक को लेकर जिला अस्पताल पहुंचे। जहां चिकित्सक ने उसका प्राथमिक उपचार कर परिजनों के आग्रह पर आनन फानन में उसे रिफर कर दिया है।जिसके परिजन उसका उपचार कराने के लिए नागपुर लेके गए है।

गांव के जड़ी बूटी वाले से कराया था इलाज

प्राप्त जानकारी के अनुसार किरनापुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम पिपरझरी वार्ड नंबर 15 निवासी 15वर्षीय त्रिलोक पिता मेघराज रहांगडाले, कक्षा 9वी का छात्र है। बताया जा रहा है की करीब डेढ़ महा पूर्व वह घर पर ही था। तब कहीं से एक आवारा कुत्ता आया और उसपर झपटा मारकर हमला कर दिया।जहां आवारा कुत्ते के हमले में बीच बचाव के दौरान कुत्ते ने त्रिलोक के हाथ में काट लिया और भाग गया परिजनों से मिली जानकारी के मुताबिक उन्होंने गांव के ही किसी वैघ से पहले जड़ी बूटी का इलाज कराया फिर गांव के मेडिकल से जाकर टिटनेश का इंजेक्शन मंगवा कर गांव के ही डॉक्टर से गोली दवा लेकर उपचार कराया था।जिससे त्रिलोक स्वस्थ हो गया था। जिसके पूरी तरह स्वस्थ होने पर त्रिलोक के माता-पिता ने ध्यान नहीं दिया। जिसका असर ढेड़ माह बाद अब बालक के शरीर पर दिखाई दे रहा है।

अचानक से उठा दर्द, हाथ मे आई फूलन, देर रात अस्पताल पहुचे परिजन

बताया गया कि कृष्ण जन्माष्टमी के दिन अचानक से त्रिलोक के बाएं हाथ में दर्द उठना शुरू हो गया। और पूरे हाथ में फूलन आ गई। जिस पर उसके परिजन घबरा गए।जिसका उपचार कराने के लिए बालक को लेकर रातो रात जिला अस्पताल पहुंचे और बच्चे को भर्ती कराया। बताया गया कि जिस हाथ में कुत्ते ने काटा था डेढ़ माह बाद उसी दाए हाथ की उसी जगह में अचानक से तेज दर्द उठा और फूलन आना शुरू हो गई है। जहां परिजनों के आग्रह पर जिला अस्पताल के चिकित्सक ने बालक का प्राथमिक उपचार कर बेहतर उपचार के लिए उसे रिफर कर दिया। जहां परिजनो ने रातों-रात बालक को लेकर नागपुर के लिए रवाना हो गए।

जंगली सूअर के हमले से देवनलाल घायल

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत मदनपुर निवासी ५५ वर्षीय व्यक्ति खेत में जंगली सूअर के हमले में गंभीर रूप से घायल हो गया। इसमें बताया जा रहा है कि वह खेत में घास काटने के लिए गया हुआ था उस दौरान यह हादसा हो गया जिसका उपचार

सिविल अस्पताल में जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार देवनलाल पिता भागवत कटरे ५५ वर्ष मदनपुर निवासी खेती किसानी का काम करते हैं। जो घर में पशु पालने का काम करते हैं। वह अपने मवेशियों के लिए घास लेने अपने खेत १९ अगस्त की दोपहर २ बजे करीब गए हुए थे। जहां पर अचानक जंगली सूअर के द्वारा उन पर हमला कर दिया गया। इस दौरान वह चिल्ला तो पास में बकरी चरा रहे लोग दौड़े उन्होंने जंगली सूअर को खदेड़ा वहीं घटना की जानकारी परिजनों को दी। जिनके द्वारा उसे तत्काल सिविल अस्पताल में लाकर भर्ती किया गया जहां उसका उपचार जारी है। इस घटना में किसान देवनलाल कटरे के हाथ पैर सहित शरीर के विभिन्न हिस्सों में बाहरी और अंदरूनी चोटे आई है।

प्रदेश के स्कूलों में ही बनेंगे विद्यार्थियों के आधार कार्ड

आधार कार्ड के लिये प्रारंभ हुआ विशेष अभियान

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। प्रदेश में स्कूल के बच्चों के आधार कार्ड तैयार करने के लिये स्कूल में ही विशेष अभियान 18 अगस्त 2025 से प्रारंभ किया गया है। इसके लिये स्कूल शिक्षा विभाग के राज्य शिक्षा केन्द्र ने भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) के साथ समन्वय किया है। सरकारी स्कूलों में छात्रों की सुविधा के लिए आधार नामांकन और अपडेट शिविर लगाये जायेंगे। इस अभियान का नाम होगा %विद्यार्थी के लिए आधार, अब विद्यालय के द्वार'।

यह पहल मुख्य रूप से बच्चों के अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट (एमबीयू) पर केंद्रित है। इसमें उनके आधार में उंगलियों के निशान, आईरिस स्कैन और एक तस्वीर अपडेट करना शामिल है। पहला अपडेट तब आवश्यक है जब बच्चा 5 वर्ष का हो जाए। पहला एमबीयू 5 से 7 वर्ष की आयु के बीच पूरा होने पर नि:शुल्क रखा गया है। विद्यार्थी के उम्र 7 वर्ष की आयु से अधिक होने के बाद शुल्क लागू होगा। दूसरा एमबीयू तब आवश्यक है जब विद्यार्थी 15 वर्ष का हो जाएगा। तीसरा एमबीयू 15 से 17 वर्ष की आयु के बीच पूरा होने पर नि:शुल्क है, लेकिन 17 वर्ष की आयु के बाद शुल्क लागू होगा।

उल्लेखनीय है कि, अपडेटेड बायोमेट्रिक्स वाला आधार कार्ड, स्कूल प्रवेश, प्रवेश परीक्षा, छात्रवृत्ति और डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) योजनाओं जैसी सेवाओं के लिए महत्वपूर्ण है। इसीलिए सरकार समयबद्ध तरीके से विद्यार्थियों की 100 प्रतिशत आपार आईडी बनाने का भी लक्ष्य रख रही है। आपार आईडी विद्यार्थियों को उनके सभी शैक्षणिक क्रेडिट, जैसे स्कोर कार्ड, मार्कशीट, ग्रेड शीट, डिग्री, डिप्लोमा, सर्टिफिकेट और सह-पाठ्यचर्या संबंधी उपलब्धियों को डिजिटल रूप से संग्रहीत, प्रबंधित और एक्सेस करने में मदद करती है। यह आईडी शिक्षा जगत में छात्र के लिए एक स्थायी डिजिटल पहचान के रूप में कार्य करती है। आपार आईडी के लिए एक महत्वपूर्ण बात यह है कि स्कूलों द्वारा आपार आईडी बनाने के लिए उपयोग किए जाने वाले छ्ठ्ठस्श्व+ पोर्टल में दर्ज छात्र का नाम, आधार कार्ड में दर्ज नाम से मेल खाना चाहिए। इस संबंध में संचालक राज्य शिक्षा केन्द्र श्री हरजिंदर सिंह ने बताया कि, विद्यार्थी के लिए आधार, अब विद्यालय के द्वार अभियान के तहत सरकारी स्कूलों में आधार शिविर, न केवल छात्रों को अपना अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट करवाने में सुविधा प्रदान करेंगे, बल्कि यदि आवश्यक हो तो आधार में नाम सुधार आपार आईडी बनाने के लिए और मोबाइल नंबर अपडेट के लिए भी उन्हें सुविधा प्रदान करेंगे।

संचालक राज्य शिक्षा केन्द्र ने बताया कि, 18 अगस्त से अभियान का पहला चरण, मध्यप्रदेश के 40 जिलों में एक साथ शुरू किया गया है और यह अभियान एक से दो महीने तक चलेगा। आधार शिविरों की प्रभावशीलता को अधिकतम करने के लिए (यूआईडीएआई) ने जिलों में उन पिन कोडों की पहचान की है जहाँ सबसे ज़्यादा एमबीयू लंबित हैं। स्कूल शिक्षा विभाग ने मुख्य रूप से इन पिन कोडों के अंतर्गत आने वाले सरकारी स्कूलों को शिविरों के लिए चुना है। शेष 15 जिलों में दूसरा चरण सितंबर 2025 के पहले सप्ताह में शुरू होगा। स्थानीय जिला प्रशासन को अपने-अपने जिलों में आधार शिविर योजना का व्यापक प्रचार करने के लिए कहा गया है। अभिभावकों में प्रचार-प्रसार होने से विद्यार्थी के लिए आधार, अब विद्यालय के द्वार अभियान को सफलता मिलेगी और अधिक से अधिक छात्र लाभान्वित हो सकेंगे।

अवैध शराब को बंद करने ग्राम पंचायत जरेरा के आधा सैकड़ा से अधिक ग्रामीण पहुंचे जनसुनवाई , सौंपा ज्ञापन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिला मुख्यालय से लगी ग्राम पंचायत जरेरा और उसके आसपास के गांवों में अवैध कच्ची शराब का कार्य वर्षों से चल रहा है। इस अवैध शराब के कारण कई परिवार तबाह हो चुके हैं। अब ग्रामीणों ने इस पर अंकुश लगाने के लिए एकजुट होकर जिला प्रशासन और पुलिस-आबकारी विभाग से ठोस कदम उठाने की मांग की है। आपको बता दे कि ग्राम जरेरा, जोधीटोला, आगरवाड़ा, बीजाटोला एवं उमरदोनी में लंबे समय से कुछ परिवार कच्ची शराब निकालकर बेचने का कार्य कर रहे हैं। ग्रामीणों के अनुसार अवैध शराब से कई लोगों का जीवन प्रभावित हुआ हैं। ग्रामीणों का कहना है कि शराब बिक्री के चलते न केवल

गांव के लोग, बल्कि आसपास के अन्य ग्रामों कुम्हारी, खैरी, भटेरा, बालाघाट, पाथरवाड़ा, जागपुर आदि से भी नशे के आदि लोग यहां पहुँचते हैं। शराब पीने के बाद नशेड़ी बाइक और अन्य वाहनों से लौटते समय दुर्घटनाओं का कारण बनते हैं। विरोध करने पर ये लोग गांव के गणमान्य नागरिकों के साथ गाली-गलौज और अभद्र व्यवहार करते हैं, यहां तक कि मारपीट की धमकी भी दी जाती है। ग्राम पंचायत जरेरा में नशामुक्ति अभियान के तहत सरपंच तरासन वरकडे और समस्त पंचों द्वारा रैली भी निकाली गई थी, जिसमें बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, शराब हटाओ का संदेश दिया गया। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार पुलिस और जिला आबकारी विभाग को शिकायतें की गईं, लेकिन अब तक किसी प्रकार की सख्त कार्रवाई नहीं हुई। जिससे शराब माफियाओं के हौसले बुलंद हैं। आरोप है कि कच्ची शराब बेचने वाले परिवार अपनी महिलाओं और बच्चों के माध्यम से यह कारोबार चलाते हैं। ग्रामीणों ने बताया कि ये महिलाएँ धमकी देती हैं कि यदि किसी ने शराब बिक्री की शिकायत की तो वे झूठे आरोप लगाकर केस में फसा देंगी। पंचायत स्तर पर बैठक बुलाकर समझाने के बाद भी शराब बिक्री बंद नहीं हुई। कई बार शराब बनाने की लाहन और ब्लाडर जब्त किए जाने के बावजूद आरोपियों पर कठोर कार्रवाई न होने से गांव में भय का माहौल है। ग्राम पंचायत जरेरा के उप सरपंच विनय क्षीरसागर सहित ग्रामीण महिलाओं ने जनसुनवाई में ज्ञापन देकर मांग की है कि कच्ची शराब बिक्री पर तुरंत रोक लगाई जाए। शराब बेचने वाले परिवारों पर दंडात्मक कार्रवाई की जाए। नशामुक्ति अभियान चलाने वाले ग्राम संगठन पर लगाए जा रहे झूठे आरोपों को दरकिनार किया जाए। आगे ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं की गई तो गांव का सामाजिक वातावरण बिगड़ता चला जाएगा।

स्थान परिवर्तन

मेसर्स पंकज एफ अग्रवाल एंड एसोसिएट्स चार्टर्ड एकाउंटेंट का कार्यालय जो वर्तमान में वार्ड नं 20 अन्नपूर्णा मंदिर के पास बालाघाट में स्थित है। अब अपने नवनिर्मित कार्यालय, आर्थिक आर्केड, दूसरी मंजिल, यूको बैंक के ऊपर, रेलवे स्टेशन रोड, बालाघाट में संचालित होगा

संपर्क नं- 9425138797

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध

लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता

तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स

मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट

फोनः- 07632-243531

मोः- 8989976858, 9425139998

दो दिनों से रसोईया बहने नही कर रही काम, बच्चों को नहीं मिल रहा मध्यान भोजन

प्रान्तीय स्व सहायता समूह रसोईया महासंघ ने पुन: सौपा ज्ञापन, 5 माह का बकाया मानदेय, खाद्यान सामग्री सहित विभिन्न मांगो को पूरा करने की लगाई गुहार, मांग पूरी ना होने पर संपूर्ण मप्र में अनिश्चितकालीन हड़ताल की दी चेतावनी

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिले के विभिन्न शासकीय स्कूलों और आंगनबाड़ी केंद्रों में मध्यान भोजन बनाने का कार्य करने वाली रसोईया बहनो की वर्षो से कई मांगे लंबित है ,जो अब तक पूरी नहीं हो पाई है। तो वही पिछले पांच माह से उन्हें मानदेय का भुगतान भी नहीं किया गया है। इतना ही नहीं मध्यान भोजन बनाने के लिए उन्हें खाद्य सामग्री भी उपलब्ध नहीं कराई जा रही है। जिससे परेशान रसोईया बहनों ने प्रान्तीय स्व सहायता समूह रसोईया महासंघ के बैनर तले पिछले दो दिनों से मध्यान भोजन बनाने का कार्य बंद कर दिया है। जिसके चलते विभिन्न आंगनबाड़ी केंद्रों और स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को मध्यान भोजन नहीं मिल पा रहा है। तो वहीं अब इन रसोईया बहनों ने अप्रैल माह से बकाया मानदेय का पूर्ण भुगतान किए जाने, बकाया सहित बच्चो की दर्ज संख्या के आधार पर खाद्यान सामग्री उपलब्ध कराने, और मानदेय बढ़ाए जाने सहित वर्षो से लंबित अपनी विभिन्न सूत्रीय मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल किए जाने की योजना बनाई है। जिन्होंने एक बार फिर से मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में उपस्थित होकर एक ज्ञापन सौपा है। जिसमें उन्होंने जल्द से जल्द सभी मांगों को पूरी किए जाने की गुहार लगाते हुए मांगे पूरी न होने पर केवल बालाघाट जिला ही नहीं, बल्कि संपूर्ण मध्य प्रदेश में महासंघ के बैनर तले मध्यान्ह भोजन का कार्य बंद कर ,समस्त रसोईया बहनों द्वारा अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू किए जाने की चेतावनी दी है।

अप्रैल माह से नही मिलता मानदेय, खाद्यान सामग्री भी नही मिली

सामाजिक सुरक्षा, बीमा ,पेंशन योजना का लाभ दिए जाने ,मानदेय बढाने सहित वर्षों से लंबित अपनी स्थानीय व प्रदेश व्यापी विभिन्न सूत्रीय मांगों को लेकर उपस्थित रसोईया बहनों ने वर्षो से लंबित अपनी विभिन्न मांगों को लेकर नारेबाजी करते हुए सभी मांगों को जल्द से जल्द पूरा कराए जाने की गुहार लगाई है। इस दौरान रसोईया बहनों ने अपने इतने कम मानदेय में गुजारा ना होने,समय पर मानदेय ना मिलने, और 5 माह का मानदेय लंबित होने से उन्हें आर्थिक व मानसिक परेशानी में होने की बात कहते हुए कलेक्टर कार्यालय में ज्ञापन सौपा है। तो वही मांग पूरी न होने पर बालाघाट सहित संपूर्ण मध्य प्रदेश में सड़क पर उतरकर आंदोलन कर, प्रदेशव्यापी अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू करने की चेतावनी दी है।

इन मांगो को लेकर सौपा ज्ञापन

आगनवाड़ी में संचालित समूह एवं रसोईयों को विगत 5 माह से राशि नहीं मिली है इसे शीघ्र दिया जाने ।प्रदेश में 40 प्रतिशत के हिसाब से खादयान और राशि दी जा रही है, उसे 100 प्रतिशत कि जाने, मध्यान्ह भोजन बनाने के लिए गैस और लकड़ी दोनों का उपयोग करने की अनुमति देने, खाद्यान सामग्री ऑनलाईन के साथ-साथ ऑफलाईन (बिना फिगर) देने की व्यवस्था की जाने, पूर्व में जिन रसोईयों द्वारा कार्य किया जा रहा है, उन्हें न निकाले जाने ।समूह संचालन की राशि एवं रसोईयों बहनों का मानदेय हर महीने कि 1से 5 तारिख के बीच दिए जाने, और उन्हें शासकीय कर्मचारी घोषित किए जाने सहित अन्य मांगों को पूरा किए जाने की गुहार लगाई है।

तो संपूर्ण मध्य प्रदेश में करेंगे निश्चितकालीन हड़ताल- कविता लाडे

ज्ञापन को लेकर की गई चर्चा के दौरान प्रान्तीय स्व सहायता समूह रसोईया महासंघ अध्यक्ष कविता लाड़े और पदाधिकारी किरण खोब्रागडे ने सँयुक्त रूप से बताया कि हमें खाद्यान्न सामग्री नहीं मिल रही है। ऊपर से काफी कम मानदेय दिया जाता है। खाद्यान्न भी कम मिलता है। वही समय पर खाद्यान्न व मानदेय दोनों नहीं दिया जाता ।पर्याप्त खाद्यान्न सामग्री व मानदेय न मिलने के चलते हम परेशान हैं ।किराना दुकान व सब्जी वालों ने हमें उधार देना बंद कर दिया है ।जेवर भी हमारे गिरवी रखे हैं। अप्रैल माह से हम बहनों को मानदेय नहीं मिला है। एमडीएम का भी 03 माह से पैसा नहीं दिया गया है। ऐसे में यह कार्य हमसे नहीं हो पाएगा इसी को लेकर हमने 02 दिनों से मध्यान भोजन का काम बंद कर दिया है ।हमे काम के बदले महज 500 रु महीना दिया जाता है ।जो काफी कम है इसे बढाना चाहिए, लाडली बहना योजना की तरह प्रतिमाह निश्चित 5 तारीख के अंदर मानदेय दिया जाना चाहिए ।इसके अलावा अन्य मांगे भी है। जिसको लेकर आज पुन: ज्ञापन सौपा गया है ।लेकिन इस बार भी पिछले बार की तरह सिर्फ और सिर्फ आश्वासन ही मिला है। यदि हमारी मांग पूरी नहीं होती तो केवल बालाघाट जिला ही नहीं, बल्कि संपूर्ण मध्य प्रदेश की रसोइया बहनों द्वारा काम बंद कर महा संघ के बैनर तले अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी जाएगी। जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी।

अधिकारियों की मनमानी के चलते प्रदेश भर के कोटवारों के साथ हो रही ना इंसाफी ?

कोटवार संघ ने सौपा ज्ञापन, रात-दिन की ड्यूटी का किया विरोध, उग्र आंदोलन की भी दी चेतावनी

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) । हाल ही में मध्य प्रदेश के खंडवा जिले की तहसील पंधाना मे रात में ड्यूटी करते समय अचानक एक कोटवार की मृत्यु हो जाने के कारण प्रदेश के सभी कोटवार डरे हुए है ।जो कोटवारों की रात- दिन ड्यूटी लगाने का विरोध कर रहे है ।जिन्होंने मंगलवार को कलेक्ट्रेट में एक ज्ञापन सौपते हुए, कोटवारों की रात दिन की ड्यूटी ना लगाए जाने की मांग की हैं ।इसके बदले उन्होंने रात और दिन में ड्यूटी न लगाकर महीने एक बार ही ड्यूटी लगाकर राहत दिलाने की मांग की है ।कोटवार वेलफेयर सोसायटी संघ भोपाल के बैनर तले जिला इकाई द्वारा सौपे गए इस ज्ञापन में उन्होंने जल्द से जल्द उक्त मांग पूरी ना होने पर प्रदेशव्यापी हड़ताल कर मजबूरन आंदोलन एवं धरना प्रदर्शन किए जाने की चेतावनी दी है ।इस मौके पर संगठन के पदाधिकारी कैलाश पटले, ओम प्रकाश मेश्राम, सिद्धार्थ वासनिक, सुनील पटले, शिवकुमार धुर्वे, मिथुन गजभिए, योगेंद्र भोयर,और धनेंद्र खोबरागड़े सहित अन्य पदाधिकारी सदस्य व ग्राम कोटवार प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

तो प्रदेशव्यापी हड़ताल की जाएगी- वासनिक

कोटवार वेलफेयर सोसायटी संघ भोपाल प्रांतीय कार्यवाहक अध्यक्ष प्रकाश वासनिक ने बताया कि जिले में लगातार तहसीलदार एवं अनुविभागीय अधिकारी के द्वारा दिन और रात की ड्यूटिया लगाई जा रही है ।इसी के चलते हाल में ही खंडवा जिले की एक तहसील में कोटवार साथी की मृत्यु हो चुकी है ।इसलिए इस प्रथा को बंद किया जाना चाहिए। क्योकी प्रदेश के अन्य कोटवारो के साथ भी किसी भी प्रकार की डयूटी करते समय या आते-जाते समय कोई घटना घट सकती है ।यदि ऐसा होता है तो इसकी जवाबदारी स्वयं तहसीलदार या एसडीम की होगी ।क्योकी अधिकारी लोग अपनी मनमानी कर कोटवारों की रात दिन की ड्यूटी लगा रहे है ।हमारी मांग की यह ड्यूटी महीने में सिर्फ एक बार ही लगाई जाए ।यदि यह मांग जल्द से जल्द पूरी नही की गई तो फिर संगठन के बैनर तले सम्पूर्ण प्रदेश में कोटवार संघ द्वारा आंदोलन कर हड़ताल की जाएगीं।

पत्नी पर धारदार हथियार से हमला करने वाले आरोपी पति को पुलिस ने किया गिरफ्तार

हट्टा बाजार में नशें में धुत होकर, लहरा रहा था चाकू, न्यायालय ने आरोपी अनिल धुर्वे को भेजा जेल

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) । हट्टा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम खोड़सिवनी में 16 अगस्त की रात्रि पति-पत्नी के बीच हुए विवाद में, पति ने पत्नी को धारदार हथियार से हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया था ।जहां पति ने पत्नी के सिर, हाथ सहित अन्य जगहों में चाकू मारकर मौके से फरार हो गया था। इसी मामले में हट्टा पुलिस ने पत्नी पर धारदार हथियार से हमला करने वाले आरोपी पति अनिल पिता बृजलाल धुर्वे नि. ग्रा. रिसेवाडा वार्ड नं. 10 थाना बहेला को हट्टा बाजार से गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि आरोपी हट्टा बाजार में नशे में धुत होकर बड़ा सा चाकू लहरा रहा था। जिसकी सूचना स्थानीय लोगों द्वारा हट्टा पुलिस को दी गई थी ।जिसकी सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर जब पूछताछ की ,तो पता चला कि यह वहीं आरोपी है जिसने 16 अगस्त की रात्रि ससुराल खुडसिवनी में अपनी 29 वर्षीय पत्नी रेखा धुर्वे पर धारदार हथियार से हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया था और मौका देखकर फरार हो गया था। जिसे हट्टा पुलिस ने आवश्यक कार्यवाही कर न्यायालय में पेश किया। जहां से उसे न्यायालयीन अभिरक्षा में जिला जेल भेज दिया गया है।

रात को पत्नी नही उठी, तो किया था प्राणघातक हमला

जानकारी के अनुसार करीब 1 माह से पति अनिल अपने ससुराल खोड़सिवनी में पत्नी रेखा के साथ रह रहा था ।जहां दोनो टोकनी डल्ला बनाकर उसकी बिक्री करने का काम कर रहे थे ।बताया गया कि 16 अगस्त की रात्रि करीबन 01 बजे रेखा सोई हुई थी,जबकि पति भी बाजू वाले पलंग पर लेटा था। जो पत्नी रेखा को बार बार जागने के लिये बोल रहा था ।रेखा ने पति से बोली कि मेरे सिर में दर्द हो रहा है। मैं नही जागती ।इसी बात से नाराज होकर, पति अनिल ने कोई धारदार हथियार ऊठाकर पत्नी पर हमला कर दिया। जिससे पत्नी रेखा के सिर, हाथ और गर्दन में चोट आई थी खून निकल रहा था। इसके बाद पति अनिल ने उसे जान से मारने की धमकी दी,उधर पत्नी के चिल्लाने पर उसका भाई वहां आ गया और पति अनिल मौका देखकर फरार हो गया था। जिस पर रेखा के भाई ने रात्रि करीब 2 बजे उपचार के लिए घायल रेखा को जिला अस्पताल लाकर भर्ती कराया था। जिसकी शिकायत रेखा द्वारा 17 अगस्त को हट्टा पुलिस से की गई थी। जहां पुलिस द्वारा आरोपी पति की तलाश की जा रही थी। जिसे हट्टा बाजार से ही नशे में धुत हथियार लहराते हुए गिरफ्तार किया गया है

नशे में धुत होकर ,बाजार में लहरा रहा था चाकू

घायल महिला की उक्त शिकायत पर हट्टा पुलिस ने अप.क्र. 104/25 धारा 115(2), 351(3) भारतीय न्याय संहिता का पंजीवद्ध कर विवेचना में लिया गया ।विवेचना के दौरान 18 अगस्त को मुखबिर सूचना मिली की एक व्यक्ति हट्टा बाजार चौक पर शराब के नशे में हाथ में एक बडा चाकू लेकर लहरा रहा है। जिससे आने जाने वाले लोग भयभीत हो रहे है उक्त सूचना पर थाना हट्टा के सउनि बरसन सिंह धुर्वे द्वारा कार्यवाही करते हुये आरोपी के कब्जे से एक धारदार बडा चाकू जप्त कर उक्त व्यक्ति को मौके पर गिरफ्तार कर थाने हट्टा लेकर आये और आरोपी के विरूद्ध अप.क्र. 105/25 धारा 25(1)(बी) आयुद्ध अधिनियम का पंजीवद्ध किया गया । उक्त आरोपी से पूछताछ पर ज्ञात हुआ कि हट्टा बाजार चौक पर शराब के नशे में हाथ में चाकू लहरा रहा व्यक्ति वही व्यक्ति है जिसने 16 अगस्त की रात्रि में ग्राम खोडसिवनी में अपनी पत्नी पर धारादार हथियार से हमाल कर घायल किया था। उक्त आरोपी को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय में पेश किया गया है जहां से माननीय न्यायालय द्वारा आरोपी को जिला जेल भेज दिया गया है।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता ,सहायिका के पदों पर हुई भर्ती की आपत्ति लेकर अभ्यर्थी पहुंचे कलेक्टर कार्यालय, सौंपा ज्ञापन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिले की अलग-अलग तहसीलों में महिला एवं बाल विकास विभाग से कुछ आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका के पदों पर भर्ती ली गई है । कई स्थानों पर नियुक्ति होने के बाद कुछ अभ्यर्थी, इस भर्ती से नाराज है। कई स्थानों पर अभ्यर्थियों ने इस भर्ती को नियम अनुसार नहीं होना बताया है , तो कई स्थानों पर इस भर्ती को अभ्यर्थियों द्वारा रोक लगाई जाने की मांग की है । ऐसे ही कुछ अलग-अलग तहसीलों के अभ्यर्थी और ग्रामीण मंगलवार को लगने वाली जनसुनवाई में कलेक्टर कार्यालय पहुंचे और उन्होंने अपनी आपत्ति पेश करते हुए कलेक्टर को ज्ञापन दिया है।

आपको बता दे की आंगनवाड़ी , सहायिका की भर्ती से नाराज होकर अलग-अलग तहसीलों के कुछ ग्रामीण जनसुनवाई में मंगलवार को मुख्यालय पहुंचे। जिसमें खैरलांजी, किरनापुर सहित कुछ ग्रामों से पहुंचे अभ्यर्थियों ने इस भर्ती पर कई सवाल खड़े किए। जिसमें ग्राम कोडपाटोला गडदा के ग्रामीण बड़ी संख्या में एकजुट होकर पहुंचे और कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। ग्रामीणों ने बताया कि वर्तमान में आंगनवाड़ी केन्द्र कोडपाटोला में पदस्थ कार्यकर्ता ग्राम गडदा से आती हैं जिसकी दूरी लगभग 4 किलोमीटर है। कार्यकर्ता अक्सर समय पर नहीं पहुंचतीं और यह कहकर पल्ला झाड़ लेती हैं कि बच्चों को बुलाना और पढ़ाना उनका काम नहीं है। परिणामस्वरूप, बच्चों को न तो शिक्षा का लाभ मिल पा रहा है और न ही पोषण आहार समय पर उपलब्ध हो रहा है। ग्रामीणों ने कहा कि यदि स्थानीय सहायिका को नियुक्त किया जाता है, तो यह समस्या समाप्त हो जाएगी और बच्चों को समय पर लाभ मिल सकेगा। ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि ग्राम कोडपाटोला आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र है। ग्रामीणों का कहना है कि स्थानीय महिलाओं को प्राथमिकता देकर नियुक्ति की जाए। ग्राम की निवासी आवेदिकाएँ नेहा रहांगडाले, दीपा रहांगडाले और प्रभा कोडापे ने सहायिका पद के लिए आवेदन किया है। स्थानीय ग्रामीण धर्मेंद्र राहंगडाले ने कहा कि यदि सहायिका पद पर गांव की महिला को नियुक्त किया जाता है तो वह बच्चों को समय पर पढ़ाई और देखभाल दे पाएगी और आंगनवाड़ी का संचालन भी बेहतर होगा। उन्होंने कहा कि गांव के लोग बच्चों के भविष्य को लेकर चिंतित हैं और इसी कारण सभी ग्रामीण एकजुट होकर कलेक्टर तक पहुंचे हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से गुहार लगाई है कि कोडपाटोला जैसे छोटे और आदिवासी बाहुल्य गांव में स्थानीय आवेदिकाओं को ही नियुक्त किया जाए। इससे न केवल बच्चों की शिक्षा और पोषण आहार की समस्या दूर होगी, बल्कि गांव की महिलाओं को भी रोजगार का अवसर मिलेगा।

ग्राम नवेगांव तीन में सहायिका भर्ती पर उठे सवाल

खैरलांजी क्षेत्र से पहुंची इंदु द्वारा बताया गया कि उनके ग्राम नवेगांव तीन में सहायिका के पद पर भर्ती हुई है, जिसमें 70.3 अंक प्राप्त करने वाली अभ्यर्थी को नियुक्ति न देते हुए, 49.7 अंक प्राप्त करने वाली अनुसूचित जनजाति की विशेष जनजाति बैगा महिला को परियोजना अधिकारी द्वारा चयनित कर दिया गया , उनका आरोप है कि इस सहायिका भर्ती में अनियमितता की गई है जिसकी जांच की जानी चाहिए।

ग्राम गोवारी एक में हुई आंगनवाड़ी कार्यकर्ता की नियुक्ति पर भी उठे सवाल

ग्राम पंचायत गोवारी एक में भी बीते दिनों आंगनवाड़ी कार्यकर्ता की नियुक्ति की गई है। जिसमें जिस अभ्यर्थी का विवाह होकर वह दुसरे गांव जा चुकी है , उसे नियुक्त किया गया है । जबकि गांव में अन्य अभ्यर्थी भी पात्रता रखते हैं । यहाँ नियम अनुसार नियुक्ति नहीं होने के आरोप स्वयं गांव की सरपंच ने ही इस भर्ती पर सवाल खड़े किए हैं । वह चाहती हैं कि उर्मिला वरकडे को इस पद पर नियुक्त किया जाए ।

शालेय कराटे जिला स्तरीय प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने झटके मेडल

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) । लोक संचनालय भोपाल के आदेश अनुसार 18 एवं 19 अगस्त को नगर के शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में शालेय कराटे जिला स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन किया गया ।जिला शिक्षा अधिकारी अश्वनी उपाध्याय, जिला क्रीड़ा अधिकारी दीपक गिरी गोस्वामी के निर्देश व प्राचार्य शरद ज्योतिषी के मार्गदर्शन में, क्रीड़ा प्रभारी श्रीमती सुनीता बिसेन के द्वारा शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय के सभागार में आयोजित इस कराटे प्रतियोगिता के अंतर्गत 14-17-19 आयु वर्ग बालक बालिकाओं ने वेट केटेगरी अनुसार कराटे प्रतियोगिता में भाग लेकर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया ।वही मैडल भी अपने नाम किए ।बताया गया कि प्रथम विजेता प्रतियोगी ही संभाग प्रतियोगिता में सम्मिलित होकर अपने-अपने जिले का प्रतिनिधित्व करेगा ।उक्त कार्यक्रम में आयोजित करने में अलग-अलग संस्था क्लब खेल विभाग के प्रशिक्षक द्वारा उत्तम सहयोग प्राप्त हुआ। कन्या बूढ़ी के व्यायाम शिक्षक हरीश धुवारे, सांदीपनि विद्यालय की व्यायाम शिक्षिका मीना मेश्राम, एमएलबी स्कूल की व्यायाम शिक्षिका कंचन दास महाजन, रजेगांव सांदीपनी स्कूल से बिना चौधरी व्यायाम शिक्षिका का उत्तम सहयोग रहा इसके अलावा अन्य कराटे संस्थान के प्रशिक्षक कृष्ण दास गोंदुडे, सचिन कृष्णन कुटी, रूपेंद्र बनकर, संतोष पारधी, आकाश झा, प्रवीण नन्हेट, निधि नन्हेट, प्रतीक नन्हेट, लकी मडावी, आशीष बाघ, मनीष बेंद्रे, संगीता मराठा, छाया नरवास,भावना सोनकर, यथार्थ गरदे, शाहरुन सोनवाने, अंजलि झरिया, कार्तिक तीतरमारे, अंजलि गोंदूणे, साहिल तमन्ना लकी सभी प्रशिक्षकों का सराहनीय योगदान रहा।

योद्धा कराटे एंड फिटनेस एकैडमी बालाघाट के खिलाडियों ने जीते 4 गोल्ड मैडल

आयोजित इस प्रतियोगिता में योद्धा कराटे एंड फिटनेस एकैडमी बालाघाट के खिलाडियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 4 गोल्ड एवं 1 ब्रॉन्ज मेडल जीते ।इस दौरान अंडर-14 बालिका वर्ग में शौर्या, पिता चंद्रशेखर पाण्डेय (ओजस ग्लोबल स्कूल) ने गोल्ड मैडल, चारवी, पिता राजकुमार बोपचे (अपोलो स्कूल) ने गोल्ड मैडल, आस्था, पिता दिलीप बसेने (ग्रीन वैली स्कूल) ने ब्रॉन्ज मैडल, अंडर-17 बालक वर्ग ऋषभ, पिता दिलीप बसेने(ग्रीन वैली स्कूल)ने गोल्ड मैडल, और अंडर- 19 बालक वर्ग शुभ, पिता दुर्गेश सरवरी (अपोलो स्कूल) ने गोल्ड मैडल प्राप्त किया। इन उपलब्धियों से खिलाडियों ने अपने स्कूल, माता-पिता एवं कोच सेन्सेई लक्की मड़ावी (ब्लैक बेल्ट 2 डॉन) का नाम रोशन किया ।यह जानकारी योद्धा कराटे एंड फिटनेस एकैडमी बालाघाट मुख्य कोच सेन्सेई लक्की मड़ावी द्वारा दी गई ।इस अवसर पर जिला इंडियन कराटे संघ बालाघाट के अध्यक्ष तपेश असाटी,सचिव सेन्सेई दिनेश कोरे, कोषाध्यक्ष सेन्सेई रूपेंद्र बनकर, आशीष बाघ, राकेश वरकड़े एवं रूपल गौतम ने सभी संभागीय स्तर पर चयनित खिलाडियों एवं उनके कोच सेन्सेई लक्की मड़ावी को शुभकामनाएं दीं है।

एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय बैहर में रसायन शास्त्र शिक्षक के रिक्त पद के लिए आवेदन आमंत्रित

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) । जिले के बैहर विकासखण्ड अंतर्गत एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय में रसायन शास्त्र शिक्षक के एक अस्थायी रिक्त पद के लिए आवेदन आमंत्रित किये गए है। प्राचार्य एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय बैहर द्वारा बताया गया है कि विद्यालय में रसायन शास्त्र शिक्षा के पद पर अस्थायी नियुक्ति के लिए आवेदन आमंत्रित किये गए है। जिसमे अभ्यर्थियों का रसायन शाख में स्नातकोतर, बी.एड. एवं अध्यापन का पूर्व अनुभव अनिवार्य होगा। नियुक्ति की अवधि न्यूनतम 02 सप्ताह होगी, जिसे विद्यालय प्रशासन की आवश्यकता अनुसार बढ़ाया जा सकता है। सक्षम प्राधिकारी से प्राप्त निर्देशो के अनुसार वेतन कलेक्टर दर अपवा विद्यालय प्रशासन द्वारा निर्धारित दर पर देय होगा। इच्छुक अभ्यर्थी अपना आवेदन पत्र एवं शैक्षणिक योग्यता से संबंधित प्रमाण-पत्रों की प्रतिनिधि विद्यालय के आधिकारिक ई-मेल पते emrsbaiharmp@gmail.com पर अथवा सीधे विद्यालय कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते है।

कभी भी ढह सकता हैं नगपुरा से पंढरापानी-मुरलीखाम पहुंच मार्ग

धीरे-धीरे धसक रही है मिट्टी, आवागमन में हो रही परेशानी, जिम्मेदार मौन, ग्रामीण एवं राहगीरों ने सड़क की मिट्टी कटाव को रोकने रिटर्निंगवॉल का निर्माण एवं सड़क का मरम्मत कार्य करवाने की मांग की

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से लगभग 6 किमी. दूर ग्राम पंचायत नगपुरा से पंढरापानी-मुरलीखाम पहुंच मार्ग स्थित नगपुरा पंचायत भवन के समीप नाला किनारे से सड़क की मिट्टी नीचे से कटकर बह चुकी है। साथ ही धीरे-धीरे मिट्टी धसक रही है और सड़क अधिक कट चुकी है। जिसके कारण आने-जाने वालों को खासा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था।वहीं जल्द मिट्टी कटाव को रोकने एवं सड़क का मरम्मत कार्य नही करवाया गया तो किसी भी समय सड़क ढह सकती है और इस मार्ग से आवागमन बंद जायेगा। जिससे इस मार्ग से आने-जाने वाले आधा दर्जन से अधिक ग्रामों के ग्रामीणजनों एवं राहगीरों को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। साथ ही वर्तमान समय में सड़क के नीचे की मिट्टी कटकर बह चुकी है और कुछ हिस्से तक सड़क क्षतिग्रस्त भी हो चुकी है। उसके बाद भी लोग आवागमन कर रहे है। लेकिन प्रशासन के द्वारा उक्त स्थान पर सड़क क्षतिग्रस्त है, सावधानीपूर्वक चलने हेतु कोई संकेतक बोर्ड एवं बेरिकेट नही लगाये गये है। जिसके कारण लोग तेज गति से आवागमन करते है, अगर रात्रि में कोई दुपहिया एवं चौपहिया वाहन चालक तेज गति से क्षतिग्रस्त स्थान से गुजरता है और वाहन अनियंत्रित होता है तो वे सीधे नाले के नीचे करीब 15 से 20 फीट नीचे गिर सकते है जिससे बड़ी दुर्घटना घटित हो सकती है। लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा इस समस्या की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे ग्रामीणजन एवं राहगीरों में शासन-प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है।

प्रशासन की उदासीनता के चलते कभी भी घटित हो सकती है बड़ी दुर्घटना

आपको बता दें कि नगपुरा से पंढरापानी-मुरलीखाम पहुंच मार्ग से रोजाना बड़ी संख्या में ग्रामीणजन व स्कूली बच्चे आवागमन करते है परंतु विगत दिवस हुई तेज बारिश के कारण एवं सड़क के किनारे रिटर्निंगवॉल नहीं होने से नाले के पानी के तेज बहाव में नगपुरा पंचायत भवन के समीप से सड़क की मिट्टी का कटाव हो चुका है जो सड़क के आधे हिस्से तक पहुंच चुका है। सड़क का जल्द मरम्मत कार्य नहीं किया गया तो यह मार्ग पूरी तरह से बंद हो जायेगा जिससे ग्रामीणजन, स्कूली बच्चे एवं किसानों को आने-जाने में बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ेगा एवं अधिक दूरी तय करके अपने गंतव्य तक जाना पड़ेगा। वहीं सड़क धसक जाने से आवागमन में हो रही परेशानियों के संबंध में विगत दिवस ग्राम पंचायत व जनप्रतिनिधियों के द्वारा संबंधित विभाग को अवगत करवा दिया गया है परन्तु उनके द्वारा भी इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। यदि तेज बारिश होती है तो यह मार्ग पानी के तेज बहाव में ढह जायेगा जिससे मार्ग से आवागमन पुरी तरह से बंद हो जायेगा। वहीं प्रशासन की उदासीनता के चलते अब तक सड़क का मरम्मत कार्य नही किया गया है ऐसी स्थिति में किसी भी समय बड़ी दुर्घटना घटित होने की संभावना बनी हुई है। ग्रामीणजन एवं राहगीरों ने शासन प्रशासन से जल्द से जल्द सड़क का मरम्मत कार्य एवं मिट्टी कटाव को रोकने के लिए नाले किनारे रिर्टर्निगवॉल का निर्माण करवाने की मांग की है।

आवागमन में हो रही परेशानी - सखाराम

सखाराम सोनवाने ने बताया कि नगपुरा पंचायत भवन के समीप से नाला गुजरा है और विगत दिवस तेज बारिश होने पर नाला में बाढ़ आने के कारण पानी के तेज बहाव में सड़क किनारे की मिट्टी कटकर बह चुकी है और धीरे-धीरे मिट्टी का कटाव हो रहा है। साथ ही । सड़क का कुछ हिस्सा बह चुका है एवं गड्ढा बन चुका है। जिसके कारण आने-जाने में बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। श्री सोनवाने ने बताया कि सड़क क्षतिग्रस्त हो जाने के बाद सुरक्षा की दृष्टि से बेरिकेट नही लगाये गये है, अगर कोई सड़क किनारे बने गड्ढे में गिरते है तो बहुत बड़ी दुर्घटना घटित हो सकती है।

रिटर्निंगवॉल का निर्माण करवाये सड़क विभाग - जीवन

सरपंच प्रतिनिधि जीवन लिल्हारे ने बताया कि प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क विभाग के द्वारा नगपुरा से पंढरापानी पहुंच मार्ग का विगत वर्ष निर्माण किया गया है। लेकिन विगत दिवस हुई तेज बारिश होने के कारण नाला में बाढ़ आने एवं पानी के तेज बहाव में सड़क की मिट्टी कटकर बह चुकी है और मिट्टी का कटाव सड़क के किनारे तक पहुंच चुका है। यदि समय रहते मरम्मत कार्य नही किया गया और दोबारा नाले में बाढ़ आती है सड़क ढह जायेगी। जिससे इस मार्ग से आवागमन बंद हो सकता है। श्री लिल्हारे ने बताया कि अगर कोई व्यक्ति अंधेरे में आवागमन करता है और

जिस स्थान से सड़क की मिट्टी धसक रही है वह दिखाई नही देने पर वह अनियंत्रित होकर 20 फीट नीचे गिर सकता है जिससे बड़ी दुर्घटना हो सकती है। साथ ही यह भी बताया कि इस समस्या से सड़क विभाग को अवगत करवा दिया गया है लेकिन अब तक कोई मरम्मत कार्य नही करवाया गया है, जिससे ऐसा लग रहा है कि सड़क विभाग किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है। शासन-प्रशासन से मांग है कि सड़क का जल्द मरम्मत कार्य एवं मिट्टी कटाव को रोकने के लिए रिटर्निंगवॉल का निर्माण करवाये।

महाविद्यालय में "वसुधैव कुटुम्बकम्" की भारतीय अवधारणा विषय पर हुआ कार्यक्रम

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय स्थित शासकीय महाविद्यालय में उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार मंगलवार को भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के अंतर्गत "वसुधैव कुटुम्बकम्" की अवधारणा विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. सुरेन्द्रकुमार खण्डायत की अध्यक्षता में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया। वसुधैव कुटुम्बकम् की भारतीय अवधारणा विषय पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुरेन्द्र कुमार खण्डायत ने कहा कि वसुधैव कुटुम्बकम् केवल दार्शनिक विचार नहीं है बल्कि मानवता सहयोग और विकास का आधार है। डॉ. संगीता मेश्राम अपने व्याख्यान में कहा कि वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना शांति, भाईचारा और प्रेम से भरपूर संसार बना सकते है। वहीं कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं को भारतीय संस्कृति से भी अवगत करवाया गया। कार्यक्रम का मंच संचालन संदीप चौरसिया एवं आभार प्रदर्शन भारतीय ज्ञान परम्परा प्रकोष्ठ प्रभारी नरेश सौलखे के द्वारा किया गया। इस अवसर पर सुमन बरवा, डॉ. देवराज चौरे, डॉ. निर्मल कीर्ति गेडाम, डॉ. ऋषिकेश पटेल, डॉ. आशीष बागड़े, डॉ. कामाक्षा बिसेन, डॉ. आशा कारे, डॉ. माधुरी पुसे, श्रीमती आरती विश्वकर्मा, पीतम मुरते, यादोराव राजुरकर, व्यंकटरमन नगपुरे, श्रीमती सरिता एड़े, रामदयाल मथारे, लकेश गेडाम, श्रीमति वंदना कुर्वे, मिनेश पंचेश्वर, प्रषिक हुमनेकर, निशांत तलवरे, कु. सोनम हरिनखेड़े एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

नेवरगांव वा. पंचायत भवन में रक्तदान शिविर का हुआ आयोजन

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत नेवरगांव वा. के पंचायत भवन में एकता क्लब नेवरगांव वा. के तत्वाधान में मंगलवार को एक दिवसीय रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस रक्तदान शिविर में चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों के द्वारा उपस्थित ग्रामीण एवं युवाओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तत्पश्चात प्रत्येक व्यक्ति से 1 यूनिट रक्त निकाला गया। जिसके बाद उन्हे जूस एवं फल आहार वितरित किये। इस तरह से 38 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया है और 38 यूनिट रक्त एकत्रित हुआ है। वहीं जिन लोगों को रक्त की जरूरत पड़ेगी उन्हे उपलब्ध करवाया जायेगा जिससे जो रक्त की कमी से उनका स्वास्थ्य खराब है उनके जीवन को बचाने में यह रक्त सहायक सिध्द होगा। 38 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया है, जिसमें आनंद गेड़ाम, प्रहलाद भगत, खिलेश टेम्भरे, अजय नेवारे, आशीष सोनी, धर्मेंद्र रामटेके, असफाक अली, मोहसिन शेख, हर्षित पारधी, पंकज वासनिक, स्वप्निल वासनिक, हिमांशु चचाने, यकीन चौधरी, राजेंद्र ठाकरे, धर्मेंद्र चौधरी, योगेंद्र पटले, नितिन बनवाले, शशांक भगत, महेश पटले, विक्रमदित्य बिसेन, सृजल गौतम, दीपक सोनी, धनसिंह उइके, सुरेन्द्र पटले, अनिल बनवाले, अंकुश राहंगडाले, महेश दखने, आर्यन करसरपे, महेश डहरवाल, फिरोज खान, बिट्टू ठाकरे, आदित्य पारधी, मोनाली पारधी, हर्षद पटले, अखिलेश सहारे, अखिलेश बनवाले, प्रियांशु पटले शामिल है। जिसमें एक ही परिवार के भाई भाई, पति-पत्नी तथा पिता-पुत्र ने भी इस अभियान में भाग लेकर रक्दान किया है। इस तरह से रक्तदान शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं युवाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया है। साथ ही सभी रक्तदानकर्ताओ को जिला चिकित्सालय बालाघाट के द्वारा प्रमाण पत्र एवं क्लब के द्वारा प्रशस्ति पत्र दिया गया। वहीं आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने उपस्थितजनों को रक्तदान के महत्व और नियमित रक्तदान के लाभों के बारे में जानकारी दी। साथ ही यह भी कहा कि रक्तदान महादान है, एक यूनिट रक्त से तीन लोगों की जान बचाई जा सकती है। आज का शिविर समाज में मानवीय संवेदनाओं और सहयोग की स'ची मिसाल है और रक्तदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए इसी तरह सहयोग करने की अपील की है। इस रक्तदान शिविर में एकता क्लब के अध्यक्ष रमेश धुर्वे, उपाध्यक्ष प्रमोद हनवत, नासिर खान, कोषाध्यक्ष मसूद खान, सचिव विकास मेश्राम, जनपद सदस्य गुलेन्द्र भगत, सुरेन्द्र राणा, विजय दखने, क्लब के संरक्षक नरेंद्र बिसेन, जितेंद्र सोनवाने, यकीन चौधरी, भैरवप्रसाद टेम्भरे, चंद्रशेखर पारधी, सुशील दखने, मुनेश्वर मात्रे, मनोक उइके, महेश एड़े, आशा कार्यकर्ता आशा बोपचे, पूजा खड़ंसे, हर्षित बोपचे सहित अन्य सदस्यों का सराहनीय योगदान है।

विधायक अनुभा मुंजारे ने मंडी निधि से बनी 20 सड़कों को ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण में हस्तांतरित करने की मांग की

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। बालाघाट विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे के द्वारा अपने विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत कृषि विपणन मंडी निधि से बनाई गई 20 सड़कों को ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण भोपाल के मुख्य कार्यपालन अधिकारी से भेंट कर सड़कों को हस्तांतरित करने के लिए मांग पत्र सौंपा है। प्रेसनोट जारी कर विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे ने बताया कि जो सड़के मंडी निधि में बनाई गई है वह बहुत खराब स्थिति में है और जर्जर हो गई है। जिसके कारण आवागमन करने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है एवं दुर्घटनाएं घटित हो रही है और इन सड़कों का निर्माण मंडी निधि से करवाया गया है। ऐसे में इस सड़कों का मरम्मत कार्य होना आवश्यक है। इसलिए संबंधित सड़कों को मंडी निधि से हस्तांतरित कर म.प्र. ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण में शामिल किया जाये। ताकि इन सड़कों के सुधार कार्य हो सके। विधायक श्रीमती मुंजारे ने बताया कि संबंधित सड़कें भले ही मंडी

निधि से बनाई गई है। लेकिन कार्य के प्रति गुणवत्ता का ध्यान नहीं रखा गया है, सभी सड़कें एक ही कंस्ट्रक्शन कम्पनी से करवाया गया है। जो कि यह कार्य पूरा करना बताया जा रहा है, मंडी निधि में लेकिन कार्य नही किया गया है। जबकि सड़क की हालत बहुत खराब व जर्जर है, आवागमन में क्षेत्र के लोगों को परेशानी हो रही है। इन सभी 20 सड़कों को ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण में हस्तांतरित किया जाना जरूरी है। विधायक अनुभा मुंजारे ने म.प्र. ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण भोपाल को मांग पत्र सौंपकर धारसाईटोला से लवादा मार्ग, धरपीवाड़ा से खमरिया, कोसमी मार्ग पर दो नग बाक्स कलवर्ट, ददिया से पोटियापाट, ददिया से आमाटोला, देवरी से ददिया मार्ग मय बाक्स कलवर्ट, खमरिया से खुरसोड़ी मार्ग मय बाक्स कलवर्ट, खमरिया से पांडेवाड़ा मार्ग, पनबिहनी से साल्हे स्टेडियम मार्ग, पनबिहरी से साल्हे मार्ग पर बोपचे के घर तक, मोहगांव से टेंगनीकला मार्ग, नगपुरा से मुरलीखाम मार्ग, बैलबाजार कटंगटोला मार्ग, जबलटोला से नगपुरा मार्ग, सिहोरा से रमपुरी मार्ग, रमपुरी से घटोलगांव मार्ग, खुरपोड़ी से मोहगांव मार्ग, मंडईटोला से पांजराटोला मार्ग, बिठली से मोक्षधाम बघोली मार्ग, सरंडी से लोहारा मार्ग, नेवरगांव वा. से तुमाड़ी मार्ग, तुमाड़ी से बोदा टोला मार्ग, लोहारा से सरंडी रोड, लालबर्रा स्टेट हाइवे से गोपीटोला मार्ग मय बाक्स कलवर्ट, बड़गांव से नैतरा मार्ग, पाथरवाड़ा से आगरवाड़ा मार्ग, बड़ा जागपुर से छोटा जागपुर मार्ग, लालबर्रा स्टेट हाइवे से चंदनटोला छिंदलई मार्ग, कटंगा से नदीघाट मार्ग, छिंदलई से खैरगांव मार्ग, कटंगझरी से पटेलटोला मेनगेट से बोटेझरी मार्ग, रामजीटोला से अमोली मार्ग, पाथरी-खैरटोला से मरारीटोला मार्ग, गर्रा मांझापुर से कनकी रोड़, बड़गांव से पिपरिया मार्ग, बरघाट से स्कूलटोला व खारी से मिरेगांव मार्ग, हरदोली से गर्राचौकी मार्ग, पारडी गन्नाटोला, कांदरीकला, नीलागोंदी मार्ग, बालाघाट-सिवनी स्टेट हाइवे से पांढरवानी पावरहाउस से पनबिहरी मार्ग, पोंडी चमरवाही मार्ग को म.प्र. ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण में शामिल करने की मांग की है।

औल्याकन्हार में धूमधाम से मनाया गया श्रीकृष्ण जन्मोत्सव

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत औल्याकन्हार में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व श्रध्दा, उत्साह एवं धूमधाम से मनाया गया। इस दो दिवसीय श्रीकृष्ण जन्मोत्सव के अवसर पर श्रध्दालुओं ने अपने-अपने घर एवं मंदिरों में भगवान श्रीकृष्ण की प्रतिमा विराजित कर पूजा अर्चना किये एवं मध्यरात्रि के पावन क्षण पर भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव मनाया गया और उपस्थित श्रध्दालुओं ने जय कन्हैया लाल की जय सहित अन्य नारों के जयघोष लगाये। वहीं रात व दिन में भजन मंडली के द्वारा संगीतमय भजनों का गाय किया गया है। साथ ही बच्चों ने नन्हे कान्हा की वेशभूषा धारण कर सभी का मन मोह लिया और श्रद्धालुओं का विशेष आकर्षण बने। इस दो दिवसीय श्रीकृष्ण जन्मोत्सव के अवसर पर पहली बार औल्याकन्हार के गांधी चौक में रविवार को मटकी फोड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें शिवप्रसाद राणा व उनके सहयोगी साथियों ने अपनी फुर्ती और टीमवर्क का प्रदर्शन करते हुए ऊंचाई पर टंगी मटकी फोड़ दी। मटकी फूटते ही तालियों की गड़गड़ाहट ' हाथी घोड़ा पालकी, जय कन्हैया लाल की' के जयकारों से पूरा चौक गूंज उठा। जिसके बाद शोभायात्रा निकालकर ग्राम में विराजित सभी प्रतिभाओं को ग्राम स्थित तालाब में विसर्जित किया गया। सरपंच श्रीमती प्रेमलता बिसेन ने सभी ग्रामीणों को जन्माष्टमी पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ऐसे आयोजन गांव की एकता, भाईचारे और सांस्कृतिक परंपरा को मजबूती प्रदान करते हैं। हमें मिलकर ऐसे कार्यक्रमों को भविष्य में और भी भव्य रूप से आयोजित करना चाहिए। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रध्दालुजन उपस्थित रहे।

नगर के गांधी चौक में हुई विशाल मटकी फोड़ प्रतियोगिता

कटंगझरी की टीम ने फोड़ी मटकी

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नगर के गांधी चौक में पार्षद संदीप मिश्रा ,योगेंद्र लिमजे व मित्र मंडली के तत्वाधान में श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर्व के अवसर पर १८ अगस्त को मटकी फोड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल के मुख्य आतिथ्य ,नपाध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे की अध्यक्षता, पूर्व नपाध्यक्ष अनिल धुवारे समाजसेवी, संजयसिंह कछवाहा, संजय मिश्रा ,संजय रूसिया के विशिष्ट आतिथ्य ,सुनील पिपरेवार,जसवंत पटले ,उत्कर्ष कॉसल सहित अन्य अतिथियों की उपस्थित प्रारंभ किया गया। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थित जनों के द्वारा भगवान कृष्ण के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया गया। तत्पश्चात मटकी फोड़ प्रतियोगिता प्रारंभ की गई इस प्रतियोगिता में कटंगझरी ,रमरमा ,कायदी और वारासिवनी की चार टीमों ने भाग लिया। गांधी चौक पर पुरा माहौल मटकी फोड आयोजन से पूर्णत धार्मिक हो गया। श्याम बैंड की धुन पर बज रहे गोविंदा आला रे आला जैसे भक्तीपूर्ण गीतो पर गोविंदाओं ने जमकर नृत्य किया। इस दौरान पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल के द्वारा भी अन्य जनप्रतिनिधियों के साथ नृत्य किया गया। वहीं विषेशकर श्रीकृष्ण के रूप में वेदांशी शर्मा व राधा जी के रूप में शिवि मिश्रा की बाल मनोहारी झांकी ने सभी को प्रभावित किया। इस मटकी फोड़ प्रतियोगिता में पानी की तेज बौछारो, गुलाल की होली के बीच अंतत कटंझरी की समिति के युवाओं की टीम ने करीब ३० फिट की उंचाई पर बांधी गयी माखन वाली मटकी को फोडने में सफलता प्राप्त कर ली। जिन्हे पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल के हस्ते नगद राशि पांच हजार रूपये प्रदान किये गये। वहीं रमरमा ,कायदी और वारासिवनी की टीम को सांत्वना पुरुस्कार के रूप में एक एक हजार रुपये दिये गये। यह आयोजन करीब ढाई घंटे तक चला जिसने लोगों का जमकर मनोरंजन किया तो वहीं कार्यक्रम के प्रति लोग उत्साहित भी नजर आये। इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे के द्वारा कार्यक्रम की सराहना करते हुए प्रतियोगिता पर प्रकाश डाल कर बताया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में नगरवासी व गणमान्य नागरिक लोग मौजूद रहे।

आने वाले साल में मटकी फोड़ प्रतियोंगिता को भव्य रूप में किया जायेगा-संजयसिंह कछवाहा

समाजसेवी संजयसिंह कछवाहा ने कहा कि यह मटकी फोड़ प्रतियोगिता बीते कुछ समय से कराई जा रही है जो आकर्षण का केंद्र रहती है आने वाले साल में इसे अति भव्य कार्यक्रम बनाने का प्रयास रहेगा। जैसा महाराष्ट्र से हमारा क्षेत्र लगा हुआ है महाराष्ट्र में दहीहंडी मटकी फोड़ नागपुर और पुणे में भव्य कार्यक्रम चलते हैं उसी की तर्ज पर यह प्रतियोगिता को भव्यता प्रदान करने का कार्य किया जाएगा। सभी को पता है कि वारासिवनी किसी भी प्रकार के आयोजन में सदैव आगे रहता है। चाहे यहां का नवरात्र हो या खेलकूद सब की प्रशंसा चारों तरफ है। उसी प्रकार मटकी फोड़ को भी भव्य बनाया जाएगा एक महीने पहले बैठक की जाएगी और उसमें ५१ हजार या १ लाख रुपये का इनाम रखा जाएगा यह कार्यक्रम सभी के साथ मिलकर किया जायेगा।

सत्य धर्म की रक्षा के लिए राजनीति होनी चाहिए-प्रदीप जायसवाल

पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा कि यहां पर सभी लोग उत्साह के साथ आए हुए हैं मटकी फोड़ देखने के लिए। जिस तरह भगवान कृष्ण मटकी फोड़ कर माखन चुराते थे उसी रूप में यहां पर्व मनाया जाता है। यहां पर बच्चे श्री कृष्ण राधा बनकर आए हैं। आप लोग यदि देखें तो श्री कृष्ण का जीवन मटकी फोड़ना नहीं है महाभारत उनका विराट रूप है बिना चुनाव लड़े सेवा करना राजनीति नहीं है सत्य धर्म की रक्षा के लिए राजनीति होनी चाहिए। महाभारत में श्री कृष्ण ने पांडवों को जिताया जबकि पांडव कौरव को हरा नहीं सकते थे । परंतु पांडव सत्य के साथ और उनके सारथी श्री कृष्णा थे जिससे उन्हें जीत मिली। भगवान ने मानव के स्वरूप में धर्म की स्थापना की वैसे ही हमें सत्य धर्म का साथ देना चाहिए। भगवान ने कहा है कि कर्म करो फल की चिंता मत करो जैसा करोगे वैसा पाओगे। इसलिए आप सदैव अपने लक्ष्य के प्रति प्रयासरत रहे सफलता अवश्य मिलेगी।

महाविद्यालय में भारतीय ज्ञान परम्परा प्रकोष्ठ के अंतर्गत विविध गतिविधियों का हुआ आयोजन

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। म.प्र. शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार दिनांक १९ अगस्त को भारतीय ज्ञान परम्परा प्रकोष्ठ के अंतर्गत विविध गतिविधियों का आयोजन शासकीय शंकरसाव पटेल कला, वाणिज्य एवं विधि महाविद्यालय के इंदिरा कक्ष में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मॉ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया गया। कार्यक्रम में प्रफुल्ल बिसेन, प्राचार्य डॉ. एस एस गेड़ाम, शिवदयाल बोपचे , जी एस बिसेन, पीतमलाल बोपचे, श्रीमती प्रेमलता बिसेन उपस्थित रहे । कार्यक्रम में मुख्य विषय वसुदैव कुटुम्बकम की भारतीय अवधारणा पर सभी विषय विशेषज्ञों ने अपने विचार रखे। जी एस बिसेन ने वसुदैव कुटुम्बकम की अवधारणा और वर्तमान में भारतीय समाज में उसके महत्व पर चर्चा की। श्रीमती प्रेमलता बिसेन ने बालिकाओं को संवर्धन एवं व्यक्तित्व विकास पर चर्चा की। प्रफुल्ल बिसेन ने पंचतत्वों के संयोग और प्रकृति और वसुदैव कुटुम्बकम पर अपनी बात रखी। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापक एम घोरमारे, सरिता नागवंशी, कृष्णा पराते, मनोज गजभिये, दीपक कार्तिकेय, श्रीमती हर्षिता मेश्राम, श्रीमती शिल्पा वासनिक, संतोष गोखले, सुनील चौरे, सुश्री मनीषा जायसवाल, श्रीमती रश्मिबाला पारधी, सुश्री शिखा देवगीरकर, श्रीमती मानिका सोनी, श्रीमती टीना बिसेन, सुश्री आकांक्षा डोंगरे सहित सभी कर्मचारी एवं छात्र छात्राएँ उपस्थित रहे। छात्र छात्राओं के द्वारा नाटक संगीत की प्रस्तुति दी गई। विश्व शांति एवं सौहार्द विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

नहर में डूबने से सुशीला बाई लखेटे की मौत

नागपुर से बनियाटोला रक्षाबंधन मनाने आई थी महिला

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत कायदी के बनियाटोला से गुजरने वाली ढूटी नहर में डूबने से ७५ वर्षीय वृद्ध महिला की मौत हो गई। इसमें बताया जा रहा है कि सुशीला बाई लखेटे १९ अगस्त की सुबह अपने भाई के घर से नहर में कपड़े धुलने के लिए गई हुई थी। जहां पर पैर फिफिसलने से यह हादसा हो गया। मामले में पुलिस के द्वारा सांदीपनि स्कूल के पीछे नहर से शव बरामद कर मामले में आवश्यक कार्यवाही कर मर्ग जांच प्रारंभ कर दी गई है।

संदीपनि स्कूल के पीछे नहर में मिला महिला का शव

प्राप्त जानकारी के अनुसार बनियाटोला कायदी निवासी किलोधर पिता घनश्याम कसार के घर रक्षाबंधन का पर्व मनाने के लिए उनकी बहन भारत माता चौक नागपुर निवासी ७५ वर्षीय सुशीला बाई पति राजेंद्र लखेटे रक्षाबंधन के पूर्व ही आई हुई थी। जहां पर वह निवास कर रही थी जो पिछले कुछ दिनों से नहर में कपड़े धुलने व नहाने के लिए जाती थी। वह १९ अगस्त की सुबह करीबन ९ बजे बनियाटोला नहर में कपड़े धुलने के लिये गई थी जो काफी देर बाद घर वापस नही आयी। तो परिवार के लोगों के द्वारा चिंता जाहिर करते हुए नहर तरफ जाकर देखे तो वह वहां नहीं मिली। जिसके बाद आसपास पता किया तो किसी ने बताया कि नहर में एक वृध्द महिला का शव दिख रहा है। तब घटना की जानकारी बाकी परिजनों को दी गई और मौके पर तलाश करते हुए नहर के माध्यम से सभी सांदीपनि विद्यालय के पीछे नहर के पास पहुंचे। जहां पर देखे तो वृद्ध महिला सुशीला बाई का ही शव था जिसकी मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना परिजनों ने तत्काल पुलिस थाने में दी जिस पर सहायक उपनिरीक्षक महल सिंह धुर्वे मौके पर पहुंचे जिन्होंने नहर से शव बरामद कर मामले में आवश्यक पंचनामा कार्यवाही की गई । इसके बाद शव को सिविल अस्पताल वारासिवनी के शव विच्छेदन गृह में लाकर पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंप दिया गया। वहीं मामले में मार्ग क्रमांक ५३/२५ भारतीय न्याय संहिता की धारा १९४ के तहत प्रकरण तैयार कर जांच में लिया है।

कपड़े धुलने नहर पर गई थी सुशीला-यशवंत

पडोसी यशवंत राव पटले ने बताया कि हमारे मित्र किलोधर कसार की बहन रक्षाबंधन का पर्व मनाने के लिए आई हुई थी। जो यहीं पर कुछ दिन से निवास कर रही थी नहर में वह नहाने या कपड़े धोने के लिए गई हुई थी। परंतु देरी होने पर परिवार के लोगों के द्वारा देखा गया तो वह मौके पर नहीं थी। आसपास पता किया तो किसी ने बताया कि नहर में एक महिला बहती हुई दिखाई दी है। इसके बाद नहर में तलाश की गई तो सांदीपनि विद्यालय के पास में शव मिला। आज एकादशी मनाने के लिए सुबह जल्दी नहर पर गई हुई थी इनकी मौत पानी में डूबने से हुई हैं।

इनका कहना हैं

मौखिक चर्चा में बताया कि थाने में सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचकर स्कूल के पीछे से निकलने वाली नहर से शव बरामद कर आवश्यक कार्यवाही की गई है। सुशीला बाई की मौत का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा। प्राथमिक रूप से पानी में डूबने से मौत होना प्रतीत हो रहा है मामले में जांच की जा रही हैं।

महलसिंह धुर्वे
सहायक उपनिरीक्षक थाना

नपा करेगी 85 हितग्राहियों से एक करोड़ 18 लाख रुपये की वसूली

पीएम आवास नाम पर आरआरसी की कार्यवाही प्रारंभ

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नगर पालिका परिषद के द्वारा भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के तहत हजारों हितग्राहियों को पक्की छत उपलब्ध कराई गई। किंतु इसमें कुछ हितग्राहियों के द्वारा मकान निर्माण नहीं किया गया वहीं राशि का भी दुरुपयोग कर लिया गया। ऐसे मकान निर्माण नही करने वाले हितग्राहियों के नाम नगर पालिका ने शासन को सरेंडर कर दिए थे। जिस पर एसडीएम कार्यालय से आरआरसी की कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है। जिसके तहत समस्त ऐसे हितग्राहियों को एसडीएम कार्यालय से १० दिवस के भीतर राशि वापस करने नोटिस जारी कर दिए गए हैं। जिसमें बलपूर्वक राशि वापस लेने की बात स्पष्ट कही गई है।

१५ वार्ड में ८५ हितग्राहियों से की जाएगी वसूली

प्रधानमंत्री आवास योजना प्रारंभ होते ही वारासिवनी नगर पालिका के द्वारा समस्त १५ वार्डों के अनेकों हितग्राहियों को पांच डीपीआर के तहत वर्ष २०२५ तक योजना का लाभ दिलाया गया। जिसमें नगर के समस्त १५ वार्डों में से ८५ हितग्राहियों को शासन के द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना की प्रथम किस्त १ लाख रूपये प्रदान की गई। तो वहीं कुछ ऐसे हितग्राही थे जिन्हें दूसरी किस्त १ लाख रूपये भी जारी कर दी गई। इस प्रकार किसी हितग्राही को शासन ने १ लाख तो दो किसी को २ लाख रुपये योजना में दिए गये किंतु उनके द्वारा मकान निर्माण नहीं किया गया। इस प्रकार कुल ८५ लोगों को एक करोड़ १८ लाख रुपये का वितरण किया गया था जो हितग्राहियों के द्वारा मकान नही बनने पर वापसी भी नहीं किया जा रहा था। ऐसे में समस्त डीपीआर के ऐसे हितग्राही जिनके द्वारा शासन की राशि लेकर निर्माण कार्य नहीं किया गया है उनके नाम शासन को सरेंडर कर दिए गए हैं। इसी क्रम में राशि वापस करने को लेकर अनुविभागीय अधिकारी वारासिवनी कार्यालय से १९ अगस्त को समस्त हितग्राहियों को नोटिस देकर रुपये वापस करने की बात कही गई है।

१० दिन के भीतर पीएम आवास की राशि वापस करें हितग्राही

एसडीएम कार्यालय से जारी सूचना पत्र में उल्लेख है कि न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व वारासिवनी ने म.प्र. भू.राजस्व संहिता १९५९ की धारा १४६ के अधीन प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी अंतर्गत प्राप्त राशि को इस सूचना पत्र की प्राप्ति से १० दिन के भीतर शास्ति एवं आदेशिका फ ीस से २० रुपये सहित उक्त रकम नहीं चुकाई तो आपके विरूद्ध प्राप्त रकमों की वसूली के लिये विधि अनुसार बलात कार्यवाही की जायेगी। पेशी दिनांक को संबंधित बैंक नगरपालिका परिषद वारासिवनी में राशि जमा कर स्वयं अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में उपस्थित होकर रसीद पेश करें अन्यथा बकाया राशि की वसूली बलपूर्वक की जावेगी।

एसडीएम ने ८५ हितग्राही जिनसे एक करोड़ १८ लाख रुपये वापस लेने हितग्राहियों को किया नोटिस जारी-सूर्यप्रकाश उके

नगर पालिका सीएमओ सूर्यप्रकाश उके ने बताया कि पुराने डीपीआर के हितग्राही थे जिन्हें प्रधानमंत्री आवास की राशि मिली थी। उन्होंने मकान नहीं बनवाया तो उनके नाम सरेंडर कर दिए गए हैं शासन इनसे जानकारी मांगेगा की मकान बनाओं नहीं तो वसूली होना है। इसके लिए हमने नगर पालिका के माध्यम से नोटिस जारी कियें थे की राशि वापस जमा करवाई जाए किंतु किसी के द्वारा वापस राशि नहीं दी गई। तो इनके प्रकरण को तहसील कार्यालय भेजे हैं जिन्होंने आरआरसी की कार्यवाही प्रारंभ कर दी है वसूली की कार्यवाही प्रारंभ हो गई है। इस कार्यवाही में ऐसा है कि पैसें वापस नहीं करेंगे तो तहसीलदार के साथ मिलकर जो टीम बनेगी वह कुर्की कर राशि की वसूली करेगी। इसमें नगर पालिका के चार से पांच डीपीआर के ८५ हितग्राही है जिनसे एक करोड़ १८ लाख रुपये वापस लेना है। इस संबंध में हितग्राहियो को नोटिस जारी हो गये हैं।

सीमेंट सड़क में वाइब्रेटर नही चलाने से ग्रामीणों में आक्रोश

मामला मंडी प्रांगण में हो रहे सीमेंट सड़क और नाली निर्माण कार्य का

खैरलांजी/वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। शासकीय निर्माण कार्यों में अनियमितता आम बात हो गई है। सब इंजीनियर और इंजीनियर के द्वारा समय समय पर मॉनिटरिंग नही करने के कारण निर्माण कार्यों में गुणवत्ता की कमी साफरूप से देखी जा सकती है। ज्ञात हो कि खैरलांजी मंडी प्रांगण में इन दिनों ५२.८५ लाख रूपये की लागत से सीमेंट सड़क और नाली का निर्माण कार्य प्रारंभ है। कुछ लंबाई की सड़क एक डेढ़ माह पहले ही बन चुकी है तो कुछ का काम जारी है। वर्तमान में यहां ठेकेदार के द्वारा जो सड़क और नाली निर्माण का कार्य किया जा रहा है उसमें वाइब्रेटर का उपयोग बिल्कुल भी नहीं किया जा रहा। जिससे इन दोनों कार्यों की गुणवत्ता पर सवाल उठाए जा रहे है। नाली निर्माण कार्य में समान दूरी पर सरिया नही बांधी जा रही है। कहीं बहुत पास तो कहीं बहुत दूरी पर सरिया बांधी जा रही है। जिससे भविष्य में यह नाली मजबूत नही बनने के कारण कभी भी क्षतिग्रस्त और धसक सकती है। वाइब्रेटर नही चलाने से नाली की दीवार कहीं कहीं पर खोखली भी हो चुकी है। वहीं एक से ढेड़ माह पहले जो सड़क पूर्व मेन गेट के सामने और मंडी टीन शेड के साइड में बनाई गई है पर वर्तमान में बारिश का पानी एकत्र हो रहा है। जिससे यह सड़क कभी भी धान के वाहनों के गुजरने से गड्ढे में तब्दील हो जाएगी। जिसका खामियाजा किसान और मंडी समिति दोनो को भुगतना पडेगा।

इनका कहना है

ग्रामीण मकसूद अली खान ने चर्चा में बताया कि नली में जो लोहे की सरिया बांधी गई है उसकी दूरी एक समान होना चाहिए लेकिन दूरी अलग अलग है। सड़क और नाली निर्माण दोनों कार्यों में वाइब्रेटर का उपयोग नही किया जा रहा जो गलत है। इससे निर्माण कार्यों की गुणवत्ता में असर पड़ेगा। सरिया कहीं पर एक फिट की दूरी पर तो कहीं पर डेढ़ फिट्ट की दूरी पर बांधी गई है। इस मामले की शिकायत मैं शीघ्र ही उच्च अधिकारियों को करूंगा।

मकसूद अली खान
ग्रामीण

नाली निर्माण और सड़क निर्माण में वाइब्रेटर का उपयोग करना चाहिए। सरिया भी समान अनुपात में बांधी जानी चाहिए। यदि कुछ गलत हुआ है तो सुधार किया जा सकता है।

राजकुमार अनुरागी
सब इंजीनियर

जरूरी सुधार - जीएसटी प्रणाली में सुधार

वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) प्रणाली में सुधार से जुड़े केंद्र सरकार के प्रस्ताव साहसिक एवं वक्त की मांग के हिसाब से हैं। जैसा कि सरकार का दावा है, इन सुधारों से मध्यम वर्ग और व्यापारिक समुदाय को फायदा होगा। 12 फीसदी वाले स्लैब में शामिल 99 फीसदी वस्तुओं को 5 फीसदी वाले तथा 28 फीसदी वाले स्लैब में शामिल 90 फीसदी वस्तुओं को 18 फीसदी वाले कर दर में स्थानांतरित करने से अधिकांश उपभोक्ताओं पर कर का बोझ काफी हद तक कम हो जाएगा। स्लैब की संख्या को तर्कसंगत बनाने और एक जैसे उत्पादों को एक ही स्लैब में स्थानांतरित करने से अस्पष्टता और मुकदमेबाजी, जोकि वर्तमान जीएसटी व्यवस्था में व्यवसाय करने वाले लोगों की प्रमुख समस्याएं हैं, में भी कमी आएगी। इसके अलावा, भले ही अधिकांश ध्यान करों की दर को नए सिरे से व्यवस्थित करने के प्रस्तावों पर केंद्रित किया गया है, लेकिन पंजीकरण, रिटर्न दाखिल करने और रिफंड से संबंधित प्रक्रियागत सुधार भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं। जीएसटी को सरल बनाने का मतलब सिर्फ दरों की बहुलता को कम करना ही नहीं, बल्कि करदाताओं के लिए इस प्रणाली को आसान और कम वक्तखाऊ बनाना भी है। इसलिए पंजीकरण को आसान बनाना, रिटर्न को सरल बनाना और रिफंड में तेजी लाना ऐसे स्वागत योग्य सुधार हैं, जिन पर केंद्र सरकार काम कर रही है। नए आयकर विधेयक और इस साल के बजट में आयकर स्लैब में नए सिरे से किए गए बदलाव के साथ-साथ जीएसटी के ये सुधार 2025 को कर सुधार - प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कर - के लिहाज से एक महत्वपूर्ण साल के रूप में रेखांकित करेंगे। यूं तो सरकार ने इन कटौतियों से राजस्व पर पड़ने वाले असर का आधिकारिक अनुमान नहीं लगाया है, लेकिन सूत्रों ने कहा है कि इससे राजस्व पर खासा असर पड़ने की आशंका है। दो साल पहले भारतीय रिजर्व बैंक ने औसत जीएसटी दर 11.6 फीसदी होने का अनुमान लगाया था, जिसके अब काफी हद तक गिरने की उम्मीद है। हालांकि, सरकार को विश्वास है कि उपभोग में बढ़ोतरी और कर आधार के विस्तार से राजस्व में होने वाले अधिकांश नुकसान की भरपाई हो जाएगी। बड़ी संख्या में वस्तुओं पर मात्र 5 फीसदी का कर लगाने से इनपुट टैक्स क्रेडिट घोटाले और कर चोरी को मिलने वाला प्रोत्साहन भी काफी हद तक खत्म हो जाएगा।

घरेलू उपभोग को बढ़ावा देने के वास्ते कुछ मात्रा में राजस्व गंवाने का जोखिम मोल लेने की इच्छा अर्थव्यवस्था के लिहाज से अच्छी बात है। खासकर ऐसे वक्त में, जब टैरिफ से जुड़ी अनिश्चितताओं की वजह से निर्यात संबंधी मांग में कमी आ रही है। यह देखा जाना अभी बाकी है कि राज्य सरकारें इस प्रस्तावित राजस्व समर्पण पर कैसी प्रतिक्रिया देती हैं। वे पहले से ही सोलहवें वित्त आयोग से केंद्रीय करों में राज्यों की हिस्सेदारी बढ़ाने की पैरवी कर रही हैं। कर से जुड़ी इन कटौतियों के चलते पेट्रोलियम उत्पाद - जो राज्यों के राजस्व का एक प्रमुख स्रोत है - को निकट भविष्य में जीएसटी में शामिल किया जाने की संभावना और भी कम हो जाएगी। राजनीतिक रूप से, राज्यों के लिए दरों में इन कटौतियों का सीधे तौर पर विरोध करना मुश्किल होगा, लेकिन वे एक बार फिर केंद्र पर नुकसान की भरपाई के लिए दबाव डाल सकते हैं। महत्वपूर्ण बात यह है कि केंद्र अगले कुछ हफ्तों में राज्यों से संपर्क करके अपना पक्ष रखेगा। यह जरूरी है कि राज्यों की चिंताओं पर भी ध्यान दिया जाए।

आत्मउन्नयन एवं जीवन-जागृति का पर्व है पर्युषण

जैन धर्म में पर्युषण महापर्व का अपना विशेष महत्व है। यह केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं बल्कि आत्मा की गहराइयों तक जाने का, आत्मनिरीक्षण करने का और आत्मशुद्धि का अनूठा पर्व है। जैन संस्कृति ने सदियों से इस पर्व को आत्मकल्याण, साधना और तपस्या का महान माध्यम बनाया है। 'पर्युषण' का शाब्दिक अर्थ है-अपने भीतर ठहरना, आत्मा में रमना, आत्मा के समीप होना। इस वर्ष अन्तःकरण की शुद्धि का यह महापर्व 20 से 27 अगस्त, 2025 को मनाया जा रहा है, इन आठ दिनों में हर जैन अनुयायी अपने तन और मन को साधनामय बना लेता है, मन को इतना मांज लेता है कि अतीत की त्रुटियां को दूर करते हुए भविष्य में कोई भी गलत कदम न उठे। इस पर्व में एक ऐसा मौसम ही नहीं, माहौल भी निर्मित होता है, जो हमारे जीवन की शुद्धि कर देता है। इस दृष्टि से यह पर्व आध्यात्मिकता के साथ-साथ जीवन उत्थान का पर्व है, यह मात्र जैनों का पर्व नहीं है, यह एक सार्वभौम पर्व है। पूरे विश्व के लिए यह एक उत्तम और उत्कृष्ट पर्व है, क्योंकि इसमें आत्मा की उपासना करते हुए जीवन को शांत, स्वस्थ एवं अहिंसामय बनाया जाता है। संपूर्ण संसार में यही एक ऐसा उत्सव या पर्व है जिसमें आत्मरत होकर व्यक्ति आत्मार्थी बनता है व अलौकिक, आध्यात्मिक आनंद के शिखर पर आरोहण करता हुआ मोक्षगामी होने का सद्प्रयास करता है। जैनधर्म की त्याग प्रधान संस्कृति में पर्युषण पर्व का अपना अपूर्व एवं विशिष्ट आध्यात्मिक महत्व है। इसमें जप, तप, साधना, आराधना, उपासना, अनुप्रेक्षा आदि अनेक प्रकार के अनुष्ठान से जीवन को पवित्र किया जाता है। यह अंर्तआत्मा की आराधना का पर्व है- आत्मशोधन का पर्व है, निद्रा त्यागने का पर्व है। सचमुच में पर्युषण पर्व एक ऐसा सवेरा है जो निद्रा से उठाकर जागृत अवस्था में ले जाता है। अज्ञानरूपी अंधकार से ज्ञानरूपी प्रकाश की ओर ले जाता है। तो जरूरी है प्रमादरूपी नींद को हटाकर इन आठ दिनों विशेष तप, जप, स्वाध्याय की आराधना करते हुए अपने आपको सुवासित करते हुए अंर्तआत्मा में लीन हो जाए जिससे हमारा जीवन सार्थक व सफल हो पाएगा। पर्युषण का एक अर्थ है-कर्मों का नाश करना। कर्मरूपी शत्रुओं का नाश होगा तभी आत्मा अपने स्वरूप में अवस्थित होगी अतः यह पर्युषण-पर्व आत्मा का आत्मा में निवास करने की प्रेरणा देता है। यह आध्यात्मिक पर्व है, इसका जो केन्द्रीय तत्त्व है, वह है- आत्मा। आत्मा के निरामय, ज्योतिर्मय स्वरूप को प्रकट करने में पर्युषण महापर्व अहं भूमिका निभाता रहता है। अध्यात्म यानि आत्मा की सन्निकटता। यह पर्व मानव-मानव को जो?ने व मानव हृदय को संशोधित करने का पर्व है, यह मन की खि?कियों, रोशनदानों व दरवाजों को खोलने का पर्व है। पर्युषण पर्व जैन एकता का प्रतीक पर्व है। दिगंबर परंपरा में इसकी "दशलक्षण पर्व" के रूप में पहचान है। उनमें इसका प्रारंभिक दिन भाद्र व शुक्ला पंचमी और संपन्नता का दिन चतुर्दशी है। दूसरी तरफ श्वेतांबर जैन परंपरा में भाद्र व शुक्ला पंचमी का दिन समाधि का दिन होता है। जिसे संवत्सरी के रूप में पूर्ण त्याग-प्रत्याख्यान, उपवास, पौषध सामायिक, स्वाध्याय और संयम से मनाया जाता है। वर्ष भर में कभी समय नहीं निकाल पाने वाले लोग भी इस दिन जागृत हो जाते हैं। कभी उपवास नहीं करने वाले भी इस दिन धर्मानुष्ठान करते नजर आते हैं। पर्युषण पर्व मनाने के लिए भिन्न-भिन्न मान्यताएं उपलब्ध होती हैं। आगम साहित्य में इसके लिए उल्लेख मिलता है कि संवत्सरी चातुर्मास के 49 या 50 दिन व्यतीत होने पर व 69 या 70 दिन अवशिष्ट रहने पर मनाई जानी चाहिए। दिगम्बर परंपरा में यह पर्व 10 लक्षणों के रूप में मनाया जाता है। यह 10 लक्षण पर्युषण पर्व के समाप्त होने के साथ ही शुरू होते हैं। यह पर्व जैन अनुयायियों के लिए संयम, साधना और आत्मसंयम का विशेष अवसर लेकर आता है। इन दिनों में जैन समाज उपवास, प्रतिक्रमण, पाठ, स्वाध्याय, सामायिक, ध्यान और पूजा के माध्यम से आत्मिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त करता है। घर-घर में धार्मिक वातावरण बनता है और हर व्यक्ति अपने जीवन की दिशा को सुधारने का प्रयत्न करता है। पर्युषण पर्व का मुख्य उद्देश्य है आत्मा को कर्मों की परतों से मुक्त करना। जीवन में चाहे जितनी भी व्यस्तता हो, इन दिनों में हर जैन श्रावक-श्राविका अपने जीवन की गति को धीमा कर आत्मचिंतन करता है। यह पर्व हमें यह सिखाता है कि बाहरी सुख-सुविधाएँ क्षणिक हैं, वास्तविक सुख भीतर है और आत्मा की शुद्धि में ही है। जब व्यक्ति अपने भीतर झाँकता है तो उसे अपने दोष, अपने अपराध और अपनी कमजोरियों का बोध होता है। इसी बोध से क्षमा और आत्मपरिवर्तन की भावना उत्पन्न होती है। पर्युषण पर्व के अंतिम दिन 'क्षमावाणी' का आयोजन होता है, जिसे 'क्षमा दिवस' भी कहा जाता है। इस दिन हर व्यक्ति अपने परिचितों, रिश्तेदारों, मित्रों और यहां तक कि शत्रुओं से भी यह कहता है- 卐मिच्छामि दुक्कडम卐 अर्थात् यदि मुझसे किसी को भी मन, वचन या शरीर से कोई पी?ा पहुँची है तो मैं उसके लिए क्षमाप्रार्थी हूँ। इस प्रकार क्षमा माँगने और क्षमा करने की परंपरा से समाज में सद्भाव, प्रेम और मैत्री का वातावरण बनता है। पर्युषण पर्व आत्मसंयम और आत्मिक साधना का गहन अभ्यास है। यह पर्व हमें याद दिलाता है कि जीवन का वास्तविक उद्देश्य केवल भोग-विलास और सांसारिक उपलब्धियाँ नहीं हैं, बल्कि आत्मा का उत्थान और मोक्ष की दिशा में अग्रसर होना है। यही कारण है कि इन दिनों में लोग केवल धार्मिक ग्रंथों का अध्ययन ही नहीं करते, बल्कि व्यवहारिक जीवन में भी सात्त्विकता, करुणा, अहिंसा और सहअस्तित्व को अपनाने का प्रयास करते हैं। यह पर्व हर जैन साधक के लिए एक आत्मयात्रा है। तप, संयम, स्वाध्याय और क्षमा की साधना से वह स्वयं को नया जन्म देता है। पर्युषण पर्व एक दूसरे को अपने ही समान समझने का पर्व है। गीता में भी कहा हैं "आत्मौपम्येन सर्वत्रः, समे पश्यति योर्जुन"-'श्रीकृष्ण ने अर्जुन से कहा-हे अर्जुन ! प्राणीमात्र को अपने तुल्य समझो। भगवान महावीर ने कहा- "मित्ती में सव्व भूएसु, वेरंमज्झण केणइ" सभी प्राणियों के साथ मेरी मैत्री है, किसी के साथ वैर नहीं है। मानवीय एकता, शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व, मैत्री, शोषणविहीन सामाजिकता, अंतर्राष्ट्रीय नैतिक मूल्यों की स्थापना, अहिंसक जीवन आत्मा की उपासना शैली का समर्थन आदि तत्त्व पर्युषण महापर्व के मुख्य आधार हैं। ये तत्त्व जन-जन के जीवन का अंग बन सके, इस दृष्टि से इस महापर्व को जन-जन का पर्व बनाने के प्रयासों की अपेक्षा है। मनुष्य धार्मिक कहलाए या नहीं, आत्म-परमात्मा में विश्वास करे या नहीं, पूर्वजन्म और पुनर्जन्म को माने या नहीं, अपनी किसी भी समस्या के समाधान में जहाँ तक संभव हो, अहिंसा का सहारा ले- यही पयुर्षण की साधना का हार्द है। हिंसा से किसी भी समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सकता। हिंसा से समाधान चाहने वालों ने समस्या को अधिक उकसाया है। इस तथ्य को सामने रखकर जैन समाज ही नहीं आम-जन भी अहिंसा की शक्ति के प्रति आस्थावान बने और गहरी आस्था के साथ उसका प्रयोग भी करे। परलोक सुधारने की भूलभुलैया में प्रवेश करने से पहले इस जीवन की शुद्धि पर ध्यान केंद्रित होना चाहिए। धर्म की दिशा में प्रस्थान करने के लिए यही रास्ता निरापद है और यही इस पर्व की सार्थकता का आधार है, प्रतिक्रमण का प्रयोग है। पीछे मुड़कर स्वयं को देखने का ईमानदार प्रयत्न है।

वर्तमान की आंख से अतीत और भविष्य को देखते हुए कल क्या थे और कल क्या होना है इसका विवेकी निर्णय लेकर एक नये सफर की शुरुआत की जाती है। यह पर्व अहिंसा और मैत्री का पर्व है। अहिंसा और मैत्री के द्वारा ही शांति मिल सकती है। आज जो हिंसा, आतंक, आपसी-द्वेष, नक्सलवाद, भ्रष्टाचार जैसी ज्वलंत समस्याएं न केवल देश के लिए बल्कि दुनिया के लिए चिंता का बड़ा कारण बनी हुई है और सभी कोई इन समस्याओं का समाधान चाहते हैं। उन लोगों के लिए पर्युषण पर्व एक प्रेरणा है, पाथेय है, मार्गदर्शन है और अहिंसक जीवन शैली का प्रयोग है।

-ललित गर्ग

मनीषा हत्याकांड - हरियाणा की कानून-व्यवस्था पर सवाल

पुलिस की लापरवाही और समाज की बेपरवाही ने छीनी एक और बेटी की जान

मनीषा की हत्या ने हरियाणा की पुलिस और शासन व्यवस्था को कठघरे में खड़ा कर दिया है। प्राथमिकी दर्ज करने में देरी, चित्रण देर से लेना और परिजनों की गुहार को नज़रअंदाज़ करना ये सब पुलिस की लापरवाही के प्रमाण हैं। परिवार का शव न लेने का फैसला एक प्रतीक है कि अब जनता केवल आश्वासन से संतुष्ट नहीं होगी। सरकार को यह समझना होगा कि महज़ तबादले और निलंबन से हालात नहीं सुधरेंगे। जब तक पुलिस जवाबदेह नहीं होगी और समाज में महिलाओं के प्रति नज़रिये में बदलाव नहीं आएगा, तब तक ऐसी दर्दनाक घटनाएँ होती रहेंगी।

भिवानी जि़ले की उन्नीस वर्षीय शिक्षिका मनीषा की हत्या ने पूरे हरियाणा को झकझोर कर रख दिया है। यह मामला केवल एक बेटी की असमय मौत भर नहीं है, बल्कि हरियाणा की पुलिस व्यवस्था, समाज और शासन तंत्र पर एक बड़ा प्रश्नचिह्न भी है। सवाल यह है कि आखिर क्यों हर बार बेटियों की सुरक्षा तब चर्चा का विषय बनती है जब कोई दर्दनाक घटना घट जाती है? क्यों पुलिस की प्राथमिक प्रतिक्रिया संवेदनशील और सक्रिय होने के बजाय उपेक्षा और पूर्वाग्रह से भरी रहती है?

मनीषा ग्यारह अगस्त को नर्सिंग कॉलेज से लौटते समय लापता हो गई। परिजनों ने उसी दिन पुलिस को शिकायत दी। मगर पुलिस का रवैया बेहद उपेक्षापूर्ण था। पिता को यह कहकर टाल दिया गया कि लड़की भाग गई होगी, खुद लौट आएगी। यह बयान केवल पुलिस की संवेदनहीनता नहीं दर्शाता बल्कि यह भी बताता है कि हमारी सुरक्षा एजेंसियाँ अब भी पुरानी जड़ मानसिकता से बाहर नहीं निकल पाई हैं। प्रथम सूचना रिपोर्ट अगले दिन दर्ज की गई और कॉलेज का बंद परिपथ यंत्र का चित्रण भी तेरह अगस्त को जुटाया गया। यानी तीन दिन तक समय बर्बाद हुआ। इस दौरान मनीषा का गला रेतकर हत्या कर दी गई और शव को जलाने की कोशिश की गई। अगर पुलिस ने तुरंत गंभीरता दिखाई होती, तो शायद उसकी जान बचाई जा सकती थी। यह मामला हर उस परिवार के डर को सच साबित करता है जो अपनी बेटियों को घर से बाहर भेजते समय दिल पर पत्थर रखते हैं।

मनीषा के परिवार ने जब शव देखा तो उनका दुःख आक्रोश में बदल गया। उन्होंने शव लेने और अंतिम संस्कार से इनकार कर दिया। उनका कहना था कि जब तक हत्यारे पकड़े नहीं जाते, तब तक वे अंतिम संस्कार नहीं करेंगे। यह प्रतिरोध केवल एक परिवार का नहीं, बल्कि पूरे समाज की पीड़ा है।

भिवानी नागरिक अस्पताल में लगातार धरना चला। गाँव-गाँव से लोग समर्थन में पहुँचे। यह संघर्ष हमें याद दिलाता है कि न्याय के लिए जनता को बार-बार सड़क पर उतरना पड़ता है। आखिर यह कैसा लोकतंत्र है जहाँ नागरिक को अपनी आवाज़ सुनाने के लिए शव लेकर धरने पर बैठना पड़े?

चरखी दादरी, भिवानी, बाढड़ा, भांड़वा और लोहारू सहित कई कस्बों में बाज़ार बंद हुए। सड़कों पर जाम लगा। मोमबत्ती मार्च निकाले गए। यह जनता का सीधा संदेश था कि अब और सहन नहीं होगा। जब भी व्यवस्था अपने कर्तव्य से चूकती है, जनता का आक्रोश ही उसे आईना दिखाता है। लोगों की माँग थी कि दोषियों को फाँसी दी जाए। उनकी नाराजगी केवल अपराधियों से नहीं थी, बल्कि उस तंत्र से भी थी जिसने समय रहते कार्रवाई नहीं की।

बढ़ते जनाक्रोश ने मुख्यमंत्री को कदम उठाने पर मजबूर किया। उन्होंने भिवानी पुलिस अधीक्षक का तबादला कर दिया और पाँच पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया। सवाल यह है कि क्या सिर्फ़ निलंबन और तबादले से बेटियों की सुरक्षा सुनिश्चित हो जाएगी? क्या पुलिस सुधार का मतलब केवल नाम बदलना और कुर्सी बदलना भर है? यह कदम राजनीतिक दबाव में उठाए गए अस्थायी उपाय भर लगते हैं।

विपक्ष ने इस मामले को तुरंत मुद्दा बनाया। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि हरियाणा में कानून-व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। उनका बयान गलत नहीं है। जब लोग पुलिस पर भरोसा नहीं कर पा रहे, तब यह साफ है कि व्यवस्था की जड़ें खोखली हो चुकी हैं। लेकिन यह भी उतना ही सच है कि विपक्षी दल केवल बयानबाज़ी तक सीमित रहते हैं। सत्ता में रहते हुए उन्होंने भी पुलिस सुधार और महिला सुरक्षा के लिए ठोस कदम नहीं उठाए। इसलिए दोष केवल वर्तमान सरकार का नहीं, बल्कि पूरे राजनीतिक तंत्र का है, जिसने कभी इस मुद्दे को प्राथमिकता नहीं दी।

हर हत्या के बाद हम मोमबत्तियाँ जलाते हैं, सड़कें जाम करते हैं और कड़ी सज़ा की माँग करते हैं। लेकिन क्या इसके बाद हमारे समाज का रवैया बदलता है? बेटियों को घर से बाहर निकलते समय शक की निगाह से देखना, उनकी स्वतंत्रता पर बंदिश लगाना और पुलिस का भाग गई होगी वाला दृष्टिकोण — ये सब हमारी सामूहिक मानसिकता की गवाही देते हैं। हमें यह समझना होगा कि अपराधियों का हौसला तभी टूटेगा जब समाज बेटियों को बराबरी का अधिकार और सुरक्षा का वातावरण देगा।

सुधार की राह साफ है। हर शिकायत को तुरंत दर्ज करना अनिवार्य होना चाहिए। गुमशुदगी के मामलों में 卐भाग जाने卐 वाली सोच को खत्म करना होगा। केवल निलंबन काफी नहीं है। दोषी अधिकारियों पर आपराधिक मामला दर्ज हो और सख़्त सज़ा मिले। कॉलेज, स्कूल और सार्वजनिक स्थानों पर निगरानी व्यवस्था और पुलिस गश्त मजबूत होनी चाहिए। महिला अपराधों की सुनवाई शीघ्र हो और हर मामला छह महीने के भीतर निपटाया जाए। घर-परिवार से लेकर पंचायत और समाज तक यह संदेश जाए कि बेटियों की सुरक्षा केवल सरकार नहीं, बल्कि पूरे समाज की जिम्मेदारी है।

मनीषा हत्याकांड ने यह साबित कर दिया है कि हरियाणा में कानून-व्यवस्था कितनी खोखली है। यह मामला केवल एक बेटी का नहीं, बल्कि हर घर की चिंता का विषय है। अगर हम अब भी नहीं चेते तो कल और कितनी मनीषाएँ इस व्यवस्था की भेंट चढ़ेंगी, कहना मुश्किल है।

-डॉ सत्यवान सौरभ

भारत का नवाचार, शिक्षण, नवोन्मेष, बौद्धिक नेतृत्व फिर एक बार विश्व गुरु बनने का मार्ग प्रशस्त करेगा

भारत हजारों वर्षों से पारंपरिक, शिक्षण, संस्कृति, परंपराओं, प्रथाओं, वेदों कतेबों, साहित्यिक खजाने का अभूतपूर्व भंडार रहा है। जिसके बल पर भारत माता को विश्व गुरु का दर्जा प्राप्त था, परंतु अंग्रेजों की बुरी नज़र लगी और भारत जैसे सोने की चिडिया के अणखुट खजाने और प्राकृतिक सौंदर्यता से छेड़छाड़ कर अंग्रेजों ने न सिर्फ भारतीय क्षमता, सौंदर्यता और खजाने को अभूतपूर्व नुकसान पहुंचाया बल्कि इसके दो टुकड़े भी कर दिए। परंतु मैं एडवोकेट किशन किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र ऐसा मानता हूं कि भारत के भी जनसंख्या पारिस्थितिकी ने अपने बौद्धिक नेतृत्व, नवाचार, नवोन्मेष शिक्षा के बल पर भारत को फ़िर एक नई रफ़्तार के साथ जान फूंक दी है,जिससे भारत तेज़ी से आगे बढ़ते हुए अपने खोए हुए विश्व गुरु के ओहदे को शीघ्र ही प्राप्त करने में कामयाब होगा।

साथियों बात अगर हम शिक्षा की करें तो राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एक ऐसा विधान एक ऐसा दिव्य दस्तावेज़ है जिसको पूरे रणनीतिक रोडमैप से तैयार किया गया है। जिसका प्रभाव हमें आगे के वर्षों में ज़रूर दिखेगा। इसमें पूर्व की कमियों और भविष्य की ज़रूरतों को ध्यान में रखकर हर एक स्थिति पर विचार कर उसे समाहित किया गया है। शिक्षाविदों बुद्धिजीवियों शिक्षा क्षेत्रसे जुड़े महानुभावों तथा निजी व सरकारी शिक्षण संस्थाओं को एस एनईपी - 2020 पर विशेष ध्यान देकर इसे लागू कराने में शासन को पूरी मदद करने के लिए तत्पर रहना होगा। यह हमारी आत्मनिर्भर भारत की नीव के स्तंभों में से एक है।

साथियों बात अगर हम नवाचारों की करें तो हम आज के युवा नवाचारों में बहुत आगे हैं। सफ़लस्टार्टअप की शुरुआत कर रहे हैं। यूनिकॉर्न का निर्माण कर रहे हैं। आर्थिक विकास में योगदान दे रहे हैं। नई-नई तकनीकों को इस्तेमाल कर हमारे विश्व गुरु बनने का मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं।

साथियों बात अगर हम नवोन्मेष की करें तो आज भारत इस दिशा में काफी आगे बढ़ चुका है। नई नई प्रौद्योगिकियों का आविष्कार कर अति तीव्र गति के साथ भारत को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार कर रहा है और माननीय पीएम के मंत्र लोकल फॉर वोकल पर सफलतापूर्वक आगे बढ़ रहा है।

साथियों बात अगर हम बौद्धिक नेतृत्व की करें तो हम भारत माता की गोद में उसकी मिट्टी में पैदा हुए हैं, और पले बढ़े हैं। हमारी बौद्धिक नेतृत्व क्षमता गॉड गिफ्टेड है और जगजाहिर है। विश्व प्रसिद्ध है। हम अगर शिक्षण, नवाचार, नवोन्मेष पर तेजी से आगे बढ़ रहे हैं, यह हमारी बौद्धिक कौशल का नेतृत्व, सफलताओं की सभी मंजिलें पार करने की जांबाज़ी और ज़ज़्बे के साथ जीने का तरीका तथा हमारे वैश्विक लीडर बनने के संकल्प का नतीजा है।

साथियों बात अगर हम माननीय पूर्व उपराष्ट्रपति द्वारा एक कार्यक्रम में संबोधन की करें तो पीआईबी के अनुसार, उन्होंने भी कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति विभिन्न मुद्दों को संबोधित करने की मांग करती है और भारत के एक बार फिर विश्व गुरु बनने का मार्ग प्रशस्त करती है। उन्होंने आगे कहा कि शिक्षा के गुणवत्ता संकेतकों में भारी सुधार करने की हमारी खोज में एनईपी-2020 एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने भारत की समग्र शिक्षा की गौरवशाली परंपरा को याद किया। उन्होंने उस परंपरा को फिर से जीवित करने और शैक्षणिक परिदृश्य को बदलने का आह्वाहन करने के साथ ऋषिहुड जैसे नए विश्वविद्यालयों से इस संबंध में नेतृत्व करने को कहा। इस बात का उल्लेख करते हुए कि शिक्षा राष्ट्र के परिवर्तन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, उन्होंने शिक्षा को एक मिशन के रूप में स्वीकार करने का आह्वाहन किया। उन्होंने आज शिक्षा प्रणाली के भारतीयकरण का आह्वाहन किया, जो भारत के प्राचीन बुद्धिमत्ता,ज्ञान परंपराओं और विरासत की महान संपदा पर आधारित है। यह सुझाव देते हुए कि औपनिवेशिक शिक्षा प्रणाली ने लोगों में एक हीन भावना और भेद उत्पन्न किया है, उन्होंने शिक्षा प्रणाली में मूल्य - आधारित परिवर्तन का आह्वाहन किया जिसकी परिकल्पना राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी)-2020 में की गई है। उन्होंने भारत के नवाचार, शिक्षण और बौद्धिक नेतृत्व के वैश्विक केंद्र के रूप में उभरने की जरूरत पर भी जोर दिया। शिक्षा के मोर्चे पर चौतरफा सुधार की जरूरत पर जोर देते हुए, उन्होंने कहा कि अनुसंधान की गुणवत्ता, सभी स्तरों पर शिक्षण, अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों की रैंकिंग, स्नातकों की रोजगारक्षमता और शिक्षा प्रणाली के कई अन्य पहलुओं को बेहतर बनाने की जरूरत है। एनईपी को एक दिव्य दस्तावेज बताते हुए, जो भारत में शिक्षा के परिदृश्य को बदल सकता है, उन्होंने कहा कि यह शिक्षा को एक समग्र, मूल्य - आधारित और शिक्षण के सुखद अनुभव बनने के लिए प्रेरित कर सकता है। उन्होंने आगे कहा, अंतर्विषयक शिक्षा, अनुसंधान व ज्ञान उत्पादन, संस्थानों को स्वायत्तता, बहु-भाषी शिक्षा और ऐसे कई महत्वपूर्ण नीतिगत उपायों पर जोर देने के साथ, हम शिक्षा प्रदान करने के तरीके में एक बड़े बदलाव की ओर बढ़ रहे हैं। जब हमारे युवानवाचार में अव्वल हैं, सफल स्टार्ट-अप की शुरुआत कर रहे हैं, यूनिकॉर्न का निर्माण कर रहे हैं और आर्थिक विकास में योगदान दे रहे हैं, तब भारत में सार्वजनिक सेवाओं, वित्तीय समावेशन और दूरसंचार बुनियादी ढांचे के वितरण में आईटी से संबंधित क्रांति के साथ-साथ शिक्षा में तकनीक को तेजी से अपनाने का समय आ गया है। जब हम अच्छी शिक्षा को सुदूर क्षेत्र तक ले जाते हैं, तो छात्रों की अप्रयुक्त क्षमता का इस्तेमाल अधिक अच्छाई के लिए किया जा सकता है। जैसा कि हम जानते हैं, कभी भारत की पहचान विश्व गुरु के रूप में थी। हमारे पास नालंदा, तक्षशिला और पुष्पगिरी जैसी महान संस्थानें थीं, जहां विश्व के सभी हिस्से से छात्र सीखने के लिए आते थे। हमें उस बौद्धिक नेतृत्व को फिर से प्राप्त करना चाहिए और सीखने व नवाचार के वैश्विक केंद्र के रूप में उभरना चाहिए। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि भारत की पहचान कभी विश्व गुरु के रूप में थी तथा भारत के नवाचार, शिक्षण, नवोन्मेष, बौद्धिक नेतृत्व फिर एक बार विश्व गुरु बनने का मार्ग प्रशस्त करेंगे एवं 142 करोड़ जनसंख्या पारिस्थिति की की अप्रयुक्त क्षमता का इस्तेमाल कौशलता विकास और अच्छी शिक्षा को सुदूर क्षेत्र तक ले जाकर हम कर सकते हैं। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि भारत कानवाचार, शिक्षण, नवोन्मेष, बौद्धिक नेतृत्व फिर एक बार विश्व गुरु बनने का मार्ग प्रशस्त करेगा।142 करोड़ जनसंख्या पारिस्थितिकी की अप्रयुक्त क्षमता का इस्तेमाल, कौशलता विकास और अच्छी शिक्षा को सुदूर क्षेत्रों तक ले जाकर कर सकते हैं।

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। लेवाली दबी-दबी रहने से मंगलवार को किराना जिंसों में शक्कर सुस्त रही। खाद्य तेलों में मजबूती रही। तिलहनों में सोयाबीन सुर्ख रहा। दलहनों में चना घटाकर बोला गया। तुअर में बाजार बने रहे। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार शक्कर में लेवाली दबी-दबी रहने से भावों में सुस्ती आयी। खोपरा गोला सुर्ख बना रहा। खाद्य तेलों में टिकाव रहा। तिलहनों में पूछपरख के अभाव में बाजार घटाकर बोले गये। तुअर व मूंग में पूछपरख से भावों में मजबूती रही। भाव इस प्रकार रहे :-

किराना- शक्कर 4110-4140, खोपरा गोला 315-350, खोपरा बूरा 4400-6600 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 250-265, मीडियम 280-285, ऊंझा हल्का 270-275, बेस्ट 290-320, हल्दी निजामाबाद 170-210, सांगली 265-270, साबूदाना हल्का 4500-4600, मीडियम 4650-4850, बेस्ट 5100-5500, ग्लास 6100, वरलक्ष्मी 5350, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 110-250, एस्ट्रा बेस्ट 300-400, सौंफ बारिक 280-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 770-800, गरबल 740-750, मटरदाना 825-850, खसखस अनक्लीन 900-1200, क्लीन 1300-1500, दालचीनी 250-265, जायफल 725-750, बेस्ट 780-790, वाद्यान फूल 440-495, शाहजीरा 385, तेजपान 90-95, पत्थर फूल 340-425, बेस्ट 475-500, जावत्री 1675-1750, बेस्ट 1850-1890, केसर 175-185, सौंठ 375-400, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 725-780, हींग (वनदेवी 751) 2600, पाउच 2650, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100-135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची शंकर 2850-2950, विरूद्ध नगर 2950-3025, मीडियम 2975-3050, बोल्ड 3075-3150, एक्ट्रा बोल्ड 3250-3450, पानबार 2450, बड़ी इलायची 1550-1900, तरबूज मगज 665-690, काजू (240) 950-960, काजू (210) 950-1000, काजू (320) 830-860, काजू एस. डब्ल्यू 800-810, जे.एच. 840-860, टुकड़ी 780-850, बादाम मगज 860-880, अमेरिकन 750-780, सिंगापुरी 795-815, अखरोट 510-800, जर्दालु 250-350, बेस्ट 450-600, किशमिश कंधारी 420-470, बेस्ट 550-650, इंडियन 140-150, बेस्ट 170-190, चारौली 1550-1650, बेस्ट 1700, मुनक्का 450-550, बेस्ट 650-900, अंजीर 750-1450, मखाना 1100-1625, खारक 115-135, मीडियम 140-180, बेस्ट 225-250, एक्ट्रा बेस्ट 300-310, पिस्ता 1400-1600, कंधारी 1750-1900, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 3700-3800, (160) 4200-4300, (200) 4700-4900, (250) 5000-5100

तेल- सींगदाना 1370-1390, मुम्बई 1420, राजकोट तेलिया 2225, सोया साल्वेंट 1110-1120, सोया रिफाइंड 1175-1180, कपास्या 1205, धूलिया 1190-1195, कड़ी 1200,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1375, मुम्बई पाम 1200, मुम्बई सोया 1200,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2300, देवास-उज्जैन 2300, खंडवा-बुरहानपुर 2275, अकोला 3175 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 7000-7100, रायडा 6600-6800, सोयाबीन 4750-4800, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 6250-6300, एवरेज 5600-5700, विशाल 5450-5550, काबूली डॉलर 8500-9000, काबुली रर्शा?यन 5600-5800, बिटकी 5300-5400, मसूर बेस्ट 6200-6250, एवरेज 6100-6150, मूंग देशी 7500-7600, पाला 7600-7700, चमकी 7700-7800, नायलोन 7900-8000, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6600-6700, एवरेज 6500-6600, हल्की 6400-6500, तुअर महाराष्ट्र 6600-6700, महाराष्ट्र लाल 6600-6900, उड़द बेस्ट 7400-7500, एवरेज 7200-7300, शंकर 7000-7100, हल्की 6900-7000,

दाल- चना दाल एवरेज 7700-8300, बोल्ड 8600-8800, तुअर दाल सवा नं. 7300-7400, तुअर दाल फूल 9000-9100, तुअर दाल बोल्ड 9900-10100, मसूर दाल एवरेज 7750-7850, बेस्ट 7950-8100, मूंग दाल 9500-9600, बोल्ड 9800-10000, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 3000-3200, सेला 3500-3800, परमल 3400-3500, दुबराज 4000-4500, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8900, बासमती दुबार 9000-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 4500-6000, तिबार 10500-11000, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 320, उज्जैन 280, रतलाम 280 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। मंगलवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार की मात्रा कम ही रही। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार कमोवेश बने रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चॉंदी (9999) 115000, चॉंदी (99) 114800, टंच 114500, सिक्का 1200, सोना 10 ग्राम 100400,

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया मंगलवार को 35 पैसे बढ़त के साथ ही 87.04 पर बंद हुआ। वहीं इससे पहले रुपया मंगलवार को शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 19 पैसे बढ़कर 87.20 पर पहुंच गया था। यह बढ़त व्यापक कर सुधारों और घरेलू शेयर बाजारों में जारी तेजी के चलते दर्ज की गई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 87.24 पर खुला और धीरे-धीरे मजबूत होते हुए 87.20 पर पहुंचा। वहीं सोमवार को यह 87.39 पर बंद हुआ था। विशेषज्ञों के अनुसार, सरकार द्वारा टैक्स सिस्टम में पारदर्शिता और निवेश को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से किए गए सुधारों ने विदेशी निवेशकों का भरोसा बढ़ाया है।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए भाग्य के दृष्टिकोण से अच्छा रहने वाला है। आपको अपने किसी वाद-विवाद को थोड़ा ध्यान रखना होगा, तो आपके लिए बेहतर रहेगा। आप कामों को लेकर लापरवाही ना दिखाएं। आपके आलस्य के कारण आप अपने कामों को आगे टालने की कोशिश कर सकते हैं। भौतिक सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी।

वृषभ- आज आपके धन के नए-नए रास्ते खुलेंगे और आपकी सेहत भी पहले से बेहतर रहेगी। रिश्तो में यदि कुछ कड़वाहट चल रही थी, तो उसको भी दूर करने की संभावना है। आपको अपनी संपत्ति से जुड़ी कोई शुभ सूचना सुनने को मिल सकती है। आप किसी पैतृक संपत्ति संबंधित मामले में ढील ना दें, तभी उसमें भी आपको जीत मिलेगी। आपको किसी सरकारी योजना का पूरा लाभ मिलेगा, जो लोग रिलेशनशिप में है, उन्हें कोई खुशखबरी सुनने को मिलेगी और आपकी कुछ नया करने की इच्छा जागृत होगी।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए आनंदमय रहने वाला है। आपके चारों ओर का वातावरण खुशनुमा रहेगा। परिवार में खुशियां आएंगी, आपके किसी नए घर और दुकान आदि की खरीदारी के लिए बेहतर रहेगा। आप किसी फैमिली ट्रिप पर जाने के प्लानिंग कर सकते हैं। आप अपनी इनकम को बढ़ाने के सोर्सो पर ध्यान देंगे। आपका बिजनेस में धन लगाने के लिए आपको कोई अच्छा पार्टनर मिल सकता है।

कर्क- आज का दिन आपके लिए किसी नए मकान आदि की खरीदारी के लिए रहेगा। आपका किसी नई प्रॉपर्टी को खरीदने का सपना पूरा हो सकता है। आपको अपनी आय और व्यय को ध्यान में रखकर खर्च करना बेहतर रहेगा। आपकी तरक्की की राह में आ रही बाधा दूर होंगी। आप यदि किसी को धन उधार देंगे, तो वह आपको आसानी से मिल जाएगा। आप अपने पिताजी से काम को लेकर कोई सलाह मशवरा ले सकते हैं।

सिंह- आज का दिन आपके लिए किसी नए काम को करने से बचने के लिए रहेगा। आप अपने बिजनेस के काम को लेकर लोगों से मिलना जुलना करेंगे। शेयर मार्केट में इन्वेस्टमेंट करने वाले लोगों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आपको कोई पुरस्कार आदि मिलने से आपका मन काफी खुश रहेगा। पार्टनरशिप आप थोड़ा सोच समझकर करें, लेकिन आप जिस काम में हाथ डालेंगे, उसमें आपको सफलता अवश्य मिलेगी। आप अपने पारिवारिक मामलों को निपटाने की कोशिश में लगे रहेंगे।

कन्या- आज का दिन आपके लिए आय और व्यय में संतुलन बनाकर चलने के लिए रहेगा। आपको अपनी पर्सनल लाइफ पर पूरा ध्यान देना होगा। आप किसी अजनबी से जरूरी बातें शेयर ना करें। कोर्ट कचहरी से संबंधित मामलों को लेकर आपको भागदौड़ अधिक रहेगी। आपकी कोई शारीरिक समस्या बढ़ सकती है, जिसको लेकर आपको टेंशन अधिक रहेगी। आपके कुछ नए विरोधी उत्पन्न हो सकते हैं। आपको अपने सीनियर्स का कामों में पूरा साथ मिलेगा।

तुला- आज का दिन आपके लिए किसी वाद-विवाद से दूर रहने के लिए रहेगा। यदि आपके कामों में कोई दिक्कतें आ रही थी, तो वह भी दूर होगी। ऑफिस में आप अपने सहयोगियों से काम निकलवाने की पूरी कोशिश करेंगे। आपको किसी धार्मिक यात्रा पर जाने में कुछ दिक्कतें आ सकती हैं। प्रॉपर्टी को लेकर आप कोई फैसला थोड़ा समझदारी से ही लें। जीवनसाथी आपके साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलेंगे।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। परिवार में किसी नए मेहमान का आगमन हो सकता है। आप परिवार के सदस्यों के साथ कुछ समय पुरानी यादों को साझा करने में व्यतीत करेंगे। आप अपने पार्टनर के साथ क्वालिटी टाइम स्पेंड करेंगे। संतान पक्ष की ओर से आपको कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। माता-पिता के आशीर्वाद से आपके कुछ काम आसानी से बनेंगे।

धनु- आज का दिन आपके लिए किसी नए वाहन की खरीदारी के लिए अच्छा रहेगा। आप किसी के कहने में आकर कोई निर्णय न ले, नहीं तो बाद में आपको उसके लिए पछतावा हो सकता है। आपके कामों में कुछ चुनौतियां आएंगी, जिनसे आपको घबराना नहीं है। विद्यार्थी पढ़ाई-लिखाई से संबंधित किसी काम को लेकर कहीं बाहर जा सकते हैं। आपका कोई पुराना लेनदेन आपके लिए समस्या बन सकता है।

मकर- आज का दिन आपके लिए धैर्य और साहस से काम लेने के लिए रहेगा। आपको योग और मेडिटेशन करते रहना अच्छा रहेगा। आप कामों को लेकर रणनीति बनाकर चले, तो आपके लिए बेहतर रहेगा। भाई- बहनों का आपको पूरा सपोर्ट मिलेगा। आपके कोई मन की इच्छा पूरी हो सकती है, जिसके बाद परिवार में किसी पूजा-पाठ का आयोजन होगा। आपके घर किसी अतिथि का आगमन होने से माहौल खुशनुमा रहेगा।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। आपको शेयर मार्केट के पुराने निवेश से अच्छा लाभ मिलेगा। आपकी काम को लेकर वाहवाही होगी और आप कहीं घूमने-फिरने जाने की प्लानिंग कर सकते हैं। सिंगल लोगों की अपने प्यार से मुलाकात होगी। राजनीति में कार्यरत लोगों को किसी सम्मान की प्राप्ति हो सकती हैं।

मीन- आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। आपके अंदर अच्छी ऊर्जा रहने से आपका मन काफी खुश रहेगा और आपको टेंशनों से भी छुटकारा मिलेगा। आपके बॉस को आपके दिए गए सुझाव खुब पसंद आएंगे। आपकी उनसे खूब पटेगी। विद्यार्थियों को यदि किसी परीक्षा को दिया था, तो उसका परिणाम आ सकते हैं।

शब्दजाल - 7995

शब्द जाल में 10 विलोम शब्द ढूंढिए. शब्द उपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.

श	रा	अं	धे	रा	उ	जा	ला	झ	क	चि
खा	ली	भ	रा	रिं	लै	ता	भ	शा	को	चि
ट	र	ह	झि	दा	चि	सिं	हा	र	जी	त
प	म	दा	च	ल	क	ड़	नि	दा	र	प
टा	पा	र	स्व	र्ग	न	र्क	चि	स	र	ट
ह	स	प	ए	दा	ह	ला	पू	ड़	न	ती
ट	दू	बु	अ	डी	म	ट	ह	रा	ह	क
बा	र	वा	ला	क	चो	सौ	न	ट	आ	ट
स	थो	तें	व	ह	ज	टी	ने	दा	र	धा
र	ल	प	ति	रं	ट	ऐ	बें	न	रु	थो
त	ड़	म	र्द	औ	र	त	ख	ला	ह	ट

अंधेरा उजाला, लाभ हानि,एडी चोटी, हार जीत, चित पट, पूरा आधा, मर्द औरत, पास दूर, स्वर्ग नर्क, खाली भरा

शब्दजाल - 7994 का हल

अ	ट	र	प	ट	र	धि	अ	र	प	अ
न	ग	क	म	इं	डे	ने	फ	ति	मा	ना
अ	दा	ल	ला	मा	ग	अं	रा	ह	प	प
आ	ग	ल	ब	जा	न	स	त	ह	अ	श
ना	न	अ	र	ग	न	मे	फ	का	ग	ना
जा	अ	न	र	व	ल	का	री	ह	र	प
ना	ज	ल	फा	व	अ	ला	र	मा	म	ग
आ	र	पा	र	न	प	स	रा	ल	ग	ला
अ	पं	बा	अ	लं	न	र	ह	न	र	दे
र	ज	ति	मा	अ	द	ली	ब	द	ली	श
बां	र	ल	प	रु	स	स	त्ता	प	र	र

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

20 अगस्त 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह में	सिंह	05.24 बजे से
चंद्र	मिथुन में	कन्या	07.40 बजे से
मंगल	कन्या में	तुला	09.51 बजे से
बुध	कर्क में	वृश्चिक	12.06 ब.से
गुरु	मिथुन में	धनु	14.22 बजे से
शुक्र	मिथुन में	मकर	16.27 बजे से
शनि	मीन में	कुंभ	18.13 बजे से
राहु	कुंभ में	मीन	19.46 बजे से
केतु	सिंह में	मेष	21.17 बजे से
राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक		वृष	22.57 बजे से
		मिथुन	00.55 बजे से
		कर्क	03.08 बजे से

बुधवार 2025 वर्ष का 232 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** भाद्रपद (दक्षिण भारत में श्रावण) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** द्वादशी 13.59 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** पुनर्वसु 00.27 बजे को रात्र समाप्त। **योग** सिद्धि(असृक) 18.14 बजे को समाप्त। **करण** तैतिल 13.59 बजे तदनन्तर गर 01.19 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.2 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 12° 26' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872442 **जूलियन दिन** 2460907.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** सफर **तारीख** 25 **विशेष** प्रदोष व्रत।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	05.54 से 07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से 07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से 08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से 08.44 बजे तक
काल	08.15 से 10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से 10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से 11.47 बजे तक	चर	10.16 से 11.47 बजे तक
रोग	11.47 से 01.16 बजे तक	रोग	11.47 से 01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से 02.44 बजे तक	काल	01.19 से 02.51 बजे तक
चर	02.44 से 04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से 04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से 05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से 05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: फैसले का तरीका

आदि शंकराचार्य और मंडन मिश्र के मध्य सोलह दिनों से शास्त्रार्थ चल रहा था। मंडन मिश्र की पत्नी देवी भारती निर्णायक थीं। हार-जीत का निर्णय नहीं हो पा रहा था, तभी देवी भारती को किसी आवश्यक कार्य से बाहर जाना पड़ा। जाने के पूर्व उन्होंने दोनों विद्वानों के गले में एक-एक माला डालते हुए कहा, मेरी अनुपस्थिति में मेरा काम ये फूल मालाएं करेंगी। देवी भारती चली गईं। शास्त्रार्थ यथावत चलता रहा। कुछ समय बाद जब वे अपना काम पूरा कर लौटीं, तो उन्होंने आदि शंकराचार्य और मंडन मिश्र को बारी-बारी से देखा, उनके गले में डाली गई फूलों की माला की स्थिति को परखा और अपना निर्णय सुना दिया। निर्णय के अनुसार आदि शंकराचार्य की विजय हुई और उनके पति मंडन मिश्र पराजित हुए। लोग हैरान थे कि उन्होंने किस आधार पर अपने पति को पराजित घोषित किया। आखिर एक व्यक्ति ने नम्रतापूर्वक पूछा, आप तो शास्त्रार्थ के मध्य ही चली गई थीं। फिर लौटते ही आपने यह फैसला कैसे सुना दिया? देवी भारती ने जवाब दिया, 'जब विद्वान शास्त्रार्थ में पराजित होने लगता है तो वह क्रोधित हो जाता है। इसका असर उस व्यक्ति के अलावा वहां के वातावरण पर भी होता है। मेरे पति मंडन मिश्र के गले की माला क्रोध के ताप से सूख गईं, जबकि आदि शंकराचार्य की माला के फूल अभी भी ताजे हैं। इसी से प्रकट होता है कि शंकराचार्य की विजय हुई है।' देवी भारती का फैसला सुनकर लोग दंग रह गए।

फिल्म वर्ग पहेली- 6939

बायें से दायें:-

१. फरदीन, करीना की अमिताभ बच्चन की शीर्षक भूमिका वाली फिल्म-२
२. 'चल दरिया में डूब' गीत वाली राजेश खन्ना, हेमा, मुमताज की फिल्म-२,३
६. करणनाथ, मनीषा, नतान्या की 'दिल तो उड़ने लगा' गीत वाली फिल्म-२
७. 'बाहर है प्रॉबलम' गीत वाली अमृता सिंह, अमिताभ, मीनाक्षी की फिल्म-३
८. अनिलकपूर, अक्षय, ऐश्वर्या की 'इस टूटे दिल की पीर' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'सुनता है मेरा खुदा' गीत वाली अनिलकपूर, माधुरी की फिल्म-३
११. जीतेंद्र, श्रीदेवी की 'गोरी तेरे अंग अंग में' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'बोल बेबी बोल' गीत वाली अनिलकपूर, मीनाक्षी की फिल्म-२,२
१६. बॉबी देओल, मनीषा, काजोल की 'दुनिया हसीनों का मेला' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'कोई माने या ना माने' गीत वाली फिरोजखान, रेखा की फिल्म-३
१९. देवआनंद, वहीदा की 'है अपना दिल तो आवारा' गीत वाली फिल्म-३,२
२३. 'गिर गया झुमका' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-३
२४. फिल्म 'तीसरी कसम' में राजकपूर के साथ नायिका कौन थी?-३
२५. प्राण, नवीन निश्चल, रेखा की 'ना सतरा से ऊपर' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'तुझे प्यार करते करते' गीत वाली अजय देवगन, जूही की फिल्म-४
२७. अजय देवगन, रानी मुखर्जी की 'ना ना मेहंदी ना मुझको लगाना' गीत वाली फिल्म-२,२

ऊपर से नीचे:-

१. संजीवकुमार, शबाना आजमी की फिल्म-३
२. देवआनंद, वहीदा रहमान की 'रंगीला रे तेरे रंग में' गीत वाली फिल्म-२,३
३. 'कितना बेचैन होके' गीत वाली आफ ताब, लिसा रे की फिल्म-३
४. फिल्म 'रफूचक्कर' में ऋषिकपूर के साथ नायिका कौन थी?-२,२
५. फिल्म 'छैला बाबू' में राजेश खन्ना के साथ नायिका कौन थी?-३
९. अमिताभ, रितिक, प्रीती जिंटा की 'अगर मैं कहूँ' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'तुम रूठ के मत जाना' गीत वाली भारतभूषण, मधुबाला की फिल्म-३
१३. किशोर कुमार, चॉंद उस्मानी की 'छोटा सा घर होगा' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'दिल मेरा अकेला' गीत वाली आमिर, फैजल, टिवंकल की फिल्म-२
१५. फरदीनखान, उर्मिला की 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'तेरे प्यार का छाया नशा' गीत वाली आफताब, युक्ता मुखी की फिल्म-२
१९. फिल्म 'काश आप हमारे होते' का नायक कौन है?-२
२०. मिथुन चक्रवर्ती, टीना मुनीम की 'तुम सा नहीं देखा' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'ये लड़की जरा सी' गीत वाली कुमार गौरव, विजेयता पंडित की फिल्म-२,२
२२. मिथुन चक्रवर्ती, ऋतुपर्णा की 'गोरे रंग का जमाना' गीत वाली फिल्म-४
२३. 'मिर्ची ये मिर्ची' गीत वाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 6938

आ	ई	मि	ल	न	की	बे	ला		शा
गा		ल		गिं		ना		मि	ली
ज	मी	न		स	न	म			मा
	ना		सु		गी		पिं	ज	र
ज		प	र	वा	न			ह्ल	
ग	द	र		स्त		दो	ब	द	न
ल		ख		व	ध		ल		व
	क		ना		न	ग	मा		रं
श	ह	जा	दा		वा			रं	ग
	र		न	या	न	शा		भा	

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल- 7248

सरल

7	8				2	6		3
			4					
1	3	5		8				
	2			1			7	8
6	7			9			2	
				6		5	9	2
					3			
2		8	5				6	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7247 का हल

4	3	2	9	5	6	1	7	8
6	8	5	7	1	4	9	2	3
9	1	7	3	8	2	4	5	6
3	4	8	6	2	7	5	1	9
5	6	1	8	4	9	2	3	7
2	7	9	5	3	1	6	8	4
1	9	3	4	7	5	8	6	2
8	2	4	1	6	3	7	9	5
7	5	6	2	9	8	3	4	1

शब्द पहेली - 8463

बाएँ से दाएँ

1. ओस की बूंदे (उर्दू-4)
3. आसमान, गगन-3
5. निम्न, जो स्तरीय न हो-4
8. रात्रि, निशा-2
10. सिलना, छाती
11. नश, नाड़ी-2
13. एक समाज सुधारक जिनके दोहे काफी प्रसिद्ध हैं-2
15. इसे आंखों में लगाते हैं-3
16. प्रभाव-3
17. समीप, पास, नजदीक-3
19. भगवान, खुदा-2
20. जानवर इसे खाते हैं-2
21. होठ, अधर-2
23. लूटपाट, डाका-4
25. प्रकार-3
26. बेबस, लाचार-4

ऊपर से नीचे

1. चिंगारी, अंगारा-3
2. मस्ती में चूर-2
3. इज्जत, साख-2
4. तलवार (उर्दू-4)
6. रसदार, रस से भरा-3
7. मेहंदी, ऋषि कपूर की फिल्म-2
9. सब्जी, भाजी-4
13. कमी-3
14. अकबर के एक हिंदू सलाहकार-4
17. अचरज भरा कार्य-4
18. वायुसेना के एक विमान का नाम-3
20. चाहत, प्रेम-2
22. ऋतुराज, मौज-मस्ती-3
23. रास्ता, डगर-2
24. एक पेड़ जिसकी टहनी से दातुन करते हैं-3

शब्द पहेली -8462 का हल

	ब	र	ग	द		स		
	द		म		कि	फा	य	त
अ	ना	प		कि	रा	या		ह
	म	र	ना		ये		रा	जी
प्र		स	म	झ	दा	र		ब
त्या	ग		क		र	स	ना	
रो		ज	मा	त		म	म	ता
प	न	प	ना		चो		ची	
		ना		अ	र	मा	न	

Jagrutidaur.com, Bangalore

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुम्बई। भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। बाजार में ये उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के बाद भी खरीददारी हावी रहने से आया है। वीकली एक्पायरी से भी बाजार ऊपर आया। आज मिड कैप और स्मालकैप शेयरों में भी बढ़त रही। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स करीब 370.64 अंक बढ़कर 81,644.39 अंक के स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी तकरीबन 103.70 अंक की तेजी के साथ ही 24,980.65 अंक पर बंद हुआ। आज एनएसई पर 3,077 शेयरों में कारोबार हुआ। इसमें से 2,031 शेयर बढ़त के साथ ही बंद हुए जबकि 951 शेयरों में गिरावट रही। इसके अलावा 95 शेयरों के दाम में कोई बदलाव नहीं आया। आज टाटा मोटर्स, अदानी पोर्ट्स, रिलायंस, हीरो मोटोकॉर्प और बजाज ऑटो के शेयरों में तेजी रही जबकि डॉ. रेड्डीज लैब्स, बजाज फिनसर्व, हिंडाल्को, सिप्ला, महिन्द्रा एंड महिन्द्रा के शेयर गिरे। गत दिवस भी बाजार तेजी के साथ बंद हुआ था। इस प्रकार लगातार दो दिन बाजार में उछाल आया है। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुले। बाजार में यह तेजी मुख्य रूप से रिलायंस इंडस्ट्रीज

के शेयरों में आई उछाल के कारण देखी गई, जो जियो द्वारा टैरिफ दरें बढ़ाए जाने के बाद आया। इससे निवेशकों का भरोसा बढ़ा और बाजार को सपोर्ट मिला। सेंसेक्स 100 से अधिक अंकों की तेजी के साथ 81,319 पर खुला। सुबह शुरुआत में यह 197.96 अंक चढ़कर 81,471.71 पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी 50 भी 24,891 के स्तर पर खुला और 39.30 अंक की बढ़त के साथ 24,914 पर कारोबार कर रहा था। वहीं हफ्ते के पहले कारोबारी दिन शेयर बाजार हरे निशान पर बंद हुआ। एशियाई बाजारों में गिरावट दर्ज की गई, दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.33 फीसदी, हांगकांग का हैंगसेंग 0.04 फीसदी और जापान का निक्केई 225 इंडेक्स 0.08 फीसदी नीचे रहे। अमेरिका के बाजार सोमवार को लगभग स्थिर रहे। एसएंडपी 500 फ्लैट बंद हुआ जबकि डॉव जोंस में 0.07 फीसदी की गिरावट आई।

देश के सर्राफा बाजार में सोना-चांदी के दामों में गिरावट

नई दिल्ली। भारतीय सर्राफा बाजार में मंगलवार को सोना और चांदी दोनों की कीमतों में गिरावट देखने को मिली। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के ताजा आंकड़ों के मुताबिक 999 शुद्धता वाले 24 कैरेट सोने का भाव 99,146 रुपये प्रति 10 ग्राम पहुंच गया है, जो पिछले दिन की तुलना में 477 रुपये सस्ता हुआ है। इसी प्रकार 995

शुद्धता वाला सोना 98,749 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा है, जो 475 रुपये की कमी दर्शाता है। 22 कैरेट यानी 916 शुद्धता वाले सोने की कीमत भी 90,818 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जो पिछले भाव से 437 रुपये नीचे है। 18 कैरेट (750 शुद्धता) सोने का भाव 74,360 रुपये और 14 कैरेट (585 शुद्धता) सोने का भाव 58,000 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। चांदी की कीमतों में भी गिरावट दर्ज हुई है। प्रति किलोग्राम चांदी का भाव 1,13,165 रुपये हो गया है, जो सोमवार के 1,14,050 रुपये के मुकाबले 885 रुपये सस्ता है। ये कीमतें जीएसटी और मेकिंग चार्ज के बिना हैं, जो ज्वेलरी खरीदते समय अलग से लगते हैं। भारत में सोने-चांदी के दामों में उतार-चढ़ाव वैश्विक बाजार और डॉलर की स्थिति के हिसाब से नियमित होता रहता है।

एचपी ने भारत में उत्पादन क्षमता दोगुनी करने का किया ऐलान

नई दिल्ली। भारत के पारंपरिक पीसी बाजार में एचपी ने अपनी मजबूत स्थिति को और मजबूत करते हुए पीएलआई 2.0 योजना के तहत देश में अपनी मैन्युफैक्चरिंग क्षमता को दोगुना करने का बड़ा फैसला लिया है। कंपनी का लक्ष्य अगले 4-5 वर्षों में उत्पादन क्षमता को लगभग 35 फीसदी तक बढ़ाना है। इंटरनेशनल डेटा कॉर्पोरेशन (आईडीसी) की रिपोर्ट के अनुसार, 2025 की पहली तिमाही में भारत का पारंपरिक पीसी मार्केट 8.1 फीसदी की दर से बढ़ा और कुल 33 लाख यूनिट शिप किए गए। इस दौरान HP ने

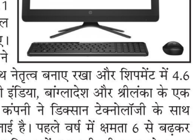

29.1प्रतिशत मार्केट शेयर के साथ नेतृत्व बनाए रखा और शिपमेंट में 4.6 फीसदी की वृद्धि दर्ज की। एचपी इंडिया, बांग्लादेश और श्रीलंका के एक प्रमुख अधिकारी ने बताया कि कंपनी ने डिक्सान टेक्नोलॉजी के साथ साझेदारी कर उत्पादन में तेजी लाई है। पहले वर्ष में क्षमता 6 से बढ़कर 13 फीसदी हो गई है, जिसे भविष्य में 35 फीसदी तक ले जाया जाएगा। एचपी का खास फोकस एमएसएमई और टियर-2, टियर-3 शहरों पर है, जहां कंपनी ने एचपी कनेक्ट स्टोर्स लॉन्च किए हैं। ये स्टोर कस्टमाइज्ड तकनीकी समाधान और प्रोडक्ट डेमो प्रदान करते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि एचपी की उत्पादन क्षमता और कनेक्टिविटी विस्तार के कारण नोएडा, द्वारका, नजफगढ़ और बहादुरगढ़ जैसे क्षेत्रों में रियल एस्टेट की मांग बढ़ेगी। इसके परिणामस्वरूप आवासीय संपत्तियों की कीमतें 25-40 फीसदी और वाणिज्यिक स्थानों की कीमतें 20-30 फीसदी तक बढ़ने की संभावना है। एचपी प्रिंटिंग, हेडसेट और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग जैसे उपकरणों के साथ डिजिटल समाधान भी प्रदान कर रही है।

साडरा में जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के सामने अव्यवस्थित पार्किंग से हादसे का खतरा

लांजी (पद्मेश न्यूज)। क्षेत्र के ग्राम साडरा में जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक की शाखा के सामने अव्यवस्थित पार्किंग की समस्या गंभीर होती जा रही है। बैंक के सामने वाहनों को बेतरतीब ढंग से खड़ा किया जा रहा है, जो कभी भी बड़े हादसे का कारण बन सकता है। साडरा चौक पर स्थित इस बैंक में किसान अपने खातों से लेन-देन के लिए आते हैं, लेकिन अपने वाहनों को अनियंत्रित तरीके से पार्क करते हैं। इससे सड़क पर वाहनों की भीड़ और किसानों का जमावड़ा रहता है, जो यातायात में बाधा उत्पन्न करता है। इस मार्ग से रोजाना बड़े वाहनों का आवागमन होता है, जिससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। अतीत में इस स्थान पर एक दर्दनाक बस दुर्घटना सहित कई छोटी-बड़ी घटनाएं हो चुकी हैं। यदि बैंक के सामने व्यवस्थित पार्किंग की व्यवस्था हो, तो इन हादसों को रोका जा सकता है।

बैंक प्रबंधन की चेतावनी, फिर भी नहीं मान रहे किसान

बैंक प्रबंधक मोरेश्वर फुण्डे ने बताया कि

बैंक कर्मचारी और गार्ड बार-बार किसानों को वाहनों को व्यवस्थित पार्क करने और सड़क पर पार्किंग न करने की सलाह देते हैं। इसके बावजूद लोग नहीं मानते। बैंक ने इसके लिए बोर्ड भी लगाया है और जिवनारा मार्ग पर वाहन खड़े करने को कहा गया है, लेकिन स्थिति में सुधार नहीं हो रहा। प्रबंधक ने चेतावनी दी कि यदि यह समस्या जारी रही, तो कड़े कदम उठाए जा सकते हैं। साडरा बैंक के सामने पार्किंग व्यवस्था को दुरुस्त करने की तत्काल आवश्यकता है। प्रशासन और बैंक प्रबंधन को मिलकर इस दिशा में ठोस कदम उठाने चाहिए, ताकि भविष्य में किसी बड़े हादसे को रोका जा सके।

ग्राम पंचायत खजरी में तीन दिनों से बंद हेंडपम्प, ग्रामीणों को हो रही भारी परेशानी

लांजी (पद्मेश न्यूज)। ग्राम पंचायत खजरी में बालचंद क्षीरसागर के घर के सामने स्थित हेंडपम्प पिछले तीन दिनों से खराब पड़ा है, जिसके कारण गांव के लोगों को पानी की गंभीर समस्या का सामना करना पड़ रहा है। यह हेंडपम्प पूरे गांव के लिए पानी का प्रमुख स्रोत है, और इसके बंद होने से ग्रामीणों का दैनिक जीवन प्रभावित हो रहा है। ग्राम के निवासी हरिश्चंद्र सहारे ने बताया कि इस हेंडपम्प का उपयोग गांव के अधिकांश लोग पीने के पानी और अन्य दैनिक जरूरतों के लिए करते हैं। हेंडपम्प के खराब होने से ग्रामीणों को दूर-दराज के अन्य स्रोतों से पानी लाना पड़ रहा है, जिससे खासकर महिलाओं और बच्चों को भारी असुविधा हो रही है। हरिश्चंद्र ने आगे बताया कि इस समस्या की जानकारी ग्राम पंचायत के सरपंच को दी जा चुकी है। इसके अलावा, ग्रामीणों ने इस मुद्दे को लेकर हेल्पलाइन नंबर 181 पर भी शिकायत दर्ज की है, लेकिन अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि हेंडपम्प की मरम्मत में देरी के कारण उनकी परेशानियां दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही हैं। ग्रामवासियों ने प्रशास से मांग की है कि हेंडपम्प की मरम्मत का कार्य तत्काल किया जाए, ताकि गांव में पानी की आपूर्ति फिर से बहाल हो सके। उन्होंने यह भी कहा कि इस तरह की समस्याओं का त्वरित समाधान जरूरी है, क्योंकि पानी जैसी मूलभूत आवश्यकता के बिना जीवन यापन करना बेहद कठिन है। स्थानीय प्रशासन और संबंधित विभाग से अपेक्षा की जा रही है कि वह इस मामले को गंभीरता से ले और जल्द से जल्द हेंडपम्प को ठीक करवाए, ताकि

ग्राम पंचायत खजरी के निवासियों को राहत मिल सके। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही कोई कार्रवाई नहीं हुई, तो वे इस मुद्दे को लेकर आगे कदम उठाने पर मजबूर होंगे।

पॉली एकेडमिक कॉलेज बिसोनी बी. एड. का परिक्षा परिणाम रहा शत प्रतिशत

लांजी (पद्मेश न्यूज)। राजा शंकरशाह विश्वविद्यालय छिंदवाड़ा द्वारा 29 जुलाई 2025 को बी.एड. द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर का परिक्षा परिणाम घोषित किया गया है। इसी के अंतर्गत जिले का एकमात्र

प्रशिक्षण महाविद्यालय पॉली एकेडमिक इंस्टीट्यूशन बिसोनी लांजी जो कि राष्ट्रिय शिक्षा परिषद से मान्यता प्राप्त संस्था है (जो देश भर में शिक्षक शिक्षा की गुणवत्ता को विनियमित व नियंत्रित करता है) का परीक्षा परिणाम शत् प्रतिशत रहा । परीक्षा परिणाम में बी.एड. द्वितिय सेमेस्टर में रेखा नंदनवार 79.75 प्रतिशत प्रथम, आरती बंसोड 77.75 प्रतिशत द्वितीय, एवं प्रेरणा मेश्राम 76.5 प्रतिशत ने तृतीय स्थान प्राप्त किये। इसी प्रकार बी.एड. चतुर्थ सेमेस्टर में प्रतीक्षा वैद्य 83.71 प्रतिशत प्रथम, ज्योती बंबारे 83.56 प्रतिशत द्वितीय एवं प्रियंका मेश्राम 80 प्रतिशत तृतीय स्थान प्राप्त किये । इस कार्यकम को सफल बनाने में महाविद्यालय के प्राचार्य बी. जे. लिल्हारे एवं प्राध्यापकगण सी. एस. मेश्राम, रामस्वरूप नगपूरे, बी. सी. पटले, उमेन्द्र नागभिड़े, खेमेन्द्र उमरे, अजित बोरकर, गौरव भंडारकर, योगेश नंदनवार, राजेश गजभिये, संतोष बोरकर, संजय मेश्राम, जी.के. सोनवाने, श्रीमति के. के. बड़गैया एवं समस्त महाविद्यालय परिवार का सराहनीय योगदान रहा।

सुनारककोड़ी में हर्षोल्लास के साथ मनाए गए स्वतंत्रता दिवस और कृष्ण जन्माष्टमी

लांजी (पद्मेश न्यूज)। क्षेत्र के ग्राम सुनारककोड़ी के शासकीय हाई स्कूल में 79वाँ स्वतंत्रता दिवस और कृष्ण जन्माष्टमी बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। आजादी का 79वाँ स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त को विद्यालय प्रांगण में ध्वज पूजन, भारत माता, महात्मा गांधी और बाबा साहेब अंबेडकर के चित्रों की पूजा-अर्चना के साथ कार्यक्रम शुरू हुआ। संस्था प्रभारी एम.एल.एड़े ने ध्वजारोहण किया, जिसके बाद सामूहिक राष्ट्रगान और जयघोष के साथ प्रभात फेरी निकाली गई। प्रभात फेरी गांव भ्रमण कर एकीकृत शासकीय माध्यमिक विद्यालय पहुंची, जहां मंचीय कार्यक्रम हुआ। शासकीय हाई स्कूल, ईपीएस माध्यमिक शाला और सरस्वती शिशु मंदिर के छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति गीत और भाषण प्रस्तुत किए, जिन्हें उपस्थित गणमान्य नागरिकों, सरपंच चित्रलेखा बापूरे, सेवानिवृत्त शिक्षक के.के. बड़घैया, सामाजिक कार्यकर्ता संजय वाघाड़े, सुरेश येरपुड़े आदि ने सराहा। अतिथियों और विद्यालय प्रभारियों ने अपने उद्बोधन में स्वतंत्रता के महत्व और शहीदों की कुर्बानी को याद किया। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ शिक्षक एन. गजभिये ने किया।

हर्षोल्लास से मनाया कृष्ण जन्माष्टमी पर्व

16 अगस्त को शासकीय निर्देशानुसार विद्यालय में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी उत्सव हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया। एसएमडीसी अध्यक्ष महेंद्र रंगारी के विशिष्ट आतिथ्य में भगवान श्रीकृष्ण के चित्र की पूजा-अर्चना और दीप प्रज्ज्वलन हुआ। विद्यालय प्रभारी एम.एल.एड़े, शिक्षकों और छात्र-छात्राओं ने पुष्प अर्पित किए। शिक्षकों ने श्रीकृष्ण के जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला। सामूहिक वंदना के बाद प्रसाद और मिष्ठान्न वितरण हुआ। कार्यक्रम में शिक्षक एन. गजभिये, हितेश कटरे, संजय सोनवाने, प्रमोद भिमटे, संगीता घोरमारे, कपिल पटले, सुभाष मेन्ढे और अनेक छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे। दोनों आयोजनों में विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएँ, छात्र-छात्राएँ और ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिससे प्रांगण उत्साह और भक्ति से गूंज उठा।

हत्या की नियत से हमला करने वाले तीनों आरोपियों को लांजी पुलिस ने किया गिरफ्तार

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी थाना अन्तर्गत ग्राम सावरीकला निवासी प्रार्थी दुर्गेश पिता गुलाबजी रावते जाति कुनबी उम्र 25 वर्ष ने पुलिस थाना लांजी पंहुचकर रिपोर्ट लेख कराया कि सावरीकला में गणेश मंदिर के पास आरोपी लोकेश कामड़े, सतीश कामडे, धनीराम कामड़े तीनों आये और मेरे परिवार वालों से क्यों बात करता है कहकर तीनों ने पीडत्ति को गाली गलौच कर लाठी एवं डण्डों से जान से मारने की नियत से हमला कर दिया। जिससे मेरे सर में गंभीर चोट आई है। प्रार्थी के द्वारा उक्त तीनों विरूद्ध रिपोर्ट लेख कराने पर थाना लांजी में अपराध क्रमांक 193/25 धारा 296, 106, 3-5 बीएनएस का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुये पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा के द्वारा जिले में चल रही अवैध गतिविधियों एवं अपराधों रोकथाम हेतु प्रभावी कार्यवाही करने हेतु लगातार आदेशित किया जा रहा है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बैहर आदर्शकांत शुक्ला, राकेश पन्द्रो, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस लांजी ओमप्रकाश भापुसे, के द्वारा तत्काल टीम गठित कर आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु आदेशित किया गया। प्रकरण के आरोपी फरार होने की फिराक में थे जिन्हे मुखबिर की सूचना पर पुलिस की सूझ बूझ सहयोग से तीनों आरोपी गण लोकेश कामड़े उम्र 21 वर्ष, सतीश कामडे 33 वर्ष, धनीराम कामड़े 51 वर्ष तीनो निवासी सावरीकला को हिरासत में लिया गया तथा घटना में प्रयुक्त हथियारों को जप्त किया गया। तीनों ही आरोपियों को न्यायालय में पेश किया जाकर जेल रवाना किया गया। इनकी रही सराहनीय भूमिका- उक्त तीनों आरोपियों की गिरफ्तारी में थाना प्रभारी उपनिरीक्षक संजय सिंह किरार, उनि विधी पाण्डेय, आरक्षक आशुतोष सिंह, दिलीप यादव, चेतन सोनी, सुजीत पाल, रूपसिंह रावत, पवन धाकड़ की भूमिका महत्वपूर्ण रही।

लांजी में माटी गणेश-सिद्ध गणेश प्रशिक्षण का आयोजन

लांजी (पद्मेश न्यूज)। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद और योजना, आर्थिक सांख्यिकी विभाग के तत्वावधान में माटी गणेश-सिद्ध गणेश अभियान के अंतर्गत लांजी में मिट्टी और गोबर से गणेश प्रतिमा बनाने का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। यह प्रशिक्षण गांवों में गठित प्रस्फुरण समिति के सदस्यों, नवांकुर सखी सहायकों और सहायिकाओं के लिए था। प्रशिक्षित ट्रेनर अब ग्रामीणों को स्वयं मिट्टी से गणेश प्रतिमा बनाकर स्थापित करने के लिए प्रेरित करेंगे। हर साल गणेश चतुर्थी पर रसायनयुक्त और प्लास्टर ऑफ पेरिस से बनी हजारों प्रतिमाओं की स्थापना होती है, जो नदियों और तालाबों में विसर्जन के कारण प्रदूषण का कारण बनती हैं। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि समाजसेवी श्री संतोष मोरघडे ने छोटे-छोटे प्रयासों से नदी-तालाबों और पर्यावरण के संरक्षण के उपाय बताए। श्री श्यामलाल पांडे ने अधिक से अधिक पेड़-पौधे लगाने के लिए प्रेरित किया। विकासखंड समन्वयक संतोष नगपुरे ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यक्रम में संदीप रामटेक्कर, रमेश असाटकर, लवकुश यादव, बबलू पारधी, विजय हटिले, अशोक घरते, निलेश्वर ठाकरे, ज्योति शकरपुडे सहित 25 ग्राम विकास प्रस्फुरण समिति के सदस्य और 21 नवांकुर सखी मातृशक्ति उपस्थित रहीं। यह पहल पर्यावरण संरक्षण और ग्रामीण जागरूकता को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

बिना योग्यता के मरीजो का उपचार करने का मामला
सालेवाड़ा के सुसंता विश्वास के क्लीनिक में की गई छापामार कार्यवाही, बिरसा थाना प्रभारी को वैधानिक कार्यवाही के लिए लिखा गया पत्र

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। बिना चिकित्सीय योग्यता के मरीजो का एलोपैथिक चिकित्सा पद्धति से उपचार कर चिकित्सा व्यवसाय करने के मामले में स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा बिरसा तहसील के ग्राम सालेवाड़ा में सुसंता विश्वास के क्लीनिक पर छापामार कार्यवाही कर एलोपैथिक औषधियॉ एवं इंजेक्शन जब्त किये गए है। इस मामले में बिरसा थाना प्रभारी को सुसंता विश्वास के विरूद्ध मप्र आयुर्विज्ञान परिषद अधिनियम के अंतर्गत वैधानिक कार्यवाही करने के लिए पत्र लिखा गया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलप ने बताया कि जिला कुष्ठ अधिकारी डॉ. ऋत्विक पटेल के नेतृत्व में तहसीलदार बालाघाट एवं थाना प्रभारी बिरसा के संयुक्त जांच दल द्वारा सालेवाड़ा में सुसंता विश्वास के क्लीनिक की जांच की गई। जांच में पाया गया कि सुसंता विश्वास विगत लगभग देढ़ वर्ष से नोहरलाल नागेश्वर ग्राम सालेवाडा पोस्ट मानेगांव तहसील बिरसा के घर में एक कमरा किराये पर लेकर निवास कर रहा है। सुसंता बिश्वास द्वारा अपना आधार कार्ड, शैक्षणिक योग्यता एवं चिकित्सकीय योग्यता संबंधी कोई भी अभिलेख जांच दल को प्रस्तुत नहीं किया गया और कहा गया कि समस्त अभिलेख कलकत्ता में उसके घर में है। जांच दल द्वारा समस्त अभिलेख व्हाट्अप पर बुलाने का अनुरोध किया गया किन्तु उसके द्वारा कहा गया कि उनके परिवार वालों के पास स्मार्ट फोन नहीं होने के कारण अभिलेख व्हाट्अप पर नहीं बुला सकते । सुसंता विश्वास द्वारा बताया गया कि वह ग्राम सालेवाडा एवं आसपास के ग्रामों में किसी व्यक्ति के बीमार होने के संबंध में परिजनों द्वारा मोबाईल पर सूचना प्राप्त होने पर उसके घर जाकर आवश्यक इंजेक्शन एवं ड्रीप आदि लगाता है। यह व्यवसाय उसके द्वारा विगत लगभग देढ़ वर्षों से किया जा रहा है। रोगियों के उसके निज निवास में आने पर वह घर में भी उनका उपचार करता है। सुसंता विश्वास के निज निवास के कक्ष में रखे दो बेग में काफी संख्या में एलोपैथिक इंजेक्शन एवं दवाईयां पाई गई, जिसे जांच दल द्वारा अपनी अभिरक्षा में लिया गया। सुसंता विश्वास द्वारा बताया गया कि उक्त एलोपैथिक औषधियां रोगियों के उपचार के लिये उसके द्वारा मानेगांव के अलग-अलग मेडिकल स्टोर्स से खरीदी गई है। सुसंता विश्वास के निज निवास से जप्त की गई औषधियों में इंInj. DECSONA, Inj. DICLOFENEC, Inj. AVIL, Inj. DICLOMIN, Inj. AMILECCIN, Inj. AMICACIN, Inj. DOLOFORCE, Inj. ALDERWIN, Inj. DELOFENIC, Inj. OPTINEURAN, Inj ZYTDUS, Inj. BYO-12 आदि भी सम्मिलित है। इस प्रकार सुसंता विश्वास द्वारा राज्य शासन से मान्यता प्राप्त योग्यता प्राप्त किये बिना मरीजो का एलोपैथिक चिकित्सा पद्धति से उपचार कर अवैध रूप से चिकित्सा व्यवसाय कर मप्र आयुर्विज्ञान परिषद अधिनियम का उल्लंघन किये जाने के कारण उसके विरूद्ध वैधानिक कार्यवाही के लिए थाना प्रभारी बिरसा को पत्र लिखा गया है।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

कटनी में 23 अगस्त को माइनिंग कॉन्क्लेव

मप्र कैबिनेट में किए गए कई महत्वपूर्ण निर्णय

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को कैबिनेट की बैठक हुई। बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। मोहन सरकार ने केंद्र सरकार के नियमों के आधार पर प्रदेश के सिविल सेवा के अधिकारियों कर्मचारियों के लिए अवकाश के नियम लागू किए हैं। कैबिनेट के फैसलों की जानकारी देते हुए नगरीय विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि कटनी माइंस के लिए पहचाना जाता है। वहां 23 अगस्त को माइनिंग कॉनक्लेव का आयोजन होगा। स्ट्रेटजिक और मिनरल पर इसमें फोकस होगा। इसके पहले प्रदेश के अलग-अलग जिलों में अलग अलग सेक्टर में कॉनक्लेव हो चुकी है।

विजयवर्गीय ने कहा कि बीजेपी के संकल्प पत्र में कहा गया था कि हर संभाग में आयुष चिकित्सालय और वेलनेस सेंटर बनाया जाएगा। इसी तारतम्य में पांच शहरों सागर, शहडोल, नर्मदापुरम और बालाघाट में आयुर्वेद महाविद्यालय और वेलनेस सेंटर बनाने के लिए आज कैबिनेट ने मंजूरी दी है। 350 करोड़ की अनुमानित स्वीकृति इसके लिए दी गई है। यहां आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति को बढ़ावा देने का काम किया जाएगा। एक महाविद्यालय की निर्माण लागत 70 करोड़ होगी। इन सेंटर्स में रुककर लोग आयुर्वेद और प्राकृतिक चिकित्सा का लाभ ले सकेंगे। भोपाल के जीएमसी में इंडो क्राइनोलॉजी रिसर्च सेंटर बनेगा। कैबिनेट ने इसे मंजूरी दी है। इसके बाद अब यहां इंडो क्राइनोलॉजी के एक्सपर्ट आएंगे। वर्तमान में एमबीबीएस की 250 सीट अभी उपलब्ध है। भारत सरकार की योजना के अंतर्गत अभी इसमें 134 सीटों के लिए मंजूरी दी गई है। इसके लिए 20 पद मंजूर हुए हैं। सहायक प्राध्यापक, सीनियर रेसिडेंट, जूनियर रेसिडेंट, सीनियर नर्सिंग आफिसर, प्राध्यापक, नर्सिंग आफिसर के पद मंजूर हुए हैं। इसकी एक करोड़ की लागत आएगी। थायराइड, शुगर जैसे रोगों के लिए ये जरूरी है और रिसर्च के बाद इसके जरिए सही इलाज देने में आसानी होगी।

आदिवासी बच्चों को अब 12 महीने शिष्यवृत्ति

मंत्री विजयवर्गीय ने कहा कि एससी-एसटी वर्ग के विद्यार्थियों को शिष्यवृत्ति मिलती है। अभी तक आदिवासी बच्चों को एक साल में शिष्यवृत्ति दस महीनों के लिए दी जाती थी। अब 12 महीने की शिष्यवृत्ति दी जाएगी। इसे कैबिनेट ने मंजूर कर दिया है। इस योजना में आदिवासी बच्चों को 1650 और आदिवासी बेटियों को 1700 स्कॉलरशिप दी जाती है।

सरोगेट मदर समेत कर्मचारियों को अन्य शासकीय अवकाश

केंद्र सरकार के नियमों के अंतर्गत अवकाश के नियमों में बदलाव को मंजूरी दी घई है। महिला शासकीय सेवकों को कमीशनिंग की पात्रता है। इसके लिए वे अपनी गोद का उपयोग न कर दूसरे की गोद का उपयोग कर बच्चे के लालन पालन की जिम्मेदारी निभा सकेंगी। सरोगेट मदर व्यवस्था से यह जुड़ा है। अवकाश विभागों में 15 दिन का पितृत्व अवकाश तथा संतान पालन अवकाश की पात्रता सिंगल पैरेंट्स को दी जाएगी। यह नए प्रावधान केंद्र सरकार के नियमों के आधार पर लागू करने को मंजूरी दी गई है कै

निकायों में बनाए जाएंगे गीता भवन, कैबिनेट ने दी स्वीकृति

गीता भवन बनाने के लिए मंजूरी दी गई है। सरकार चाहती है कि ये भवन प्रवचन का नहीं संस्कृति का भी केंद्र बनें। यहां लाइब्रेरी हो, कैफेटेरिया हो, धार्मिक केंद्र बने। कलेक्टरों को निर्देश दिए जा रहे हैं कि नगर निगम या नपा के पास जमीन नहीं हो तो राजस्व की जमीन एक रुपए मूल्य पर दी जाए। पांच साल के लिए यह योजना है। पांच साल में गीता भवन बन जाने चाहिए। अभी भवन बनाने के लिए राशि तय नहीं की गई है। इसका निर्माण पीपीपी मोड पर या निकाय की खुद की आय के आधार पर भी बनाया जा सकता है।

कैबिनेट बैठक में इन मुद्दों पर भी चर्चा

पीएम नरेंद्र मोदी ने एक लाख करोड़ की योजना युवाओं के लिए प्रारंभ की है। इसमें पढ़ाई करके फुरसत होने वाले युवाओं को 15 हजार रुपए केंद्र सरकार प्रोत्साहन के रूप में देगी। 3.50 करोड़ युवाओं का फायदा होगा। युवा फैक्ट्री में काम करने के साथ केंद्र सरकार की प्रोत्साहन राशि पा सकेंगे। जीएसटी के सेकेंड वर्जन लाने के भी फायदे होंगे और कीमतों में कमी आएगी।

स्वतंत्रता दिवस पर किए गए नवाचार

मंत्री विजयवर्गीय ने कहा कि इस साल स्वतंत्रता दिवस पर नवाचार करने का फैसला किया गया। इसके लिए सीएम के निर्देश पर तय हुआ था कि हर जिले में एक एलईडी स्क्रीन लगाई जाए जिसमें मुख्यमंत्री का भाषण आधे घंटे सुना जाए। इसके बाद इसमें जिले की प्रगति की जानकारी प्रभारी मंत्री द्वारा दी गई। विजयवर्गीय ने कहा कि इस बार नवाचार करने के लिए यह प्रयोग किया गया। यह निर्णय मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव, डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा, राजेंद्र शुक्ला, नगरीय विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह की मौजूदगी में हुई बैठक में लिया गया था।

एमपी के निर्यात बढने् पर चर्चा

मंत्री विजयवर्गीय ने कहा कि कैबिनेट में इस पर भी चर्चा हुई कि फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट आर्गेनाइजेशन की ताजा रिपोर्ट के अनुसार एमपी में निर्यात 6 प्रतिशत बढ़ा है। 66218 करोड़ का निर्यात एमपी ने इस साल किया है जो अब तक सबसे ज्यादा है। स्पेशल इकोनामिक जोन और सूचना प्रौद्योगिकी में 4 हजार करोड़ से अधिक का योगदान है।

अपार आईडी एक राष्ट्र-एक छात्र आईडी के रूप में करेगी काम

भोपाल। केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय ने प्रदेश में स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों के अपार (ऑटोमेटेड परमानेंट एकेडमिक अकाउंड रजिस्ट्री) आईडी तैयार करने के निर्देश दिये हैं। इसका उद्देश्य 'वन नेशन-वन स्टूडेंट' के रूप में पहचान देना है। इस कार्यक्रम में प्रत्येक विद्यार्थी को एक लाइफ टाइम आईडी मिलेगी। इसके आधार पर विद्यार्थी को पूर्व प्राथमिक शिक्षा से उच्च शिक्षा तक शैक्षणिक प्रगति को ट्रैक करना आसान होगा। स्कूल शिक्षा विभाग ने अब तक करीब 99 लाख 41 हजार बच्चों की अपार आईडी तैयार कर ली हैं।

अपार आईडी तैयार करने के लिये विभाग ने जिला शिक्षा अधिकारियों को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। इसी के साथ प्रत्येक विद्यालय पर एक शिक्षक को प्रभारी नोडल अधिकारी बनाया गया है। प्रदेश में 'अपार' आईडी बनाने की सहमति अभिभावकों से प्राप्त करने के लिये मीटिंग भी आयोजित की जा चुकी है। प्रदेश में 50 लाख अपार आईडी बनना शेष हैं। इसके लिये जिला शिक्षा अधिकारियों को निश्चित समय-सीमा दी गई है। वर्तमान में मध्यप्रदेश में करीब 65 प्रतिशत अपार आईडी बन चुकी हैं, जो राष्ट्रीय औसत 56 प्रतिशत से अधिक है।

अपार आईडी के उपयोग

'अपार' आईडी शैक्षणिक क्रेडिट बैंक की तरह काम करेगी। इसमें एक डिजिटल स्टोर हाउस होगा, जिसमें विद्यार्थियों द्वारा उनके शैक्षणिक करियर से संबंधित जानकारी होगी। 'अपार' आईडी साझा करने से नये स्कूल में बच्चे के सारे दस्तावेज पहुंच जायेंगे। यदि विद्यार्थी एक राज्य से दूसरे राज्य में जाता है, तो उससे संबंधित सारा विवरण दूसरे राज्य में भी स्थानांतरित हो जायेगा। इसके लिये उसे ट्रांसफर सर्टिफिकेट की आवश्यकता नहीं होगी। 'अपार' आईडी छात्रों के कॅरियर को सशक्त बनायेगी। इस आईडी से ड्रॉपआउट करने वाले बच्चों पर नजर रखी जा सकेगी और उन्हें मुख्य धारा में पुन: लाया जा सकेगा। आईडी डिजिलॉकर इकोसिस्टम तक पहुंचने का प्रवेश द्वार होगा, जो छात्रों को सभी उपलब्धियों जैसे परीक्षा परिणाम, समग्र रिपोर्ट कार्ड, स्वास्थ्य कार्ड, सीखने के परिणामों के अलावा छात्रों के अन्य कौशल प्रशिक्षण जानने में भी सहायक होगा। विद्यार्थी भविष्य में अपनी उच्च शिक्षा या रोजगार के उद्देश्य के लिये क्रेडिट स्कोर का उपयोग कर सकते हैं। अपार आईडी का उपयोग नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा, प्रवेश छात्रवृत्ति विवरण, सरकारी लाभ का हस्तांतरण, पुरस्कार जारी करने में भी मान्य किया गया है।

बेलगांव में शोभायात्रा निकालकर नहर में किया गया प्रतिमा का विसर्जन

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से लगभग 4 किमी. दूर ग्राम पंचायत बेलगांव में भगवान श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व भक्तिभाव के साथ मनाई गई। इस अवसर पर शनिवार की देरशाम भक्तजनों ने भगवान श्रीकृष्ण की प्रतिमा की स्थापना कर पूजा अर्चना की एवं रविवार को शाम 5 बजे शोभायात्रा निकालकर ग्राम के समीप से गुजरी वैनगंगा बड़ी नहर में प्रतिमा का विसर्जन किया गया। इस अवसर पर शाम 5 बजे ग्राम स्थित मंडई चौक में ग्रामीणजन अपने-अपने घरों की प्रतिमा को लेकर एकत्रित हुए जहां से बैडबाजे की धुन पर शोभायात्रा निकाली गई जो ग्राम स्थित नहर पहुंची जहां भगवान श्रीकृष्ण की पूजा अर्चना के पश्चात आरती कर प्रतिमा को विसर्जित किया गया। इस अवसर पर सरपंच अरविंद पंचेश्वर, सावनलाल गाड़ेश्वर, मोहनदास माने, बिस्तेराम बाहेश्वर, यदुराम पंचेश्वर, पन्नालाल पंचेश्वर, सावनलाल सिंघई, खोमन लांझेवार, पप्पू सिंघई, तिलक सिंघई, रामेश्वर बाहेश्वर, गणेश पंचेश्वर, लकेश बाहेश्वर, कुंजीलाल, अशोक सिंघई, बीरेलाल, नंदकुमार सिंघई, रामलाल, महेश अंबेकर, चिंतामन, मेहतर नेवारे, दिनेश, गिरधारी घोटीवार, दीनदयाल भारद्वाज, जीवन बारेकर, पेढारी महोबे, देवदास बारेकर, गोकुल बाहेश्वर, बेनीराम माने, खेमन माने, मोतीलाल माने सहित अन्य श्रध्दालुजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

लापता अर्चना तिवारी मामले में ग्वालियर के भंवरपुरा थाने का आरक्षक हिरासत में

अर्चना के बरामद होने की खबरें वायरल - पुलिस के हाथ लगे अहम सुराग-रेल एसपी भोपाल

भोपाल/ग्वालियर। मध्यप्रदेश में बहुचर्चित अर्चना तिवारी मामले में पुलिस को अहम सुराग हाथ लगे है। जानकारी के अनुसार जीआरपी पुलिस ने ग्वालियर के भंवरपुरा थाने में पदस्थ आरक्षक राम सिंह तोमर को हिरासत में लिया है। जानकारी के अनुसार इंदौर से कटनी जाते समय करीब 15 दिन पहले भोपाल से लापता हुई अर्चना तिवारी के मामले में ग्वालियर के भंवरपुरा थाने में पदस्थ आरक्षक राम सिंह तोमर का नाम सामने आया है। बताया जा रहा है, कि अर्चना के ट्रेन से लापता होने से पहले से ही आरक्षक उसके लगातार संपर्क में था। यही नहीं आरक्षक राम तोमर ने ही अर्चना का इंदौर से ग्वालियर का ट्रेन टिकट भी कराया था। पुलिस के हाथ लगे इस अहम सुराग से मामले ने चौकानें वाला मोड़ ले लिया है। जांच में सामने आया है कि बीते 6 महीनों से अर्चना और राम तोमर के बीच लगातार लंबी फोन कॉल्स हो रही थीं। इन्हीं कॉल डिटेल्स के आधार पर जीआरपी पुलिस ने उसे पूछताछ के लिए पकड़ा है। राम तोमर को हिरासत में लेकर पुलिस उससे पूछताछ कर रही है, फिलहाल अर्चना कहां है, पुलिस ये बताने से बच रही है। सूत्रो के मुताबिक ग्वालियर पुलिस हिरासत से लिये गये आरक्षक राम तोमर से से झाँसी रोड थाने में देर रात से ही लगातार पूछताछ कर रही है। सूत्र बताते है की अर्चना तिवारी केस में संदिग्ध आरक्षक राम सिंह तोमर ने बयान देते हुए कहा है, कि वह अर्चना से कभी आमने-सामने नहीं मिला। तोमर का दावा है, कि उसने सिर्फ अपने दोस्त विक्रम राजावत के जरिए अर्चना से मोबाइल पर बातचीत की थी, और उसका इस मामले से कोई लेना-देना नहीं है। राम तोमर ने खुद को बेकसूर बताते हुए कहा कि उसने सिर्फ अर्चना का टिकट कराया था, लेकिन उसे यह नहीं पता कि वह कहां है।मैं अर्चना से कभी नहीं मिला। मेरी उससे केवल मोबाइल पर बात हुई है। मुझे फंसाया जा रहा है, मैं बेगुनाह हूँ। मामले में लाल कृष्णचांदनी, एएसपी, ग्वालियर का कहना है कि जीआरपी पुलिस लगातार जांच कर रही है। संदिग्ध आरक्षक से पूछताछ जारी है। बहुत जल्द पूरे मामले का खुलासा किया जाएगा। वहीं अर्चना तिवारी के परिवार के एक नजदीकी व्यक्ति का दावा है कि उसकी अर्चना से बात हुई है, और वह सकुशल है। और वह उसे लेने ग्वालियर जा रहे है। वहीं सोशल मीडिया पर अर्चना के बरामद होने की खबरो की फिलहाल पुलिस अधिकारियो ने पृष्टि नहीं की है। अर्चना तिवारी को लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर में चल रही खबरों को लेकर भोपााल रेल एसपी राहुल लोढ़ा का कहना है की अब तक अर्चना तिवारी के मिलने की खबरें सिर्फ अफवाह हैं। पुलिस इस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। हालांकि कुछ महत्वपूर्ण सुराग पुलिस के हाथ जरूर लगे हैं, और जल्द ही अर्चना को बरामद करने में सफलता मिलेगी। फिलहाल अर्चना तिवारी का सुराग मिलने की खबरों को रेलवे पुलिस ने नकार दिया है। लेकिन एसपी का दावा है कि बहुत जल्द इस केस की गुत्थी सुलझ जाएगी और अर्चना को सुरक्षित बरामद कर लिया जाएगा

आपातकालीन सेवाओं के लिए अब डायल-100 नहीं, डायल-112 पर काल करें

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा मध्यप्रदेश पुलिस की नवीन आपातकालीन सेवा डायल-112 का शुभारंभ 14 अगस्त 2025 को किया गया है। जन-सुरक्षा की दिशा में ऐतिहासिक बदलाव लाते हुए, मध्यप्रदेश में डायल-100 की गौरवशाली विरासत को आगे बढ़ाते हुए डायल-112 को एकीकृत, स्मार्ट और बहु-एजेंसी आपातकालीन प्रतिक्रिया सेवा के रूप में स्थापित किया गया है। बढ़ती आवश्यकताओं और बहु-एजेंसी समन्वय को देखते हुए, डायल-112 सेवा शुरू की गई है। अब पुलिस (100), स्वास्थ्य/एम्बुलेंस (108), अग्निशमन (101), महिला हेल्पलाइन (1090), साइबर क्राइम (1930), रेल मदद (139), हाईवे एक्सिडेंट रिस्पॉन्स (1099), प्राकृतिक आपदा (1079) और महिला एवं चाइल्ड हेल्पलाइन (181, 1098) जैसी सभी सेवाएं एक ही नंबर 112 से उपलब्ध होंगी। यह मध्यप्रदेश पुलिस के लिए बड़ी उपलब्धि है। डायल 112 सेवा देश के विकास के साथ कदम से कदम मिलाएगी। डायल 112 सेवा नागरिकों को कई प्रकार की आपातकालीन परिस्थितियों में हर संभव सहायता उपलब्ध कराएगी। राज्य सरकार ने इन वाहनों के लिए बजट बढ़ाकर 1500 करोड़ रूपए से अधिक किया है। डायल 112 वाहनों की संख्या में 200 वाहन बढ़वाए गये हैं।जिले की जनता अब आपात स्थिति में पुलिस की सहायता के लिए डायल-112 पर काल कर मदद मांग सकती है। अब उसे डायल-100 पर काल नहीं करना है, बल्कि डायल-112 पर काल करना है। डायल-112 पर काल करते ही आधुनिक सुविधाओं से लैस वाहन पुलिस के जवानों के साथ घटना स्थल पर पहुंच जायेगा।

पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी की मनाई जायेगी जयंती आज

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय के बालाघाट रोड़ स्थित विश्राम गृह में ब्लाक कांग्रेस कमेटी लालबर्रा के द्वारा 20 अगस्त को दोपहर 12 बजे देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्व. श्री राजीव गांधी की जयंती मनाई जायेगी। चर्चा में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष भाऊराम गाड़ेश्वर ने बताया कि लालबर्रा विश्राम गृह में 20 अगस्त को दोपहर 12 बजे ब्लाक कांग्रेस कमेटी के द्वारा देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी की जयंती मनाई जायेगी एवं संगठन की गतिविधियों पर चर्चा की जायेगी। इस अवसर पर कांग्रेस पार्टी के समस्त विंग के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील ब्लाक कांग्रेस कमेटी लालबर्रा अध्यक्ष भाऊराम गाड़ेश्वर ने की है।

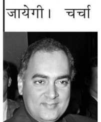

कांग्रेस में घमासान पर पटवारी का ऐलान...एक भी अध्यक्ष में नहीं होगा कोई बदलाव

भोपाल। मप्र कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा है कि एक भी शहर अथवा जिला अध्यक्ष नहीं बदला जाएगा। किसी के नाम पर कोई पुनर्विचार नहीं किया जा रहा है। अब हमारा फोकस वार्ड कमेटी और पंचायत कमेटी के गठन पर है। इसका कार्यक्रम 25 अगस्त को घोषित किया जाएगा।

पटवारी ने कहा कि नवनियुक्त शहर और जिला कांग्रेस अध्यक्ष का विरोध होने के संबंध में जो खबरें सामने आ रही हैं वह एक सामान्य प्रतिक्रिया के रूप में है। प्रदेश में कहीं कोई विरोध जैसी स्थिति नहीं है। अभी जो कुछ हो रहा है मैं उसे बहुत सकारात्मक रूप से देखता हूं। अभी कुछ महीने पहले पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी कांग्रेस छोडक़र भाजपा में गए थे। उस समय उनके साथ में हमारे पांच जिला-शहर कांग्रेस अध्यक्ष भी गए थे। इस घटना को मात्र 7 महीने हुए हैं और नए अध्यक्षों की नियुक्ति के संबंध में हुई प्रक्रिया से कांग्रेसजनों में जोश जागा है। आज बड़ी संख्या में कांग्रेस के नेता अध्यक्ष बनने के लिए उत्साहित हैं।

किसी के नाम पर पुनर्विचार नहीं

उन्होंने कहा कि यह जानकारी गलत है कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा मध्यप्रदेश के 16 कांग्रेस अध्यक्षों के नाम पर पुनर्विचार किया जा रहा है और उस बारे में रिपोर्ट मांगी गई है। उन्होंने जोर देकर कहा कि एक भी अध्यक्ष बदला नहीं जाएगा। किसी के नाम पर कोई पुनर्विचार नहीं हो रहा है। जो अध्यक्ष बनाए गए हैं वह सभी पर्यवेक्षक की रिपोर्ट के आधार पर बनाए गए हैं। कुछ अध्यक्ष हमारे नेता राहुल गांधी ने सीधे स्वयं बनाए हैं। ऐसे अध्यक्षों को उन्होंने ही फोन लगाया और उन्होंने ही नियुक्त किया है। एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि संगठन सृजन अभियान के तहत हुई इन नियुक्ति में उनका कोई रोल नहीं है। ऐसे कहीं भी किसी भी स्तर पर कोई राय नहीं ली गई है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस छोडक़र गए केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को उनके क्षेत्र में घेरने के लिए कांग्रेस की कमान जयवर्धनसिंह को सौंपी गई है तो प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को घेरने के लिए उज्जैन की कमान महेश परमार को दी गई है। कांग्रेस हाईकमान द्वारा हर स्तर पर जांच करने के बाद यह नियुक्तियां की गई हैं। उन्होंने बताया कि 25 अगस्त को दिल्ली में सभी नवनियुक्त अध्यक्षों की बैठक बुलाई गई है। इस बैठक में आगे के कार्यक्रम निर्धारित किए जाएंगे। अब कांग्रेस का जोर शहर में वार्ड कमेटी और गांव में पंचायत कमेटी के गठन पर है। दिल्ली की बैठक में इन कमेटी के गठन का शेड्यूल भी घोषित कर दिया जाएगा।

नवनियुक्त अध्यक्ष के विरोध में डाली पोस्ट डिलीट करें

कांग्रेस के संगठन सृजन अभियान के तहत नियुक्त किए गए शहर और जिला अध्यक्षों के विरोध में कांग्रेस नेताओं द्वारा की जा रही बयानबाजी से प्रदेश कांग्रेस असहज हो गई है। कल एक चेतावनी जारी कर सभी नेताओं से कहा गया कि 24 घंटे के अंदर सोशल मीडिया पर नई नियुक्ति के विरोध में डाली गई पोस्ट को डिलीट करें। प्रदेश कांग्रेस के साथ संगठन महामंत्री संजय काम्बले द्वारा कल यह चेतावनी पत्र जारी किया गया। यह पहला मौका है, जब कांग्रेस द्वारा इस तरह से चेतावनी पत्र जारी किया गया है। उक्त चेतावनी पत्र जारी होते ही सोशल मीडिया पर कांग्रेस के नेता भडक़ गए। इन नेताओं ने इस चेतावनी पर खूब खरी-खोटी सुनाई।

प्रदेश के स्कूलों में ही बनेंगे विद्यार्थियों के आधार कार्ड

भोपाल। प्रदेश में स्कूल के बच्चों के आधार कार्ड तैयार करने के लिये स्कूल में ही विशेष अभियान 18 अगस्त 2025 से प्रारंभ किया गया है। इसके लिये स्कूल शिक्षा विभाग के राज्य शिक्षा केन्द्र ने भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) के साथ समन्वय किया है। सरकारी स्कूलों में छात्रों की सुविधा के लिए आधार नामांकन और अपडेट शिविर लगाये जायेंगे। इस अभियान का नाम होगा %विद्यार्थी के लिए आधार, अब विद्यालय के द्वार'।यह पहल मुख्य रूप से बच्चों के अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट (एमबीयू) पर केंद्रित है। इसमें उनके आधार में उंगलियों के निशान, आईरिस स्कैन और एक तस्वीर अपडेट करना शामिल है। पहला अपडेट तब आवश्यक है जब बच्चा 5 वर्ष का हो जाए। पहला एमबीयू 5 से 7 वर्ष की आयु के बीच पूरा होने पर नि:शुल्क रखा गया है। विद्यार्थी के उम्र 7 वर्ष की आयु से अधिक होने के बाद शुल्क लागू होगा। दूसरा एमबीयू तब आवश्यक है जब विद्यार्थी 15 वर्ष का हो जाएगा। तीसरा एमबीयू 15 से 17 वर्ष की आयु के बीच पूरा होने पर नि:शुल्क है, लेकिन 17 वर्ष की आयु के बाद शुल्क लागू होगा।

उल्लेखनीय है कि, अपडेटेड बायोमेट्रिक्स वाला आधार कार्ड, स्कूल प्रवेश, प्रवेश परीक्षा, छात्रवृत्ति और डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) योजनाओं जैसी सेवाओं के लिए महत्वपूर्ण है। इसीलिए सरकार समयबद्ध तरीके से विद्यार्थियों की 100 प्रतिशत आपार आईडी बनाने का भी लक्ष्य रख रही है। आपार आईडी विद्यार्थियों को उनके सभी शैक्षणिक क्रेडिट, जैसे स्कोर कार्ड, मार्कशीट, ग्रेड शीट, डिग्री, डिप्लोमा, सर्टिफिकेट और सह-पाठ्यचर्या संबंधी उपलब्धियों को डिजिटल रूप से संग्रहीत, प्रबंधित और एक्सेस करने में मदद करती है। यह आईडी शिक्षा जगत में छात्र के लिए एक स्थायी डिजिटल पहचान के रूप में कार्य करती है। आपार आईडी के लिए एक महत्वपूर्ण बात यह है कि स्कूलों द्वारा आपार आईडी बनाने के लिए उपयोग किए जाने वाले छ्व्रस्श्व+ पोर्टल में दर्ज छात्र का नाम, आधार कार्ड में दर्ज नाम से मेल खाना चाहिए। इस संबंध में संचालक राज्य शिक्षा केन्द्र श्री हरजिंदर सिंह ने बताया कि, 卐विद्यार्थी के लिए आधार, अब विद्यालय के द्वार अभियान के तहत सरकारी स्कूलों में आधार शिविर, न केवल छात्रों को अपना अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट करवाने में सुविधा प्रदान करेंगे, बल्कि यदि आवश्यक हो तो आधार में नाम सुधार आपार आईडी बनाने के लिए और मोबाइल नंबर अपडेट के लिए भी उन्हें सुविधा प्रदान करेंगे।

संचालक राज्य शिक्षा केन्द्र ने बताया कि, 18 अगस्त से अभियान का पहला चरण, मध्यप्रदेश के 40 जिलों में एक साथ शुरू किया गया है और यह अभियान एक से दो महीने तक चलेगा। आधार शिविरों की प्रभावशीलता को अधिकतम करने के लिए (यूआईडीएआई) ने जिलों में उन पिन कोडों की पहचान की है जहाँ सबसे ज़्यादा एमबीयू लंबित हैं। स्कूल शिक्षा विभाग ने मुख्य रूप से इन पिन कोडों के अंतर्गत आने वाले सरकारी स्कूलों को शिविरों के लिए चुना है। शेष 15 जिलों में दूसरा चरण सितंबर 2025 के पहले सप्ताह में शुरू होगा। स्थानीय जिला प्रशासन को अपने-अपने जिलों में आधार शिविर योजना का व्यापक प्रचार करने के लिए कहा गया है। अभिभावकों में प्रचार-प्रसार होने से 卐विद्यार्थी के लिए आधार, अब विद्यालय के द्वार卐 अभियान को सफलता मिलेगी और अधिक से अधिक छात्र लाभान्वित हो सकेंगे।

सूर्यकुमार की कप्तानी में एशिया कप के लिए भारतीय टीम घोषित

रिंकू, सैमसन और हार्दिक टीम में शामिल, यशस्वी व श्रेयस को नहीं मिली जगह

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयन समिति ने मंगलवार को एशिया कप 2025 के लिए 15 सदस्यीय भारतीय टीम घोषित कर दी। अजीत अगरकर की अध्यक्षता वाली समिति ने इस टूर्नामेंट के लिए सूर्यकुमार यादव को कप्तान बनाये रखा हैं। वहीं शुभमन गिल की उपकप्तान के तौर पर वापसी हुई है जबकि श्रेयस अय्यर और यशस्वी जायसवाल को टीम में जगह नहीं मिली है। टीम में फिनिशर के तौर पर रिंकू सिंह को अवसर मिला है। वहीं विकेटकीपर के तौर पर संजू सैमसन को टीम में जगह मिली है।

यूएई के हालातों को देखते हुए स्पिनर खासे सफल रहते हैं। ऐसे स्पिन ऑलराउंडर अक्षर पटेल के अलावा कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती को टीम में शामिल किया है। तेज गेंदबाजी की कमान जसप्रीत बुमराह के पास रहेगी जबकि अर्शदीप सिंह और हर्षित राणा उनका साथ देंगे। 15 सदस्यीय टीम में तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या को भी शामिल किया गया है। सैमसन के बैकअप विकेटकीपर के तौर पर जितेश शर्मा को टीम में जगह दी गयी है। एशिया कप यूएई में 9 से 28 सितंबर तक टी20 फॉर्मेट में खेला जाएगा। जिसमें कुल 8 टीमें भारत, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, बांग्लादेश, श्रीलंका, संयुक्त अरब अमीरात, हांगकांग और ओमान शामिल होगी। इसमें भारतीय टीम का पहला मुकाबला 10 सितंबर को यूएई से होगा। जिसके बाद 14 सितंबर को भारतीय टीम परंपरागत प्रतिद्वंदी टीम पाकिस्तान से खेलेगी जबकि 19 सितंबर को ओमान से मुकाबला होगा।

एशिया कप के लिए भारत का स्क्वॉड
शुभमन गिल (उपकप्तान) | अभिषेक शर्मा | तिलक वर्मा | हार्दिक पंड्या | शिवम दुबे | अक्षर पटेल | जितेश शर्मा (विकेटकीपर)
सूर्य कुमार यादव (कप्तान) | जसप्रित बुमराह | अर्शदीप सिंह | वरुण चक्रवर्ती | कुलदीप यादव | संजू सैमसन (विकेटकीपर) | हर्षित राणा | रिंकू सिंह

हरमनप्रीत की कप्तानी में एकदिवसीय विश्वकप में उतरेगी भारतीय महिला क्रिकेट टीम

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने एकदिवसीय विश्वकप और ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए महिला क्रिकेट टीम की घोषणा कर दी है।नीतू डेविड की अगुवाई वाली चयन समिति ने महिला विश्व कप के लिए टीम चयन किया। टीम की कप्तानी हरमनप्रीत कौर टीम को दी गयी है जबकि स्मृति मंधाना उपकप्तानी संभालेंगी। टीम में फिटनेस हासिल कर चुकी रेणुका सिंहकी वापसी हुई है जबकि शेफाली वर्मा को मौका नहीं मिला है। पिछले कुछ समय से लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही श्री चरणी को टीम में जगह मिली है। विश्वकप कप 30 सितंबर से भारत और श्रीलंका में खेला जाएगा। फाइनल मुकाबला दो नवंबर को खेला जाएगा। इसके मुकाबले भारत और श्रीलंका के पांच शहरों में होंगे जिसमें बंगलूरू का एम चिन्नास्वामी, गुवाहाटी का एसीए स्टेडियम, इंदौर का होल्कर स्टेडियम, विशाखापत्तनम का एसीए-वीडीसीए स्टेडियम और कोलंबो का आर प्रेमादासा स्टेडियम शामिल है।

विश्वकप के लिए टीम

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), प्रतिका रावल, हरलीन देयोल, दीप्ति शर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, रेणुका सिंह ठाकुर, अरुंधति रेड्डी, ऋचा घोष (विकेटकीपर), क्रांति गौड़, अमनजोत कौर, राधा यादव, श्री चरणी, यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर) और स्नेह राणा।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए टीम

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), प्रतिका रावल, हरलीन देयोल, दीप्ति शर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, रेणुका सिंह ठाकुर, अरुंधति रेड्डी, ऋचा घोष (विकेटकीपर), क्रांति गौड़, सयाली सतघरे, राधा यादव, श्री चरणी, यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), स्नेह राणा।

एशिया कप के लिए वैभव को शामिल करें - श्रीकांत

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान के श्रीकांत ने वैभव सूर्यवंशी की प्रशंसा करते हुए कहा है कि चयन समिति उसे एशिया कप ही नहीं आगामी टी20 विश्व के लिए भी शामिल करे। श्रीकांत ने कहा कि अगर वह चयनकर्ता होते तो वैभव का चयन जरुर करते। श्रीकांत ने कहा है कि वैभव को सीनियर टीम में चुनने का यही सही समय है। उन्होंने कहा, अगर आपको निडर होकर खेलना है तो उसे अवसर दीजिये। इस तरह की बातें न करें कि उसे पहले परिपक्क होने दीजिए। वह पहले से ही बहुत ही परिपक्कता के साथ खेल रहा है। वह जिस तरह के शॉट खेलता है, वो अलग ही तरह का स्तर है। अगर मैं चेयरमैन होता तो मैं निश्चित तौर पर उसे अपने दल में रखता।

वहीं श्रीकांत को विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन के एशिया कप के लिए चयन पर संदेह है। उन्होंने कहा, 'मेरे हिसाब से सलामी बल्लेबाज के लिए मेरी पहली पसंद अभिषेक शर्मा हैं। मुझे दो और सलामी बल्लेबाज चाहिए होंगे। मेरा मानना है कि उसके लिए वैभव सूर्यवंशी या साई सुदर्शन होंगे और शुभमन गिल को एक विकल्प के तौर पर रखा जाएगा। अगर मैं चयनकर्ता होता तो मैं वैभव को टी20 विश्व कप के लिए उसे 15 में रखता।' वैभव ने जिस प्रकार से आईपीएल में 35 गेंदों में ही शतक लगया है उससे उनकी क्षमता का अंदाज होता है।

इसके अलावा वैभव ने अंडर19 टीम की तरफ से खेलते हुए अच्छा प्रदर्शन करते हुए इंग्लैंड के खिलाफ 5 एकदिवसीय मैचों में 355 रन बनाए। चौथे एकदिवसीय में उन्होंने 143 रन बनाये।

वहीं श्रीकांत ने कहा है कि शुभमन का नाम भी एशिया कप के लिए आने से उन्हें हैरान हुई है। श्रीकांत ने कहा है कि शुभमन ने अंतिम बार जुलाई 2024 में श्रीलंका के खिलाफ टी20 मैच खेला था, जिसके बाद से ही चयनकर्ताओं ने उन्हें केवल एकदिवसीय और टेस्ट मैचों के लिए ही शामिल किया है।

श्रीकांत ने कह कि शुभमन टी20 विश्व कप 2024 टीम का भी हिस्सा नहीं थे।

रबाडा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज से बाहर हुए

केर्न्स। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा चोटिल होने के कारण ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज से बाहर हो गये हैं। रबाडा जैसे गेंदबाज का बाहर होना अफ्रीकी टीम के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है। रबाडा के दाहिने टखने में सूजन है और स्कैन जांच में उनकी चोट गंभीर होना पाया गया है। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने कहा, अब रबाडा ऑस्ट्रेलिया में ही रहेंगे और दक्षिण अफ्रीकी मेडिकल स्टाफ की देखरेख में चोट से उबरकर फिटनेस हासिल करने के प्रयास करेंगे।

रबाडा के बाहर होने के बाद उनकी जगह बाएं हाथ के युवा तेज गेंदबाज क्वेल मफाका को टीम में शामिल किय गया है। मफाका ने हाल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हुई तीन टी20 मैचों की सीरीज में अच्छा प्रदर्शन किया था। इस युवा गेंदबाज ने 9 विकेट लिए थे। इसी प्रदर्शन के आधार पर उन्हें रबाडा के विकल्प के रूप में टीम में शामिल किया गया है। वह पहले एकदिवसीय में शामिल नहीं रहेंगे। मफाका ने अब तक 2 एकदिवसीय मैचों में 5 विकेट लिए हैं। वहीं रबाडा के बाहर होन से मेहमान अफ्रीकी टीम को नुकसान होगा क्योंकि रबाडा एक मैच विजेता गेंदबाज हैं। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में भी अपनी टीम की जीत में उनकी अहम भूमिका थी। 106 एकदिवसीय में इस गेंदबाज ने अबतक 168 विकेट लिए हैं।

दक्षिण अफ्रीकी टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज में 1-2 से हार का सामना करना पड़ा था, ऐसे में अब उसका लक्ष्य इस सीरीज को जीतकर लय हासिल करना रहेगा।

डिविलियर्स से नाम जोड़े जाने से युवा डेवाल्ड ब्रेविस पर पड़ रहा अपेक्षाओं का बोझ - मैक्सवेल

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हाल में समाप्त हुई सीरीज में युवा बल्लेबाज डेवाल्ड ब्रेविस के प्रदर्शन की जमकर प्रशंसा की है। मैक्सवेल ने कहा कि टी20 सीरीज में ब्रेविस ने एक शतक और अर्धशतक लगाया। साथ ही कहा कि इस उभरते हुए बल्लेबाज ने काफी कम समय में अपने प्रदर्शन से सभी का ध्यान खींचा है। मैक्सवेल ने हालांकि कहा कि जिस प्रकार उसे बेबी डिविलियर्स नाम दिया गया है उससे उसे नुकसान उठाना पड़ रहा है क्योंकि इससे उसपर अनावश्यक दबाव पड़ रहा है। डिविलियर्स का टैग जड़ने से उससे अपेक्षाओं का भार उठाना पड़ा है। डेवाल्ड ब्रेविस की अंडर-19 के दिनों से ही बल्लेबाजी शैली के लिए स्टार खिलाड़ी एबी डिविलियर्स से तुलना हुई है। वह भी डिविलियर्स की तरह ही मैदान के चारों तरफ शॉट लगाने में कुशल हैं। मैक्सवेल का मानना है कि डिविलियर्स का नाम वाला टैग उनके लिए बोझ के सामान है, क्योंकि वह बहुत जल्दी ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सभी की नजरों में आ गया है। तीसरे मैच में मैच विजेता पारी खेलने वाले मैक्सवेल ने कहा, यह एक बहुत भारी बोझ है जो उसे अपने करियर की शुरुआत में ही उठाना पड़ा था। उसे शायद दक्षिण अफ्रीकी टीम में जल्दी शामिल किया गया। वह गया, अपने खेल पर काम किया और फिर शानदार वापसी की। उसका बल्ला वाकई कमाल का है। जब वह लय में आ जाता है तो उसे रोकना कठिन होता है। ब्रेविस ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टी20 मैच में 56 गेंदों में ही तेजी से 125 रन बनाए। इस पारी में उन्होंने 12 चौके और आठ छक्के लगाए। उन्होंने 223 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए। उनकी इस पारी की बदौलत अफ्रीका ने सात विकेट खोकर 218 रन बनाए। अफ्रीका ने दूसरा मैच 53 रनों से जीता। यह दक्षिण अफ्रीका बल्लेबाज द्वारा बनाया गया अब तक का सबसे तेज टी20 शतक भी था। वहीं अंतिम टी20 में इस युवा ने 26 गेंद में 53 रन बनाए थे।

मनु को एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप में कांस्य मिला

अस्थाना । भारत की ओलंपिक पदक विजेता निशानेबाज मनु भाकर ने कजाकिस्तान के श्यामकेंट में आयोजित एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप 2025 में कांस्य पदक जीता है। मनु ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में ये कांस्य पदक हासिल किया। मनु ने फाइनल मुकाबले में 219.7 अंक हासिल किये जिससे वह तीसरें स्थान पर रहीं। वहीं चीन की कियान्के मा ने 243.2 अंक के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि कोरिया की जिन यांग को 241.6 अंक के साथ रजत पदक मिला। भारत की अन्य खिलाड़ियों में इस प्रतियोगिता में केवल रैंकिंग अंकों के लिए भाग ले रही ईशा सिंह 577 अंकों के साथ नौवें, सुरुचि सिंह 574 अंकों के साथ 12वें, पलक 573 अंकों के साथ 17वें और सुरभि राव 570 अंकों के साथ 25वें स्थान पर रहीं। भारतीय निशानेगाजी टीम ने भी यहां एक कांस्य पदक जीता है, इसमें भी मनु शामिल रही। टीम स्पर्धा में भाकर, सुरुचि सिंह और पलक गुलिया की ने 1730 अंक हासिल किए, वहीं कोरिया टीम 1731 अंक लेकर दूसरे जबकि 1740 अंक लेकर चीन की टीम पहले स्थान पर रही।

सूर्यकुमार और गंभीर के कारण ही मेरी वापसी हुई थी - वरुण चक्रवर्ती

नई दिल्ली। रहस्यमयी स्पिनर के नाम से लोकप्रिय हुए स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने टीम में अपनी वापसी का श्रेय भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव और मुख्य कोच गौतम गंभीर को दिया है। वरुण को 2021टी20 विश्व कप के बाद ही भारतीय टीम से बाहर कर दिया गया था। उन्हें दो साल के बाद साल 2024 में बांग्लादेश के खिलाफ टी20 सीरीज से वापसी का अवसर मिला। वरुण ने में कहा, सूर्यकुमार और गंभीर के कारण ही मुझे टीम में जगह मिली क्योंकि वे मुझे चाहते थे। सूर्यकुमार ने बांग्लादेश सीरीज से पहले मुझसे कहा था, मेरी तुमपर नजर है। देखते हैं बाकी चीजें कैसी रहेंगी लेकिन मैं तुम्हें टीम में जरूर शामिल करना चाहता हूं। इसी तरह कोच गंभीर ने भी मेरी वापसी में सहायता की। वह मुझे काफी प्रेरित करते रहे हैं।

वरुण ने साथ ही कोच गंभीर के भारतीय टीम पर पड़े प्रभाव को लेकर कहा, वे ड्रेसिंग रूम में एक वॉरियर माइंडसेट लेकर आए, जो बहुत जरूरी है। यह माइंडसेट केकेआर और चैंपियंस ट्रॉफी में हमारे लिए कारगर साबित हुआ। हाल ही में इंग्लैंड और भारत टेस्ट सीरीज में भी हमें यह देखने को मिला। वह ड्रेसिंग रूम में ऊर्जा लेकर आते हैं, जो बहुत जरूरी है। मुझे हमेशा लगता है कि उनके आसपास कोई बनावटीपन नहीं है। आप अपना सबकुछ झोंक दें और फिर इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप जीतें या हारें।

स्पिनर ने इसके अलावा कहा कि सूर्यकुमार का कप्तानी का तरीका स्टाइल रोहित शर्मा से मिलता है। वरुण ने कहा, सूर्या, रोहित से काफी मिलते-जुलते हैं। मैंने यही देखा है। वह रणनीति के मामले में बहुत शानदार हैं और शायद मुंबई इंडियंस में बेहतरीन कप्तानों के साथ रहने से उन्हें अच्छा अनुभव मिला है। वह बहुत अच्छे इंसान हैं और गेंदबाजों पर कभी दबाव नहीं डालते।

बुची बाबू टूर्नामेंट में पृथ्वी ने अर्धशतक लगाया

चेन्नई। पिछले काफी समय से खराब फार्म से परेशान बल्लेबाज पृथ्वी शॉ ने यहां बुची बाबू टूर्नामेंट के दूसरे दिन शानदार बल्लेबाजी करते हुए अर्धशतक लगाया। पृथ्वी इस टूर्नामेंट में महाराष्ट्र की ओर से खेल रहे हैं। हाल ही में वह मुम्बई से महाराष्ट्र टीम चले गये थे। उन्होंने इस मैच में छत्तीसगढ़ के गेंदबाजों को कोई अवसर नहीं दिया और 47 गेंद पर 9 चौकों की सहायता से अर्धशतक लगाया। पृथ्वी ने पारी की दूसरी गेंद पर ही चौका लगाकर अपने इरादे जाहिर कर दिये। इसके बाद उन्होंने दूसरे ओवर की दूसरी और तीसरी गेंद पर चौका लगाया। वहीं चौथे ओवर की चौथी और पांचवीं गेंद पर उन्होंने चौका मारा। शॉ ने आक्रामक बल्लेबाजी आगे भी जारी रखी। इस बल्लेबाज ने पहले विकेट के लिए सचिन धास के साथ 19.2 ओवर में 71 रन की बनाये। वहीं छत्तीसगढ़ ने इससे पहले अपनी पहली पारी में 89.3 ओवर में 252 रन बनाए। उसकी ओर से संजत देसाई ने 93 और अविनाश सिंह धलिवाल ने 52 रन बनाए। शुभम अग्रवाल ने 41 रन बनाए। वहीं महाराष्ट्र की ओर से विक्की ओस्टवाल और हितेश वालुंज ने 3-3 विकेट लिए।

ब्रेट ली ने जडेजा की जमकर प्रशंसा की, सबसे फिट क्रिकेटर बताया

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर ब्रेट ली ने भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा की जमकर प्रशंसा की है। ऑस्ट्रेलिाई ऑलराउंडर ने जडेजा को विश्व के सबसे फिट खिलाड़ियों में से एक बताया है। ली ने जडेजा के बारे में कहा, 卐उन्होंने भारत की ओर से पहले ही 85 टेस्ट मैच खेले हैं, और मुझे भरोसा है कि वह 100 के आंकड़े को पार करेंगे। मेरा मानना है जो कोई भी अपने देश के लिए 100 टेस्ट खेलता है, वह मेरी राय में महान खिलाड़ी है। जडेजा भी अपनी अच्छी बल्लेबाजी, गेंदआजी और फिल्डिंग के कारण एक पूर्ण सुपरस्टार हैं। इसलिए मुझे लगता है कि वह 100 के आंकड़े को पार कर जाएंगे।

ब्रेट ली ने आगे कहा, उनके पास एक बेहतरीन क्रिकेटर के लिए जरुरी सभी चीजें हैं। उनकी तकनीक सरल है। वह दौड़ते हैं और सटीक गेंदबाजी करते हैं. जब जरूरत होती है, वह सही लाइन और लंबाई में गेंदबाजी करते हैं। वह जल्दी से अपने ओवर पूरे करते हैं। वह 36 साल की उम्र में भी सबसे फिट हैं। इस क्रिकेटर ने इंग्लैंड के खिलाफ हाल ही में हुई एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में भले ही अच्छी गेंदबाजी न की हो पर उन्होंनें जबरदस्त बल्लेबाजी से टीम की सहायता की। इस क्रिकेटर ने पांच मैचों की सीरीज में 516 रन बनाए, जिसमें पांच अर्धशतक और एक शतक शामिल है। वह भारतीय टीम के सबसे अच्छे खिलाड़ियों में से एक हैं। उन्होंने अपने करियर में भारतीय टीम के लिए कई शानदार पारियां खेली हैं।

अल्काराज ने सिनर को हराकर पहली बार सिनसिनाटी ओपन जीता

ओहियो। विश्व के दूसरे नंबर के खिलाड़ी स्पेन के टेनिस स्टार कार्लोस अल्काराज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सिनसिनाटी ओपन टेनिस टूर्नामेंट जीता है। अल्काराज ने फाइनल में विश्व के नंबर एक खिलाड़ी इटली के जानिक सिनर को हराकर ये खिताब पहली बार अपने नाम किया है। विबलंडन फाइनल के बाद से ही सिनर और अल्काराज के बीच होने वाले मुकाबले का लोगों को इंतजार था। प्रशंसकों को दोनो के बीच रोमांचक मुकाबले की उम्मीद थी पर ऐसा नहीं हुआ।

अल्काराज और सिनर के बीच मैच तय समय पर शुरु हुआ था। शुरुआत से ही सिनर गर्मी से परेशान हो गये। पहले सेट में 0-5 से पिछड़ने के बाद उन्होंने डॉक्टर को बुलाया और गर्मी से निपटने के लिए बर्फ की सहायता भी ली, लेकिन मैच को जारी नहीं रख सके। 23 मिनट के बाद वह रिटायर होने पर मजबूर हो गए। इसके बाद अल्काराज को विजेता घोषित किया गया। यह उनका पहला सिनसिनाटी ओपन खिताब था और साल का कुल छठा खिताब था।

सिनर की परेशानी का पता तब चला जब सर्विस में वह एक भी अंक नहीं जीत पाए जबकि सर्विस सिनर का मजबूत पक्ष माना जाता है। लगातार पांचवां गेम हारने के बाद सिनर ने डॉक्टर को बुलाया और जल्द ही अल्काराज से हाथ मिलाकर मैच समाप्ति की घोषणा कर दी। वहीं सिनर अगर फाइनल जीत जाते तो वह रोजर फेडरर के बाद लगातार खिता जीतने वाले पहले खिलाड़ी होते। मैच के बाद सिनर ने प्रशंसकों से कहा, मैं आपको निराश करने के लिए माफी मांगता हूं। मैं एक दिन पहले से ही अच्छा महसूस नहीं कर रहा था। मुझे लगा था कि मैं मुकाबले तक ठीक हो जाउंगा पर हुआ नहीं। मैंने खेल में संघर्ष का भी प्रयास किया पर सफल नहीं रहा। इसी लिए मुझे हटना पड़ा।

शायद ही कभी भारतीय टीम का कोच बनना चाहेंगे धोनी - आकाश चोपड़ा

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा का मानना है कि भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी शायद ही कभी कोच बने। चोपड़ा के अनुसार उन्हें नहीं लगता कि धोनी को कोचिंग में रुचि है। आकाश ने कहा, मुझे नहीं लगता कि धोनी अभी कोचिंग देना चाहेंगे क्योंकि कोचिंग एक फुल टाइम नौकरी है जिसमें आप फिर से वैसे ही व्यस्त हो जाते हैं जैसे आप अपने क्रिकेट करियर में थे। कई बार तो जिम्मेदारियां और भी बढ़ जाती हैं। वहीं आकाश ने यह भी बताया है कि अधिकतर खिलाड़ी कोचिंग से क्यों दूरी बना लेते हैं। उन्होंने कहा कि एक पेशेवर क्रिकेटर अपना पूरा जीवन सफर में, होटल में और मैदान पर ही बिता देता है। ऐसे में संन्यास के बाद वे थोड़ा स्थिर जीवन जीना चाहते हैं। खिलाड़ी सोचते हैं कि जब पूरी जिंदगी सूटकेस के साथ बिताई है तो अब क्यों दोबारा उसी जिंदगी में लौटें। इसी कारण अधिकतर खिलाड़ी केवल जैसी सीमित अवधि की लीग में ही कोचिंग करना पसंद करते हैं जहां काम कुछ महीनों का होता है। जबकि भारतीय टीम का कोच बनने पर पूरे साल भर लगभग 10 महीने टीम के साथ यात्रा करनी होती है, जिससें पूरा समय निकल जाता है।

ऐसे में अब धोनी फिर से कोचिंग जैसे व्यस्त कार्यक्रम को अपनाना नहीं चाहेंगे। वे अभी चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के साथ हैं और आने वाले समय में आईपीएल से भी संन्यास ले सकते हैं। धोनी अब एक अलग जीवन जी रहे हैं जिसमें खेती, बिजनेस और परिवार के साथ समय बिताना शामिल है। ऐसे में भारतीय टीम के कोच की जिम्मेदारी उठाना शायद उनकी प्राथमिकताओं नहीं होगा। धोनी हालांकि 2021 के टी20 विश्वकप में क्रिकेट बोर्ड के अनुरोध पर भारतीय टीम के मेंटॉर बने थे।

जर्जर स्कूल भवन में बैठकर पढ़ाई कर रहा देश का भविष्य

परिजनों ने जताई आपत्ति अव्यवस्थाओ में, सुधार की मांग की : ज.प. बिरसा के प्राथमिक शाला सारस डोल का मामला

परसवाड़ा(पद्मेश न्यूज)। जनपद शिक्षा केन्द्र बिरसा ग्राम जागपुर के अंतर्गत आने वाले सारसडोल में पिछले तीन-चार वर्षो से प्राथमिक शाला भवन, आंगनवाड़ी भवन और किचन शेड काफी जर्जर हालत में है। जहां कभी भी कोई भी हादसा होने की आशंका बनी हुई है। बताया गया कि प्राथमिक शाला सारस डोल में बच्चे जर्जर स्कूल में पढ़ाई करने को मजबूर है, कमरों की हालत खराब होने से बच्चे स्कूल में जाने से घबराते हैं, लेकिन बच्चों को जान जोखिम में डालकर पढ़ने के अलावा उनके पास कोई दूसरा विकल्प नहीं है।बताया गया कि इस स्कूल में कक्षा पहली से पांचवीं तक के बच्चे पढ़ाई करते है।लेकिन भवन काफी जर्जर हो चुका है जिसमें हादसे की आशंका बनी रहती है। जिस पर आपत्ति जताते हुए बच्चों के परिजनों ने स्कूल में निहित अव्यवस्थाओं में सुधार किए जाने की मांग की है।

30 साल पुराना है स्कूल भवन

बताया गया कि स्कूल भवन विगत तीसों साल पुराना है जों जर्जर स्थिति में है जिसको लेकर कई बार विभाग के अधिकारियों को अवगत कराया गया है, फिर भी कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा हैं, स्कूल की हालत यह है कि कमरों की छत का प्लास्टर टूट- टूट कर गिरता हैं, जिससे कई बार प्लास्टर का टुकड़ा बच्चों के ऊपर भी गिर गया है, जिससे बच्चे चोटिल भी हुएं हैं, फिल्हाल बच्चों को माध्यमिक शाला में शिफ्ट किया गया है,जहां बच्चे एक कमरे में बैठकर पढ़ाई कर रहे हैं, जिससे उनकी पढ़ाई प्रभावित हों रहीं है।

पालक बोले नही बनी व्यवस्था तो बच्चों को नही भेजेंगे स्कूल

उधर बच्चों के पालकों एवं ग्रामीणों का कहना है कि स्कूल और आंगनबाड़ी भवन जर्जर हैं, जर्जर भवन होने से बच्चों को अन्य जगह बैठाकर पढ़ाया जा रहा है,जिससे उनकी पढ़ाई प्रभावित हों रहीं हैं, उन्होंने नया स्कूल भवन बनवाने की मांग की है।जिन्होंने स्पष्ठ कर दिया है कि अगर जल्द ही स्कूल भवन नहीं बनाया गया तो वे लोग अपने बच्चों को स्कूल नहीं भेजेंगे।

कभी भी हादसा हो सकता है- हरीलाल

ग्रामीण हरीलाल चौधरी ने बताया कि सारसडोल में उनकी बेटी कक्षा पांचवी में पढ़ती है। लेकिन स्कूल काफी जर्जर स्थिति में है। बच्चे स्कूल आने में आनाकानी करते हैं। हमारी मांग है कि यहां नया स्कूल भवन स्वीकृत हो। क्योंकि यहां कभी भी कोई भी घटना घट सकती है।

पहली से 5वीं तक के लिए माध्यमिक शाला में मिला है एक कमरा-मागरे

वही प्राथमिक शिक्षक ओमप्रकाश मागरे ने बताया कि प्राथमिक शाला भवन काफी जर्जर है जगह-जगह से प्लास्टर गिर रहा है। कक्षा में पानी आता है यहां कभी भी कोई घटना घट सकती है।इसीलिए हमने माध्यमिक शाला के प्रधान पाठक से बोलकर बच्चों को बैठने की व्यवस्था माध्यमिक शाला के एक कमरे में कराई है। जहां कक्षा पहली से पांचवी तक के 26 बच्चे एक ही कमरे में बैठ रहे हैं।करीब 3 वर्षों से हमारा शाला भवन जर्जर है इसकी सूचना वरिष्ठ अधिकारियों को दी जा चुकी है। वहां से सिर्फ आश्वासन ही मिला है।

बच्चों को भी हो रही परेशानी- संतोष धुर्वे

वही माध्यमिक शाला सारसडोल के प्रभारी प्रधान पाठक संतोष धुर्वे ने बताया कि प्राथमिक शाला के शिक्षक ने उनका स्कूल भवन जर्जर होने की सूचना दी थी। बोल रहे थे कि कभी भी कोई हादसा हो सकता है। हमने इसकी जानकारी पंचायत को दी वहीं वरिष्ठ अधिकारियों को भी अवगत कराया। गांव में किराए का मकान भी देखा पर हमें मकान नहीं मिला। इसीलिए प्राथमिक शाला के बच्चों को हमारी माध्यमिक शाला में शिफ्ट करना पड़ा। वहां एक कमरे में कक्षा पहली से लेकर पांचवी तक के 26 बच्चों की क्लास लगाई जा रही है। इससे हमारे बच्चों को भी परेशानी हो रही है। हमारे स्कूल में कक्षा 5वी और 8वीं के बच्चों को एक ही कमरे में बैठना पड़ रहा है।जिससे उनकी पढ़ाई भी प्रभावित हो रही है।

5 वर्षो से आंगनबाड़ी भवन जर्जर है-गौतम

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती गौतम ने बताया कि आंगनबाड़ी भवन क्षतिग्रस्त हो गया है करीब 5 वर्षों हो गए उसकी मरम्मत नहीं हुई है। बच्चों के बैठने की व्यवस्था नहीं हो पा रही है इसीलिए मजबूरन किराए का एक भवन लेना पड़ा। वहां पर भी हमें सिर्फ एक कमरा मिला है। जहां पालक लोग अपने बच्चे नहीं भेजते, विभाग को हमने अवगत कराया है और पिछले 5 वर्षों से अवगत करा रहे हैं पर अब तक कुछ नहीं हुआ। महिलाओं और बच्चों के टीकाकरण में भी दिक्कत होती है हमारी मांग है कि जल्द से जल्द नया आंगनबाड़ी भवन बनाया जाए।

तो गांव वालों की मंशानुरूप स्कूल बंद करना पड़ेगा- सरपंच

जागपुर सरपंच श्रीमती सरिता टेकाम ने बताया कि प्राथमिक शाला भवन काफी जर्जर हो चुका है वहीं आंगनबाड़ी भवन भी गिरने की कगार पर है। इसीलिए हमने प्राथमिक शाला ,आंगनबाड़ी और किचन शेड का प्रस्ताव भोपाल भेजा है। हमारी शासन से मांग है कि उक्त परेशानी का जल्द से जल्द समाधान किया जाए। उन्होंने बताया कि गांव में कोई भी सरकारी बिल्डिंग नहीं है कि बच्चों को वहां शिफ्ट कर दिया जाए। जनपद पंचायत ,जिला पंचायत ,कलेक्टर यहां तक की भोपाल जाकर पत्र दे चुके हैं हर जगह से हमें सिर्फ आश्वासन ही मिला है.. यदि ऐसा ही चलता रहा तो ग्रामीणों की मंशा के अनुरूप हमें स्कूल बंद करना पड़ेगा।

08 सूत्रीय मांगों को लेकर तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

कटंगी(पद्मेश न्यूज)। भारतीय किसान संघ ने मंगलवार 19 अगसत को कटंगी में पाथरवाड़ा रोड़ स्थित कार्यालय में भगवान बलराम जयंती मनाई. जिसमें किसान संघ अध्यक्ष राजकुमार चौधरी, महामंत्री सुरेश बिसेन, प्रीतम खटवानी सहित अन्य अतिथि रहे. अतिथियों ने भगवान बलराम के जन्म और चरित्र पर प्रकाश डाला और बताया कि पूरा देश भगवान बलराम की जयंती को किसान दिवस के रूप में मना रहा है. दोपहर 03 बजे भारतीय किसान संघ के पदाधिकारियों ने किसानों के साथ तहसील कार्यालय पहुंचकर 08 सूत्रीय मांगों को लेकर तहसीलदार राकेश प्रजापति को ज्ञापन सौंपा. संघ ने कृषि उपज का लागत के आधार पर लाभकारी मूल्य तय किए जाने, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना किसान हितैषी बनाने, नीति परिवर्तन के लिए केंद्रीय स्तर पर केंद्रीय कृषि मंत्री की अध्यक्षता में कमेटी का गठन करने और इसमें संघ के पदाधिकारियों को शमिल करने और कमेटी की रिपोर्ट आगामी खरीफ और रबी के समय लागू करने, सभी फसलों की खरीदी की व्यवस्था सुनिश्चित करने और लागत को जोड़ने की पद्धति में पारदर्शिता की मांग की गई।

भारतीय किसान संघ ने कृषि को मनरेगा से जोड़ने, प्रत्येक विकासखंड, तहसील और मंडी स्तर पर खाद, दवाईओं की जांच कराने के लिए लैब की स्थापना, किसानों की कृषि भूमि में निर्मित कुएं और बोरवेल को राजस्व अभिलेख में दर्ज करवाने, जंगली जानवरों से फसलों की बर्बादी पर क्षतिपूर्ति दिए जाने, किसानों को फेंसिग के लिए अनुदान की राशि दिए जाने, वर्तमान में जो स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे है उनमें तत्काल रोक लगाने की मांग की गई है. इस दौरान नंदकिशोर बोपचे, किरण ठाकरे, महेन्द्र भगत, सेवाराम पटले, तकतमल राहंगडाले, रमेश देशमुख, महेश कुमार पारधी, खुशालचंद बावने, संपत हांके, गिरीश चौधरी, रामकिशोर बोपचे, धनसिंह पटले, शिव प्रसाद पटले, ईश्वरी प्रसाद बिसेन, गजेश बोपचे सहित अन्य किसान मौजूद रहे.

आला हजरत के 107 वें सालाना उर्स का समापन आज

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। पूरी दुनिया को इस्लाम धर्म की मूल विचारधारा सूफीवाद की पहचान कराने वाले, विश्व प्रसिद्ध धर्मगुरू और महान सूफी संत इमाम अहमद रजा खान आला हजरत के तीन दिवसीय 107 वे सालाना उर्स की शुरूआत 18 अगस्त को पूरी अकीदत के साथ पूरे भारत सहित जिले में हो गई। जिसका समापन आज 20 अगस्त को किया जाएगा। समापन में कुल की फातिहा के साथ विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।ज्ञात हो कि अहले सुन्नत के मुख्यालय बरेली शरीफ से तारीख का ऐलान होने के बाद 18 अगस्त को भारत के ग्रैंड मुफ्ती असजद रजा खान कादरी द्वारा परचम कुशाई के साथ उर्स कार्यक्रमो की शुरूआत कर दी गई।इसी कड़ी में बालाघाट मुख्यालय में जामा मस्जिद के अलावा अन्य मस्जिदों और मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्र में 20 अगस्त बुधवार को दोपहर 2.38 बजे कुल की विशेष फातिया के साथ विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उक्ताशय की जानकारी रजा एक्शन कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष हाजी शोएब खान ने देते हुए बताया कि उर्स के अवसर पर कुरान खानी, मिलाद खानी, दरूद की महफिल सहित अन्य कार्यक्रम आयोजित होंगे। बालाघाट जामा मस्जिद में जोहर की नमाज के बाद कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जिसमें जामा मस्जिद के ईमाम मोहम्मद उमर रजवी मिसबाही, आला हजरत की जीवनी पर प्रवचन देंगे। दोपहर 2.38 बजे कुल की फातिया, सलातो-सलाम के बाद आम लंगर का आयोजन जामा मस्जिद में किया गया है।

प्रदेश अध्यक्ष हाजी शोएब खान ने बताया कि आला हजरत इमाम अहमद रजा खान का जन्म 1856 को भारत के बरेली शरीफ में हुआ था। जिनके जन्म के समय भारत की आजादी की लड़ाई लड़ी जा रही थी। अंग्रेज अपने फरेब से कौमों को आपस में लडाकर, कमजोर और भ्रमित करने का काम कर रहे थे। दौलत और शोहरत की खातिर बड़े-बड़े नामचीन, अंग्रेजों के गुलाम बनकर, इस्लाम और कौम के खिलाफ थे।ऐसे वक्त में आला हजरत ने अपने इल्म और शिक्षा से इस्लाम की सच्चाई को लोगों के सामने लाकर धर्म और इंसानियत को बचाया। उन्होंने धर्म और समाज विरोधी दुश्मन और गद्दारो को बेनकाब कर पूरी दुनिया के इस्लाम अनुयायियों पर एहसान किया। इस्लाम की सच्चाई के लिए हुस्सामुलहरमैन, वसाया शरीफ, अल दौलतुल मककीया और "फतावा रज्विया" जैसी लगभग 13 सौ अधिक किताबों के अलावा कुरआन का अनुवाद कंजुल ईमान के रूप में देकर पूरी दुनिया को अल्लाह और उसके रसुल की पहचान कराते हुए इस्लाम के अमन एवं शांति के संदेश को सही रूप में साबित किया। श्री खान बताते है कि आला हजरत ने 17 दिसंबर 1920 को जमात रजा-ए-मुस्तफा नाम से संगठन का गठन किया गया था। जिसके माध्यम से समाज को हर क्षेत्र में आगे बढ़ाना था। आज जरूरत है कि संगठन से जुड़कर हम सामाजिक प्रगति के लिए कार्य करें। इसलिए हम सभी मसलके आला हजरत के मानने वालों को बरेली शरीफ से जुड़कर काम करने की जरूरत हैं।

लामता पुलिस ने स्थाई गिरफ्तारी वारंटी को किया गिरफ्तार

लामता(पद्मेश न्यूज)। माननीय न्यायालय बालाघाट के प्रकरण क्रमांक 485/2021धारा 4(क)एवं 488/2021धारा 13जुआ एक्ट के अंतर्गत फरार आरोपी को थाना निरीक्षक नितिन पटले के निर्देशन पर लामता पुलिस आज दिनांक को 4 वर्ष से फरार आरोपी अतुल उर्फ प्रदीप बिझाडे पिता फत्तू जाति चमार उम्र 23 वर्ष निवासी वार्ड नंबर 16 लामता को मुखबिर की सूचना पर परसवाड़ा से गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय बालाघाट के समक्ष पेश किया गया। आरोपी अतुल उर्फ प्रदीप की गिरफ्तारी कार्यवाहक सहायक उपनिरीक्षक इगल मरकाम, आरक्षक 889 ओमप्रकाश बोपचे, आरक्षक 1107 सतेंद्र बघेल एवं आरक्षक 142 त्रिभुवन ब्रम्हे की अहम भूमिका रही।

20 अगस्त को अति भारी वर्षा तथा 21 से 24 अगस्त की अवधि में भारी वर्षा की संभावना

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। मौसम विभाग नई दिल्ली के क्षेत्रीय कार्यालय भोपाल से कृषि विज्ञान केंद्र बड़गांव को प्राप्त मध्यम श्रेणी मौसम पूर्वानुमान के अनुसार बालाघाट जिले में 20 अगस्त को अति भारी वर्षा तथा 21 से 24 अगस्त की अवधि में भारी वर्षा के साथ आंधी तुफान एवं बिजली गिरने की संभावना बतायी गई है। इस दौरान आसमान में घने बादल छाए रहने की संभावना है।

विस्थापित हुए लालबर्रा क्षेत्र के वन ग्राम के ग्रामीणों ने शासकीय घास भूमि दिए जाने की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। वन ग्राम सोनेवानी अभ्यारण्य क्षेत्र से विस्थापित किए जा रहे आदिवासी परिवार अब नए ठिकाने की तलाश में भटक रहे हैं। ग्राम नवेगांव के लगभग 40 आदिवासी परिवार शासन द्वारा विस्थापन योजना के अंतर्गत अपनी सहमति दे चुके हैं। अब ये परिवार ग्राम पंचायत साल्हे (लालबर्रा) अंतर्गत आने वाले ग्राम खैरगोंदी में बसना चाहते हैं। ग्रामीणों ने कलेक्टर से ज्ञापन देकर मांग की है कि ग्राम खैरगोंदी की शासकीय घास की पड़ी भूमि का मद परिवर्तन कर उसे आबादी घोषित किया जाए। ग्रामीणों का कहना है कि वर्तमान में ग्राम खैरगोंदी में आबादी योग्य भूमि बेहद कम है, जहां 40 परिवारों को बसाना संभव नहीं है। इसलिए शासकीय घास मद भूमि को बदलकर विस्थापित परिवारों को मकान निर्माण हेतु उपलब्ध कराया जाए। ज्ञापन में स्पष्ट किया गया कि ग्राम खैरगोंदी के मूल निवासियों को इस प्रस्ताव पर कोई आपत्ति नहीं है। सभी ग्रामीण चाहते हैं कि विस्थापित नवेगांव परिवारों को वहीं पर बसाया जाए ताकि वे अपने परिवार के लिए एक सुरक्षित ठिकाना बना सकें और समाज की मुख्यधारा से जुड़ सकें। विस्थापित हो रहे आदिवासी परिवारों ने बताया कि वे शासन से मुआवजा राशि प्राप्त कर चुके हैं, लेकिन अब जगह की तलाश में उन्हें दर-दर भटकना पड़ रहा है। रहने के लिए स्थायी ठिकाना न मिलने से परिवारों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने प्रशासन से निवेदन किया है कि खैरगोंदी की घास भूमि को आबादी भूमि घोषित कर जल्द से जल्द 40 विस्थापित परिवारों को भूमि आवंटित की जाए, ताकि वे अपने लिए मकान बनाकर सुरक्षित जीवन जी सकें। उनका कहना है कि यदि शीघ्र निर्णय नहीं लिया गया तो विस्थापित परिवार बेघर रहकर और अधिक परेशानियों में फंस जाएंगे। जनप्रतिनिधि डूलेंद्र ठाकरे,धनसिंह, झंकारसिंह द्वारा बताया गया कि आज उनके क्षेत्र के कुछ लोग विस्थापन की समस्या को लेकर उनके साथ जनसुनवाई में पहुंचे हैं । जिसमें कुछ गांव के लोग अपनी स्वेक्षा अनुसार कुछ स्थानों पर बस रहे हैं। किंतु नवेगांव के ग्रामीण में खैरगोंदी में बसना चाहते हैं , यहां पर उनकी खेती भी लगी हुई है, किंतु वहां आबादी भूमि की कमी है, तो ग्रामीण चाहते हैं कि शासकीय घास भूमि का मद चेंज कर उन्हें मकान आदि बनाने के लिए भूमि दिया जाए । इसी मांग को लेकर वह जिला मुख्यालय पहुंचे हैं ।

राणा हनुमान सिंह मिनरल्स कोयलारी में हुआ ध्वजारोहण

कटंगी(पद्मेश न्यूज)। तिरोड़ी तहसील के कोयलारी में स्थित राणा हनुमान सिंह मिनरल्स में राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस की 79 वीं वर्षगांठ बेहद धूमधाम और उत्साह के साथ देशभक्ति से ओतप्रोत माहौल में मनाई गई. प्रात: 07 बजे विराट सिंह सरस्वार ने श्रमिकों और ग्रामीणों सहित स्कूली विद्यार्थियों की मौजूदगी में ध्वजारोहण किया. तत्पश्चात विद्यालय के छात्र-छात्राओं के साथ सभी ने राष्ट्रगान जण-गण-मन का गायन किया. जिसके बाद ग्रामीणों और श्रमिकों ने देशभक्ति से ओत-प्रोत नारेबाजी की. इस मौके पर विराट सिंह सरस्वार ने कहा कि 15 अगस्त का दिन देश की आजादी और बलिदान की कहानी को याद करने का अवसर है. इस खास मौके पर देशभर में ध्वजारोहण, सांस्कृतिक कार्यक्रम और देशभक्ति से जुड़ी गतिविधियां आयोजित की जाती हैं, जो एकता और गर्व की भावना को मजबूत करती हैं. इस अवसर पर शासकीय, विद्यालय के छात्र-छात्राओं को पाठ्य-सामग्री और मिष्ठान का वितरण किया गया।

कटंगी के गांव की बेटी बनेगी डॉक्टर

कटंगी(पद्मेश न्यूज)। बालाघाट जिले के विकासखंड कटंगी में प्रतिभाओं की कमी नहीं है. यहां की प्रतिभाओं ने समय-समय पर अपनी प्रतिभा का लोहा जिले से लेकर प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर पर मनवाया है. अब ऐसी ही एक प्रतिभा कटंगी के छोटे से महदुली गांव से सामने आई है. मुस्कान डोंगरे नाम की युवती ने ना सिर्फ अपने परिवार बल्कि गांव का नाम रोशन किया है. शिक्षक पिता सरोज डोंगरे और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता माता विमता डोंगरे की पुत्री मुस्कान डोंगरे अब सरकारी कॉलेज से मेडिकल की पढ़ाई पूरी कर डॉक्टर बनेगी. मध्य प्रदेश चिकित्सा शिक्षा विभाग ने 18 अगस्त को एमपी नीट यूजी काउंसलिंग के पहले राउंड का सीट अलॉटमेंट रिजल्ट जारी कर दिया है. मध्य प्रदेश में 4343 वीं रैंक हासिल करने वाली मुस्कान डोंगरे को शहडोल के बिरसा मुंडा कॉलेज में सीट अलॉट हुई है. मुस्कान की इस उपलब्धि पर परिजनों सहित ग्रामीणों में काफी खुशी का माहौल है. दरअसल, महदुली गांव में पहली बार कोई बेटी डॉक्टर बनने जा रही है. मुस्कान के माता-पिता अपनी बेटी की इस उपलब्धि पर गर्व महसूस कर रहे है. मुस्कान ने चर्चा करते हुए बताया कि उनका सपना था कि वह डॉक्टर बने. जिसकी प्रेरणा उनकी बुंआ की बेटी यानी बड़ी बहन डॉ रोशनी नागदेवे से मिली. वह कहती है कि सफलता के लिए कड़ी मेहनत और समर्पण आवश्यक है कई बार नीट की तैयारी करते हुए हताश हो जाया करती थी तो परिवार से हौसला अफजाई की जाती और तैयारी के लिए प्रेरित किया जाता. मुस्कान अपनी इस सफलता का अपने परिजनों और गुरुओं को श्रेय देती है. मुस्कान की मां अपनी बेटी की इस उपलब्धि पर भावुक होते हुए कहती है कि उनकी बेटी डॉक्टर बनकर उनके परिवार का नाम रोशन करेगी।

लामता मे आयोजित दही हांडी फोड़ प्रतियोगिता सम्पन्न

लामता(पद्मेश न्यूज)। ग्राम पंचायत लामता मे जन्माष्टमी पर्व के शुभावसर मे आयोजित हांडी फोड़ प्रतियोगिता हांडी फोड़ कर प्रतियोगियों ने 20100 रूपये कि इनाम कि राशि प्राप्त कर सम्पन्न हुआ, पंचायत मे प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी जन्माष्टमी के पावन पर्व मे हांडी फोड़ प्रतियोगिता आयोजित किया था, इस बार दही हांडी मटकी को हैदरा क्रेन मशीन में लटकाया गया ,प्रथम दिवस लामता क्षेत्र के आसपास के प्रतियोगियों ने भाग लिया था, परन्तु हांडी नहीं फोड़ पाये, दूसरे दिन 4 गोविंदाओं की टोली ने प्रतियोगिता हांडी फोड़ मे भाग लिए परन्तु हांडी फोडने मे सफलता नहीं मिला, लगभग 10 बजे रात्रि मे चांगोटोला क्षेत्र के बटुआ बकवाड़ा के सम्मिलित प्रतियोगियों ने हांडी फोड़ने मे सफलता हासिल किये, हांडी फोडने वाले प्रतियोगियों को लामता सरपंच हुलासमल कोचर, उपसरपंच मानेश्वर, गणमान्य नागरिकों के हाथो से इनाम कि राशि 20100 रुपये प्रदाय किया गया ।

संविदा संयुक्त संघर्ष मोर्चा ने विभिन्न मांगों को लेकर निकाली रैली सौंपा ज्ञापन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। संविदा संयुक्त संघर्ष मंच द्वारा अपनी विभिन्न मांगों को लेकर कलेक्टर को ज्ञापन दिया गया। यहां संविदा संयुक्त मंच के पदाधिकारी ने बताया कि 22 जुलाई 2023 को संविदा नीति का क्रियान्वयन मध्य प्रदेश के समस्त विभाग में किया जाना था । वह सही से नहीं किया गया है । इस कारण आज उन्होंने एक दिवसीय अवकाश लेते हुए अपने विभिन्न मांगों का ज्ञापन मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को दिया है। आपको बता दे की 19 अगस्त को संविदा संयुक्त संघर्ष मंच द्वारा भारतीय मजदूर संघ के बैनर तले एक रैली निकाली गई, जो अपनी विभिन्न मांगों के नारे लगाते हुए कलेक्टर कार्यालय पहुंची, यहां संघ के पदाधिकारी विनोद वट्टी द्वारा बताया गया कि यह रैली कार्यक्रम आज उन्होंने प्रदेश स्तर के आवाहन पर निकाली है। उन्होंने बताया कि जो वर्ष 2023 में संविदा नीति बनाई गई थी, उसे शासन प्रशासन से लागू तो कर दिया गया है। किंतु उसका लाभ उन्हें अभी तक नहीं मिला है, इसमें अलग-अलग विभागों के प्रमुखों ने अपने-अपने हिसाब से इस नीति को काट कर लागू किया है, जिस प्रकार से इस नीति को सभी विभागों में लागू करना था। उस हिसाब से यह नीति लागू नहीं की गई, संविदा कर्मचारी इस नीति का लाभ संविदा कर्मचारियों को नहीं दिया गया है, 50प्रतिशत संविदा कर्मचारियों को इस नीति के तहत लाभ दिया जाना था, किंतु इसका भी फायदा उन्हें नहीं मिला, इसी मांगों को लेकर आज उन्होंने एक दिन का अवकाश लेकर प्रदेश स्तर के आवाहन पर रैली निकाल कर ज्ञापन सोपा है।

एटीकेटी आने पर नाराज हुए एमएससी चतुर्थ वर्ष के विघार्थियों ने किया धरना प्रदर्शन

एनएसयूआई के बैनर तले, मचाया जमकर हंगामा, कालेज के चैनल गेट बंद कर, प्रबधंन के खिलाफ की जमकर नारेबाजी, रिजल्ट में सुधार ना होने पर, चक्कजाम कर पुतला दहन की दी चेतावनी

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। नगर के पीएम श्री कालेज के साथ साथ छिंदवाड़ा विश्वविद्यालय के परीक्षा विभाग की कार्यप्रणाली सुधारने का नाम नहीं ले रही है।जिसके चलते जहां एक ओर कॉलेज के विद्यार्थियों का छिंदवाड़ा विश्वविद्यालय और पिजी कालेज से मोह भंग हो रहा है, तो वहीं दूसरी ओर विद्यार्थी लगातार यूनिवर्सिटी बदलने की मांग कर रहे हैं। जहां सबसे ज्यादा विद्यार्थी रिजल्ट आने पर परेशान नजर आते हैं।जिसके चलते विघार्थी लगातार यूनिवर्सिटी बदलने की मांग कर रहे हैं। लेकिन उनकी यहां मांग पूरी नहीं हो पा रही है। हाल ही में दो दिन पूर्व छिंदवाड़ा यूनिवर्सिटी द्वारा एमएससी बोटैनिकल चतुर्थ सेम का रिजल्ट जारी किया गया। जारी किए गए इस रिजल्ट में पीजी कॉलेज में अध्ययन करने वाले करीब 150 बच्चों में से 90 बच्चो को बोटैनिकल सीसी के अंक ही नहीं दिए गए।जिसके चलते सभी 90 बच्चों को एटीकेटी आ गई।विद्यार्थियों का आरोप है कि उन्होंने परीक्षा दी थी लेकिन रिजल्ट में उन्हें एब्सेंट दिखाया गया है जबकि परीक्षा से संबंधित ईमेल उन्होंने संबंधित टीचर को कर दिया था।बावजूद इसके भी उन्हें एब्सेंट दिखाना कहीं ना कहीं बड़ी लापरवाही है।इस मामले को लेकर विद्यार्थियों ने कालेज प्रबंधन से चर्चा कर रिजल्ट में सुधार किए जाने की मांग की। लेकिन 2 दिन बीत जाने पर भी रिजल्ट में सुधार न होने और तरह-तरह नियम लगाए जाने से विद्यार्थी नाराज हो गए और उन्होंने कॉलेज परिसर में जमकर हंगामा मचाया, तो वहीं उन्होंने एनएसयूआई के बैनर तले कॉलेज का चैनल गेट बंद कर कॉलेज प्रबंधन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। तो वहीं उन्होंने इस धरना प्रदर्शन के माध्यम से कॉलेज प्रबंधन को रिजल्ट में सुधार किए जाने की मांग के साथ-साथ यूनिवर्सिटी बदलने की भी गुहार लगाई। जहां उन्होंने जल्द से जल्द मांग पूरी न होने पर समस्त विघार्थियों को साथ लेकर सड़क पर उतरकर चक्कजाम कर आंदोलन करने और पीजी कॉलेज प्राचार्य का पुतला दहन किया जाने की चेतावनी दी है।

हमने परीक्षा दी थी, फिर भी हमें अब्सेंट दिखाया गया है- शिवानी क्षीरसागर

धरना प्रदर्शन को लेकर की गई चर्चा के दौरान एमएससी फोर्थ सेम छात्रा शिवानी क्षीरसागर ने बताया कि 2 दिन पूर्व उनके फोर्थ सेम का रिजल्ट छिंदवाड़ा विश्वविद्यालय द्वारा जारी किया गया है इस रिजल्ट में बोटैनिकल विषय के सीसी में हमें अब्सेंट दिखाकर एटीकेटी दी गई है।हमे बोटैनिकल सीसी का मेल करने कहां गया था।जो हमने कॉलेज की ही सम्बंधित टीचर को कर दिया था। उसके बाद भी हमें अब्सेंट बताकर, एटीकेटी दी गई है। कॉलेज में करीब 150 विद्यार्थियों में से 100 विद्यार्थियों को फेल कर दिया गया है। इसमें कॉलेज वालों की गलती है।क्यो की हमने ईमेल किया था लेकिन उन्होंने ईमेल देखा ही नहीं। जब हमने कॉलेज प्रबंधन से इस विषय पर चर्चा की तो उन्होंने रिजल्ट सुधार कर देने की बात कही थी। लेकिन आज दो दिन हो गए अब तक रिजल्ट में सुधार नहीं हो पाया है।

तो सड़क पर उतरकर, चक्कजाम कर, कॉलेज प्राचार्य का फूकेंगे पुतला -ऋषभ

वही चैनल गेट को बंद कर धरना प्रदर्शन कर रहे एनएसयूआई छात्र नेता ऋषभ सहारे ने बताया कि जब से जिले के कॉलेज छिंदवाड़ा यूनिवर्सिटी में गए हैं कब से ही बच्चों को तरह-तरह से परेशान किए जाने का काम किया जा रहा है। आज 5 वर्ष हो गए अक्सर यूनिवर्सिटी द्वारा जारी किए गए रिजल्ट में त्रुटियां देखने को मिल रही है और हम लगातार यूनिवर्सिटी बदलने की मांग कर रहे हैं। लेकिन हमारी इस मांग को पूरा नहीं किया जा रहा है। छिंदवाड़ा यूनिवर्सिटी लूट का अड्डा बन गई है वह बार-बार छात्रों को फेल करती है ताकि बार-बार छात्र परीक्षा फॉर्म भरे,और बार-बार परीक्षा फीस यूनिवर्सिटी के पास पहुंच जाए।अभी 2 दिन पूर्व एमएससी बोटैनिकल का रिजल्ट जारी किया गया जिसमें से 150 में से 90 बच्चों को फेल कर दिया गया है वही रिजल्ट में सुधार भी नहीं किया जा रहा है। जिसके चलते आज हमने चैनल गेट बंद कर धरना प्रदर्शन किया है। यदि जल्द से जल्द रिजल्ट में सुधार करके पास के रूप में नया परीक्षा परिणाम जारी नहीं किया जाता तो एनएसयूआई के बैनर तले समस्त विद्यार्थियों को साथ लेकर सड़क पर उतरकर, चक्कजाम आंदोलन कर पीजी कॉलेज प्राचार्य का पुतला दहन किया जाएगा।

राज्यपाल मंगुभाई पटेल का 21 अगस्त को बैहर आगमन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। मध्यप्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल का 21 अगस्त को बालाघाट जिले के वनांचल क्षेत्र बैहर में आगमन होने जा रहा है। राज्यपाल श्री पटेल 21 अगस्त को प्रातः 11:35 बजे सिवनी जिले की सुकतरा हवाई पट्टी से हेलीकाप्टर द्वारा बालाघाट जिले की बिरवा हवाई पट्टी के लिए प्रस्थान करेंगे और दोपहर 12:05 बजे बिरवा पहुंचेंगे। राज्यपाल श्री पटेल दोपहर 12:10 बजे बिरवा हवाई पट्टी से एकलव्य विद्यालय बैहर के लिए प्रस्थान करेंगे। राज्यपाल श्री पटेल एकलव्य विद्यालय बैहर में स्वास्थ्य शिविर का शुभारंभ करेंगे और विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों से चर्चा करेंगे। बैहर में आयोजित कार्यक्रम के पश्चात वे दोपहर 02:20 बजे बिरवा हवाई पट्टी से हेलीकाप्टर द्वारा जबलपुर के लिए प्रस्थान करेंगे और दोपहर 03 बजे जबलपुर पहुंचेंगे तथा वहां से शाम 05 बजे राजभवन भोपाल पहुंचेंगे।

सीएम हेल्पलाईन के प्रकरणों में संतोषजनक प्रगति नहीं पाए जाने पर 03 अधिकारियों का तीन दिन का वेतन काटने के निर्देश

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। कलेक्टर मृणाल मीना ने सीएम हेल्पलाईन के प्रकरणों के निराकरण में संतोषजनक प्रगति नही पाए जाने पर 03 अधिकारियों का तीन दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए है। नगर पालिका बालाघाट के मुख्य नगर पालिका अधिकारी, नगर परिषद कटंगी के मुख्य नगर पालिका अधिकारी एवं प्रभारी श्रम पदाधिकारी को बार-बार निर्देश दिये जाने के बाद भी सीएम हेल्पलाईन की शिकायतों का निराकरण नहीं किया गया है। जिस पर इन अधिकारियों का 03 दिन का वेतन काटने के निर्देश दिये गए है। इसी प्रकार खनिज अधिकारी, उपसंचालक कृषि एवं सिंचाई विभाग के अधिकारियों को सीएम हेल्पलाईन की शिकायतों का निराकरण नहीं करने पर कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए है।

आपातकालीन सेवाओं के लिए अब डायल-100 नहीं, डायल-112 पर काल करें

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा मध्यप्रदेश पुलिस की नवीन आपातकालीन सेवा डायल-112 का शुभारंभ 14 अगस्त 2025 को किया गया है। जन-सुरक्षा की दिशा में ऐतिहासिक बदलाव लाते हुए, मध्यप्रदेश में डायल-100 की गौरवशाली विरासत को आगे बढ़ाते हुए डायल-112 को एकीकृत, स्मार्ट और बहु-एजेंसी आपातकालीन प्रतिक्रिया सेवा के रूप में स्थापित किया गया है। बढ़ती आवश्यकताओं और बहु-एजेंसी समन्वय को देखते हुए, डायल-112 सेवा शुरू की गई है। अब पुलिस (100), स्वास्थ्य/एम्बुलेंस (108), अग्निशमन (101), महिला हेल्पलाइन (1090), साइबर क्राइम (1930), रेल मदद (139), हाईवे एक्सिडेंट रिस्पॉन्स (1099), प्राकृतिक आपदा (1079) और महिला एवं चाइल्ड हेल्पलाइन (181, 1098) जैसी सभी सेवाएं एक ही नंबर 112 से उपलब्ध होंगी। यह मध्यप्रदेश पुलिस के लिए बड़ी उपलब्धि है। डायल 112 सेवा देश के विकास के साथ कदम से कदम मिलाएगी। डायल 112 सेवा नागरिकों को कई प्रकार की आपातकालीन परिस्थितियों में हर संभव सहायता उपलब्ध कराएगी। राज्य सरकार ने इन वाहनों के लिए बजट बढ़ाकर 1500 करोड़ रूपए से अधिक किया है। डायल 112 वाहनों की संख्या में 200 वाहन बढ़वाए गये हैं।जिले की जनता अब आपात स्थिति में पुलिस की सहायता के लिए डायल-112 पर काल कर मदद मांग सकती है। अब उसे डायल-100 पर काल नहीं करना है, बल्कि डायल-112 पर काल करना है। डायल-112 पर काल करते ही आधुनिक सुविधाओं से लैस वाहन पुलिस के जवानों के साथ घटना स्थल पर पहुंच जायेगा।

सूचना

यह कि खिलेश गवने मेहदीवाड़ा (वारासिवनी) बाघरेचा तिजारे एण्ड एसोसिएट्स का कोई कर्मचारी नहीं है, तथा बाघरेचा तिजारे एण्ड एसोसिट्स से इसका कोई संबंध नहीं है, यदि यह हमारे नाम से कोई भी रूपये का लेन-देन करता है तो उसकी जिम्मेदारी हमारी नहीं होगी।

बाघरेचा तिजारे एण्ड एसोसिएट्स
चार्टड एकाउंटेट मेन रोड,
बालाघाट
मो. 9201340520
07632-244911,244922, 244933

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बध्द
सतपुड़ा इंजीनियरिंग & पॉलिटेक्निक कॉलेज
प्रवेश प्रारंभ
B.Tech. & Polytechnic
- COMPUTER SCIENCE ENGINEERING
- MINING ENGINEERING
- CIVIL ENGINEERING
- MECHANICAL ENGINEERING
- ELECTRICAL ENGINEERING

Lateral Entry Admission NEP 2020 के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा/B.Sc. (Maths) उत्तीर्ण छात्रों का B.Tech. एवं ITI उत्तीर्ण छात्रों का पॉलिटेक्निक के
द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश
सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, गर्रा, बालाघाट
6262604111, 9425836824

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, संपादक- उमेश बागरेचा, मो.नं. - ९४२५१३८७१० रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /२००९/३२३११, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट